



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 17] नई दिल्ली, शनिवार, मई 7, 1988 (वैशाख 17, 1910)

No. 17] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 7, 1988 (VAISHAKHA 17, 1910)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate Compilation)

भाग III—खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और
भारत सरकार के संलग्न और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the
Public Service Commission, the Indian Government Railways and by attached
and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110 011, दिनांक 18 मार्च 1988

सं० ए० 32014/1/88-(1) प्रशा०-I—राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग के निम्नलिखित वरिष्ठ वैयक्तिक सहायकों (के० सं० आ० से० का ग्रेड 'ख') को उसी संवर्ग में, उनके प्रत्येक के नाम के समक्ष दर्शाई गई अवधि के लिये अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, तबतक आधार पर निजी सचिव (के० सं० आ० से० का ग्रेड 'क') के रूप में नियुक्त किया जाता है :—

क्रमांक	नाम	अवधि
सर्वश्री		
1.	तरसेम सिंह	1-3-88 से 31-5-88 तक
2.	के० एस० भूटानी	—वही—
3.	पी० पी० सिक्का	—वही—
4.	एम० एम० एल० चांदना	—वही—
5.	एम० एम० एल० दुआ	—वही—
6.	जतिन्दर लाल	—वही—
7.	टी० आर० शर्मा	—वही—

2. उपरोक्त व्यक्ति कृपया इस बात पर ध्यान दें कि निजी सचिव (के० सं० आ० से० का ग्रेड 'क') के रूप में उनकी नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और के० सं० आ० से० के ग्रेड 'क' में विलयन अथवा इस ग्रेड में वरिष्ठता के लिये उनका कोई दावा नहीं होगा। साथ ही, उक्त ग्रेड में उनकी यह नियुक्ति पदोन्नति नहीं होगी क्योंकि 1-1-1986 से के० सं० आ० से० के ग्रेड 'क' और ग्रेड 'ख' के वेतनमानों का 2000-3500/- रु० के एक ही संशोधित वेतनमान में विलय हो गया है।

सं० ए०-32014/1/88(II) प्रशा०-I—राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के के० सं० आ० से० संवर्ग के निम्नलिखित वैयक्तिक सहायकों को उनके प्रत्येक के नाम के समक्ष दर्शाई गई अवधि के लिये अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में तदर्थ आधार पर वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० सं० आ० से० का ग्रेड 'ख') के पद पर नियुक्त किया जाता है।

क्रमांक	नाम	अवधि
सर्वश्री		
1.	श्रीमती सरोज कपूर	2-3-88 से 31-5-88 तक
2.	लेखराज गुप्ता	—वही—

2. उपरोक्त व्यक्ति इस बात पर ध्यान दें कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० आ० से० का ग्रेड 'ख') के पद पर उनकी नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और के० स० आ० से० के ग्रेड 'ख' में विलयन अथवा इस ग्रेड में वरिष्ठता के लिये वे हकदार नहीं होंगे। इसके साथ ही वे उस बात पर भी ध्यान दें कि उनकी नियुक्ति कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के अनुमोदन के अधीन है।

दिनांक 31 मार्च 1988

सं० ए० 38011/3/87-प्रशा०-I—राष्ट्रपति द्वारा के० स० से० के स्थाई अनुभाग अधिकारी तथा मं० लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अवर सचिव के रूप में कार्यरत श्री एन० आर० मेहरा को निवर्तन आयु होने पर 31 मार्च, 1988 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति प्रदान की जाती है।

के० एल० सूरि
अवर सचिव (का० प्रशा०)
सं० लो० से० आ०

प्रवर्तन निदेशालय

विवेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम

नई दिल्ली-110003, दिनांक मार्च 1988

सं० ए०-11/2/78—प्रवर्तन निदेशक, एतद् द्वारा इस निदेशालय के श्री एम० एल० आचार्य को इस निदेशालय के बम्बई क्षेत्रीय कार्यालय में 29-1-88 (पूर्वाह्न) से छः महीने की अवधि के लिये अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, मुख्य प्रवर्तन अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिये नियुक्त करते हैं।

बिहारी लाल
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते निदेशक

नई दिल्ली-110003, दिनांक 14 मार्च 1988

सं० ए०-11/5/88—प्रवर्तन उप निदेशक, एतद् द्वारा इस निदेशालय के श्री के० मुदेश कुमार, को इस निदेशालय के गोवा उप क्षेत्रीय कार्यालय में 22-2-88 (पूर्वाह्न) से छह महीने की अवधि के लिये अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, प्रवर्तन अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिये नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-11/6/88—प्रवर्तन उप निदेशक, एतद् द्वारा इस निदेशालय के श्री एफ० कादर मईदीन, को इस निदेशालय के हैदराबाद फील्ड यूनिट में 29-2-88 से छह महीने की अवधि के लिये, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, प्रवर्तन अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिये नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-11/8/88—प्रवर्तन उप-निदेशक, एतद् द्वारा इस निदेशालय के श्री ए० चट्टोपाध्याय को इस निदेशालय के कलकत्ता क्षेत्रीय कार्यालय में 1-2-88 (पूर्वाह्न) से छह महीने की अवधि के लिये अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, प्रवर्तन अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिये नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 11/12/88—प्रवर्तन उप-निदेशक, एतद् द्वारा इस निदेशालय के श्री सी० आर० विजयन नायर, को इस निदेशालय के बम्बई-II क्षेत्रीय कार्यालय में 29-1-88 से छह महीने की अवधि के लिये अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, प्रवर्तन अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिये नियुक्त करते हैं।

(श्रीमती) एम० टॉमस
मुख्य प्रवर्तन अधिकारी
कृते उप निदेशक (प्रशासन)

गृह मंत्रालय

सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी

हैदराबाद-500252, दिनांक 19 मार्च 1988

सं० 15011/13/88-स्था०—पश्चिम बंगाल सरकार के न्यायिक विभाग से स्थानान्तरण द्वारा प्रतिनियुक्ति पर श्री पी० आर० माजी उप खण्डीय न्यायिक मजिस्ट्रेट, रानाघाट नडीआ पश्चिम बंगाल ने दिनांक 10 मार्च, 1988 पूर्वाह्न को सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी में सहायक निदेशक (विधि) का कार्यभार संभाला है।

वह इस अकादमी में कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्ष की अवधि तक प्रतिनियुक्ति पर रहेंगे और न्यायिक अधिकारी के ग्रेड में 150/- रु० प्रति माह के साथ 3700-125-4700-150-5000 रुपये वेतनमान में वेतन और भत्ते आह्वित करेंगे।

ए० ए० अली
निदेशक

महानिदेशालय के० रि० पु० बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 8 अप्रैल 1988

सं० ओ० दो०-2359/87 स्था०-1-महानिदेशक के० रि० पु० बल के पद पर नियुक्ति होने के फलस्वरूप श्री पी० जी० हर्लनकर अतिरिक्त महानिदेशक पद का कार्य भार दिनांक 31-3-88 (अपराह्न) को त्याग दिया।

किशन लाल
स्था० निदेशक (स्था०-1)

नई दिल्ली-110003, दिनांक 8 अप्रैल 1988

सं० ओ० दो०-2440/88-स्था०-1-राष्ट्रपति जी ने डाक्टर (कुमारी) संधमित्रा दास को अस्थायी रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल झूटी आफिसर ग्रेड-II (डिप्टी सुपरिन्टेन्डेंट/कम्पनी कमांडर) के पद पर 9 मार्च 1988 पूर्वाह्न से सहर्ष नियुक्त किया है।

दिनांक 11 अप्रैल 1988

सं० ओ० दो०-2444/88-अस्था०-1-राष्ट्रपति, श्री तिलक लाल, भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी यू० पी० कैडर को प्रतिनियुक्ति पर उपमहानिरीक्षक के० रि० पु० बल में पांच साल के लिये सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री तिलक लाल ने उप-महानिरीक्षक के० रि० पु० बल, नई दिल्ली के पद का कार्य भार दिनांक 29 मार्च 1988 (अपराह्न) को संभाल लिया।

दिनांक 13 अप्रैल 1988

सं० डी० एक-49/87-स्था०-1-श्री एन० जी० मुब्रमनिया, महायक कमांडेंट, के० रि० पु० बल, की सेवायें इंडियन आयल कारपोरेशन को उनके वरिष्ठ सतर्कता अधिकारी पद पर प्रतिनियुक्ति आधार पर चयन होने के फलस्वरूप दिनांक 4 अप्रैल 1988 (पूर्वाह्न) से सौंपी जाती है।

भोला नाथ,
महायक निदेशक (स्था०)

कार्यालय: निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व-

नई दिल्ली-110002, दिनांक 15 अप्रैल 1988

सं० प्रशा०-1/का० आ० सं० 12-निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व-I, इस कार्यालय के निम्नलिखित लेखा परीक्षा

अधिकारियों को 2375-3500 रुपये के समयमान में उनके आगे दर्शाई हुई तिथियों से स्थाई रूप में नियुक्त करते हैं:-

1. श्री एच० सी० ग्रांवर 7-3-1988
2. श्री आर० जे० छाबड़ा 1-4-1988

अंजलि आनन्द श्रीवास्तव,
उप निदेशक लेखा परीक्षा (प्रशा०)

कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा)-1

अहमदाबाद-380001, दिनांक 13 अप्रैल 1988

सं० स्था० ए० राजपत्र/3/37/71-महालेखाकार परीक्षा लेखा-I, गुजरात, अहमदाबाद के निर्णय के अनुसार निम्नलिखित सहायक लेखा परीक्षा अधिकारियों को कार्यालय, महालेखाकार (लेखा परीक्षा)-1 गुजरात, अहमदाबाद में स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में उनके नाम के मामले बताई गई तारीख से अगला आदेश मिलने तक नियुक्त किया जाता है।

- (1) श्री के० सी० सायमन 4-4-1988 पूर्वाह्न)

उपरोक्त पदोन्नतियां अस्थायी आधार पर हैं और 1980 एवं 1984 की विधेय मिश्रित आवेदन पत्र सं० क्रमशः 735 एवं 388 में माननीय गुजरात उच्च न्यायालय के निर्णय की शर्त पर की जाती हैं एवं जो केन्द्रीय प्रशासनिक ट्रिब्यूनल अहमदाबाद में विचाराधीन है।

सं० सलूजा,
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्र०)
कार्यालय, महालेखाकार (लेखा परीक्षा)-I
गुजरात, अहमदाबाद।

कार्यालय महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) प्रथम
मध्य प्रदेश

ग्वालियर, दिनांक 11 अप्रैल 1988

सं० प्रशा० एक/से० अ०/प्रमोशन/एफ० नं० 65/44-महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) प्रथम, म० प्र०, ग्वालियर के श्री जे० आर० भाटिया, स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी (02/508) को आगामी आदेशों तक दिनांक 18-1-88 पूर्वाह्न से स्थानापन्न स्थिति में लेखा अधिकारी के पद पर रु० 2375-75-3200-द० री०-100-3500 के वेतनमान पर प्रोफार्मा आधार पर पदोन्नत किया है।

(प्राधिकार:-महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी)
प्रथम के आदेश दिनांक 11-3-88)

निरंजन पन्त
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशा०)

कलकत्ता-700001, दिनांक 8 अप्रैल 1988

सं० प्रशा० 1/1255-1/75-76—प्रधान महा-
लेखाकार (ले० एवं हक०) पश्चिम बंगाल ने मुख्यालय
के पत्र सं० 109/110-एन०-2/119-87 दिनांक
5-2-88 के अधीन परिचालित भारत के गजट II, अनु-
भाग 3, सब अनुभाग (II) दिनांक 16-1-88 में
प्रकाशित जी० आई० एम० एफ० (डी० ई०) अधिसूचना
संख्या एम० ओ० 136 दिनांक 4-1-88 के अनुसार
निम्नलिखित सहायक लेखा अधिकारियों को वर्ग 'ख'
राजपत्रित में संस्थापित किया है।

क्रम संख्या	नाम
1	2
सर्वश्री	
1.	देवी दास सरकार
2.	दिलीप कुमार राय—III
3.	सुशील कुमार बताक
4.	श्याम सुन्दर मित्र
5.	प्रभात कुमार बसु
6.	अशोक कुमार मुखर्जी—II
7.	असित कुमार सरकार—II
8.	सुशील कुमार मुखर्जी—II
9.	आशीष कुमार घोष—II
10.	शम्भूनाथ सेन
11.	गोबिन्द लाल घोष—I
12.	उज्ज्वल नन्दी
13.	श्रीमती नन्दिता चक्रवर्ती (अनु० जाति)
14.	बिनय कुमार पाल
15.	हृदय नाथ हाजरा
16.	सुभाष चन्द्र राय—II
17.	गौर हरि नस्कार (अनु० जाति)
18.	श्री सत्य रंजन बोस
19.	गौरांग कुमार दास
20.	गोपाल चन्द्र हालदार
21.	अरुण कान्ति बैनर्जी
22.	अजय कुमार सेन
23.	अनिल कुमार दास
24.	गोमी वल्लभ नस्कार (अनु० जाति)
25.	शंकर प्रसाद राय
26.	श्री निमाई चरण सील
27.	श्यामल कुमार हालदार (अनु० जाति)
28.	रंजित कुमार घोष
29.	अरविन्द कुमार बसु
30.	अलोक रंजन पाल
31.	समीर कान्ति चक्रवर्ती
32.	कृष्णानन्द पाल
33.	सुशील कुमार साहा

1	2
सर्वश्री	
34.	समरेन्द्र त्रुटर्जी
35.	कमल बागची (अनु० जाति)
36.	गिरिजा शंकर सेन
37.	सुबोध कुमार बैनर्जी
38.	निशिय रंजन दत्त
39.	नित्य रंजन मंडल (अनु० जाति)
40.	महादेव राय
41.	प्रफुल्ल कुमार भट्टाचार्य
42.	अनिल बरन मजुमदार
43.	सलिल कुमार बसु
44.	शंकर कुमार बसु
45.	सत्यनारायण पाल
46.	श्री केशव गांगुली
47.	समर कुमार बन्दोपाध्याय
48.	सुशांत कुमार पाल
49.	श्रीमती पांचाली सरकार
50.	श्री मिहिर कान्ति मजुमदार
51.	हीरेन्द्र नाथ मुखर्जी
52.	निर्मल कान्ति सरकार (अनु० जाति)
53.	रंजीत कुमार दे
54.	कल्याण कुमार मित्र—II
55.	असित कुमार दास
56.	शंभू नाथ ठाकुर
57.	नव किशोर रुईदास (अनु० जाति)
58.	अरुण देव बन्धोपाध्याय
59.	सुधीर कुमार सील
60.	तपन कुमार दत्त—II
61.	समीरन दास—II
62.	तपन भट्ट
63.	तिमिर बरन राय चौधरी
64.	विद्युत कुमार गायन (अनु० जाति)
65.	गुरुदास मजुमदार (अनु० जाति)
66.	शरोदिन्दु घोष
67.	रंजित कुमार साहा
68.	असीम कुमार भट्टाचार्य
69.	तापस कान्ती बसु
70.	स्वपन कुमार घोष—IV
71.	तारक नाथ सांतरा
72.	चंडी चरण भट्टाचार्य
73.	कृष्णपद घोष
74.	असित रंजन बन
75.	निर्मल कुमार विश्वास
76.	पार्थ सारथी सेन
77.	परिमल चन्द्र चौधरी (अनु० जाति)
78.	समरजित कुमार सिन्हा

1	2
सर्वेत्री	
79. दुलाल चन्द्र साहा	
80. रवीन्द्र नाथ सामन्त	
81. हरपद दे	
82. दिग्विजय चौधुरी	
83. काशीनाथ हालदार—	
84. मनज कुमार विश्वास	
85. प्रवीर कुमार विश्वास (अनु० जाति)	
86. प्रभात गांगुली—II	
87. ननी गोपाल दास—II	
88. प्रकाश चन्द्र बसु	

सं० प्रशा० 1/1038-XX/3082—प्रधान महालेखाकार (ले० एवं हक) पश्चिम बंगाल ने अगले आदेश तक, श्री सुशील-कुमार बसाक, सहायक लेखाधिकारी को तदर्थ तथा अस्थायी तौर पर लेखा अधिकारी के हैसियत में अस्थायी और स्थाना-पन्न रूप से 23-3-88 के पूर्वाह्न तक या जिम दिनांक से वस्तुतः वे कार्यभार सम्भालते हैं, इसमें से जो भी बाद में हो, इस कार्यालय में लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

इसे स्पष्ट समझ लेना चाहिए कि लेखा अधिकारी के संवर्ग में पूर्वोक्त प्रोन्नति जब तक कलकत्ता उच्च न्यायालय में एक मुकदमे में निर्णय निलम्बित रहे तब तक पूर्णतया अस्थायी रूप से है और भारतीय गणराज्य तथा दूसरों के खिलाफ दायर किए गए 1979 के सी० आर० क्रम संख्या 14818 (डब्ल्यू) के अन्तिम फैसले के अधीन है।

नए प्रोन्नत अधिकारी को, इस आदेश के जारी होने/कार्य-भार ग्रहण करने के दिनांक से एक माह के अन्दर विकल्प देना होगा कि प्रोन्नति होने पर उनका वेतन पहले एफ० आर० 22 सी० के अधीन निर्धारित होगा या नहीं और यदि वह निर्धारित एक माह की अवधि के अन्दर दिनांक 26-9-81 के श्री० एम० के पैरा 2 (ख) के अनुसार विकल्प देते हैं तो उनका वेतन उनकी प्रोन्नति के दिनांक से एफ० आर० 22 (1) के अधीन तथा उसके बाद प्रदायक (फीडर) पद पर, परवर्ती वेतन वृद्धि के दिनांक से एफ० आर० 22 (सी) के अधीन निर्धारित करना चाहिए।

प्र० कु० घोष
वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां सेवा

आर्डनेन्स फैक्ट्री बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 13 अप्रैल 1988

सं० 8/जी/88—श्री वी० सी० शाटिया, सहायक निदेशक

(मीलिक एवं स्थायी अमिस्टेट फोरमैन) श्री० ई० एफ० समूह मुख्यालय, कानपुर दिनांक 15 जनवरी, 1988 (अपराह्न) से स्वेच्छापूर्वक सेवा-निवृत्त हुए।

एम० ए० अलहन
संयुक्त निदेशक/जी०
कृते महानिदेशक।

कलकत्ता-1, दिनांक 4 अप्रैल, 1988

सं० 16/88/ए/ई-(एनजी)---वार्धक्य निवृत्ति प्राप्त कर ४. देवव्रत राय स्थानापन्न स्टाफ अधिकारी (मी० एवं स्थायी सहायक) दिनांक 31-3-88 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

2. उक्त ही दिनांक से श्री राय को पेंशन स्थापना में स्थानान्तरित किया जाता है।

एस० दासगुप्ता
उपमहानिदेशक/प्रशासन
कृते महानिदेशक आयुध निर्माणियां

कलकत्ता, दिनांक 4 अप्रैल 1988

सं० 7 जी/88---वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर (58 वर्ष) श्री के० के० भद्र, स्थानापन्न उप निदेशक (मीलिक एवं स्थायी फोरमैन) दिनांक 31 मार्च, 1988 अपराह्न से सेवा निवृत्त हुए।

एम० ए० अलहन
संयुक्त निदेशक/जी०

इस्पात और खान मन्त्रालय

(खान विभाग)

(भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण)

* कलकत्ता-700016, दिनांक 8 अप्रैल 1988

सं० ए-32013/1-निदे० (भूवि०)/84-19ए---राष्ट्रपति भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के भूवैज्ञानिक (वरिष्ठ) श्री पी० के० गुहा राय, जो पश्चिम बंगाल सरकार में प्रतिनियुक्ति पर हैं, को निदेशक (भूविज्ञान) के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 3700-125-4700-150-5000 रु० के वेतनमान में "उससे निचले नियम" के अन्तर्गत 12-6-87 से प्रोफार्मा पदोन्नति स्वीकृत करते हैं।

डी० के० गुप्ता
उप महानिदेशक (कार्मिक)
कृते महानिदेशक

कलकत्ता-700016, दिनांक 7 अप्रैल 1988

सं० 2271बी/ए-32013(2-डी० जी०)/82-19बी—
राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के भूभौतिकविद्
(वरिष्ठ) श्री बी० एम० आर० मूर्ती को निदेशक (भूभौतिकी)
के पद पर उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 3700-125-
4700-150-5000 - रु० वेतनमान के वेतन पर स्थानापन्न
क्षमता में आगामी आदेश होने तक 6-1-88 के पूर्वाह्न में
पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

डी० के० गुप्ता,
उप महानिदेशक (कामिक)

1988 के पूर्वाह्न में सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में आशु-
निपिक ग्रेड-1 के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त कर दिया
है :—

1. श्री वेद अंत
2. श्री एच० बी० बलौधी
3. श्री बी० एम० गुलाटी
4. श्री आ० पी० ओबराय

टी० एस० राव,
उपनिदेशक प्रशासन
(के० स० स्वा० यो०)

(भारतीय खान व्यूरो)

नागपुर, दिनांक 11 अप्रैल 1988

सं० ए-19011/194/76-स्था० ए०—विभागीय पदोन्नति
समिति की सिफारिश पर श्री आर० एम० उमादे,
वरिष्ठ खनन भूविज्ञानी, भारतीय खान व्यूरो को स्थानापन्न
रूप में दिनांक 28-3-1988 के अपराह्न में क्षेत्रीय खनन
भूविज्ञानी के पद पर भारतीय खान व्यूरो में पदोन्नति प्रदान की
गई।

जी० सी० शर्मा,
महा० प्रशासन अधिकारी
कुने नियंत्रक
भारतीय खान व्यूरो

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

नई दिल्ली-110011, दिनांक 13 अप्रैल 1988

सं० 11/2/88-संस्मारक—प्राचीन संस्मारक पुरातत्वीय
स्थल तथा अवशेष नियम, 1959 के नियम 6 के अंतर्गत
प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं मृतीश चन्द्रजीशी,
संयुक्त महानिदेशक एतद्वारा यह निदेश देता हूँ कि उक्त
नियमों की द्वितीय अनुसूची में निदिष्ट स्मारकों में प्रवेश के
लिए विश्वविरासत दिवस समारोहों के अवसर पर 18-4-88
को कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।

मृतीश चन्द्रजीशी,
संयुक्त महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 3 मार्च 1988

सं० ए० 12026/14/87-एम० एच०—स्वास्थ्य सेवा
महानिदेशक ने निम्नलिखित अधिकारियों को 27 जनवरी,

नई दिल्ली, दिनांक 12 अप्रैल 1988

सं० ए० 12026/15/82-प्रशासन-1/सी० एच० (सी०
डी० एल०)—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० आर० सी०
श्रीवास्तव को 1 मार्च, 1986 से अखिल भारतीय स्वास्थ्य
एवं जन स्वास्थ्य सन्धान, कलकत्ता में तद्वारा प्रमुख
अधिकारी (जैव विज्ञान) के स्थाई पद पर मून का में नियुक्त
किया है।

शुद्धिपत्र

विषय:—राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम, दिल्ली, में
जन सम्पर्क अधिकारी, की नियुक्ति के लिए
उम्मीदवारों के चयन बाबत—

सं० ए० 12016/2/86-एन० एम० ई० पी०/पी० एच०
(सी० डी० एल०) उपर्युक्त विषय पर इस निदेशालय की
3 मार्च, 1988 की अधिसूचना संख्या ए० 12026/2/86-
एन० एम० ई० पी०/पी० एच०/(सी० डी० एल०) में दिए गए
वेतनमान में सुधार करें और इस प्रकार पढ़ें :—

“पद का वेतनमान 3000—4500/- रुपए है” के स्थान पर
“पद का वेतनमान 2200—4000/- रुपए है।” पढ़ें।

श्रीमती जैसी फ्रांसिस
उप निदेशक प्रशासन (पी० एच०)

कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

वनस्पति-रक्षण, संगरोध एवं संग्रह निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 12 अप्रैल, 1988

सं० 7-67/67-प्रशासन अनुभाग-प्रथम—भारत सरकार
के वनस्पति-रक्षण सलाहकार ने इस निदेशालय के श्री धर्मपाल
सिंह को 14-3-1988 की पूर्वाह्न में 2000-60-2300-

द० रो०-75-3200-100-3500 रुपए के वेतनमान में सहायक वनस्पति रोग विज्ञानी के पद पर वनस्पति संगरोध और प्रभूमान केन्द्र, तूतीकोरिन में अगले आदेशों तक नियमित रूप में अस्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

सं० 7-93/73-प्रशासन अनुभाग-प्रथम (खंड द्वितीय)।— भारत सरकार के वनस्पति-रक्षण सलाहकार ने इस निदेशालय के श्री विजय कृष्ण शर्मा को 1-2-1988 की पूर्वाह्न से 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500 रुपए के वेतनमान में सहायक कीट विज्ञानी के पद पर वनस्पति संगरोध और प्रभूमान केन्द्र, बम्बई में अगले आदेशों तक नियमित रूप से अस्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

एस० पी० कुटार,
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400 085, दिनांक 4 अप्रैल 1988

सं० क्रभनि/41/14/85-प्रशा०/6740—परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थाई भंडारी श्री जी० के० पिल्लै को इसी निदेशालय में दिनांक 18-01-88 (पूर्वाह्न) से 08-03-88 (अपराह्न) तक रुपए 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500 के वेतनमान में सहायक भंडार अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया है, यह नियुक्ति श्री बी० डंडपाणी, सहायक भंडार अधिकारी, के स्थान पर की गई है जिन्हें उक्त अवधि के लिए छुट्टी प्रदान की गई है।

बी० जी० कुलकर्णी
प्रशासन अधिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500762, दिनांक 4 अप्रैल 1988

सं० ना० ई० सं०/का० प्र० भ०/0704/438—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ना० ई० सं०/का० प्र० भ०/0704/338, दिनांक मार्च 15, 1988 के क्रम में वरिष्ठ आणुलिपिक श्रीमती ए० रमा देवी की रुपए 2000-60-23000 द० रो०-75-3,200 के वेतनमान में सहायक कार्मिक अधिकारी के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्ति को दिनांक 28-4-88 पर्यन्त अथवा आगामी आदेशों पर्यन्त—इसमें से जो भी पूर्वघटित हो, आगे बढ़ाया जाता है।

दिनांक 6 अप्रैल 1988

सं० ना० ई० सं०/का० प्र० भ०/0704/0441—नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के प्रशासन के उप मुख्य कार्यपालक श्री रुगिण्ठ आणुलिपिक श्री बी० बी० रामि रेड्डि की रुपए 2,000-60-2,300-द० रो०-75-3,200 के वेतनमान में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी के रूप में दिनांक 16-3-1988 से 14-5-1988 पर्यन्त अथवा आगामी आदेशों पर्यन्त—इसमें से जो भी पूर्वघटित हो, नियुक्त करते हैं।

ना० वें० रमणन,
प्रबन्धक
कार्मिक व प्रशासन

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 मार्च 1988

सं० ए० 32013/4/88-स्था०-I—राष्ट्रपति, नागर विमानन विभाग के श्री आर० सी० वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी को दिनांक 22-3-1988 (पूर्वाह्न) से 6 माह की अवधि के लिए अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने की तारीख तक, इनमें से जो भी पहले हो, उपनिदेशक (अनुसन्धान एवं विकास) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्ति करते हैं।

एम० भट्टाचार्यी,
उपनिदेशक प्रशासन
कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 15 मार्च 1988

सं० ए० 19011/16/86-ई० एच० (ए)—राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण में प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत श्री जे० एन० जेतली, सहायक निदेशक (योजना) निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 29-2-1988 को सरकारी सेवा में निवृत्त हो गए हैं।

एम० भट्टाचार्यी,
उप निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय उत्पादन और सीमा शुल्क समाहर्तालय

बडोदरा, दिनांक 11 अप्रैल 1988

सं० 6/1988—श्री बी० एम० पटेल, अधीक्षक, वर्ग "ब", सीमा शुल्क मण्डल, मूरत दिनांक 23-3-1988 को 58 वर्ष नियर्तन आयु प्राप्त करने के पश्चात् दिनांक 31-3-1988 के अपराह्न में निवृत्त हो गए हैं।

श्रीमती वरलक्ष्मी राजमाणिक्यम,
समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पादन और सीमा शुल्क

निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 7 अप्रैल 1988

सं० 32/3/85-ई० सी०-2—केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के केन्द्रीय इंजीनियरिंग/केन्द्रीय विद्युत एवं यांत्रिक सेवा के श्रेणी "क" के निम्नलिखित कार्यपालक इंजीनियर (सिविल एवं विद्युत) निवर्तन की आयु (58) वर्ष पूरे होने पर सरकारी सेवा से उनके सामने दी गई तारीखों से सेवा निवृत्त किए जाते हैं :—

क्र० सं०	अधिकारी का नाम	निवृत्ति की तारीख	पदनाम एवं अन्तिम तैनाती का स्थान
1	2	3	4
सर्व श्री			
1.	असवन्त सिंह का० इंजी० (सि०)	31-12-87 (अपराह्न)	कार्य० इंजी० लो० नि० वि० म०-2 (दि० प्र०) नई दिल्ली
2.	एच० पी० खन्डूरी का० इंजी० (सिविल)	31-12-87 (अपराह्न)	कार्य० इंजी० खाद्य भण्डार म० के० लो० नि० वि० कानपुर
3.	बी०आर० गुप्ता कार्य० इंजी० (सिविल)	31-01-88 (अपराह्न)	कार्य० इंजी० (मु०) अधी० नि० सर्वेक्षक (न० दि० अ) नई दिल्ली
4.	एल० बी० गहानी कार्य० इंजी० (सिविल)	29-02-88 (अपराह्न)	कार्य० इंजी० निर्माण म०-1 नई दिल्ली
5.	डी०डी० पासी कार्य० इंजी० (विद्युत)	31-12-87 (अपराह्न)	कार्य० इंजी० (वि०) मंडल-10 नई दिल्ली

1	2	3	4
0.	के०के० गुप्ता कार्य० इंजी० (विद्युत)	31-01-88 (अपराह्न)	कार्य० इंजी० (वि०) विद्युत मंडल-3, नई दिल्ली। एम० एम० दास, उप-निवेशक (प्रशासन)

उद्योग मंत्रालय

कम्पनी कार्य विभाग

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और भुटानी ओवरसीज प्रा० लि० के विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 4 अप्रैल, 1988

सं० 4214/9029—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख के तीन माह के अवसान पर भुटानी ओवरसीज प्रा० लि० का नाम इसके प्रतिकूल कारण वर्णित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और भारद्वाज आरचीटेक्ट प्रा० लि० के विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 4 अप्रैल, 1988

सं० 4227/9026—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि भारद्वाज आरचीटेक्ट प्रा० लि० का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

बी० एम० आनन्द
सहायक रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज

मुख्य बाई.टी.ए.एस.

बाधक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-1

आयकर भवन अनेकरी,
आश्रम रोड, नवरंगपुरा
अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 मार्च, 1988

निदेश नं. पी. आर. 4524/1—अतः सूचे, ए. के.
सिन्हा,

बाधक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं.

अहमदाबाद—टी.पी.एस. 4-एफ.पी. नं. 96 है तथा जो
1344 चौ. वार+मकान
में स्थित है (और इससे उगाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है);

रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में
रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक अगस्त 1987

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल से लिए सम्पत्ति की गई है और अतः यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय गया
व्याप्त प्रतिफल, निम्नलिखित उपलब्ध से उक्त अन्तरण निहित
के अन्तरिक रूप से अधिक नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक को
बाधित्व से कमी करने या उसके बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय बाध-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के अर्थव्यवस्था अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाया जा रहा था, छिपाने में
सहिष्णुता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधाग (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2 —56 GI/88

(1) श्री गुरुश्वरप्रसाध करमसिंघ
8, रान राजेंज पार्क,
ड्राईवे-इन मिनेमा के पास,
अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) कृष्ण ग्रेन ट्रेडिंग का.
चेयरमेन—श्री शैलेष कनय्याम भाई
कृष्णकृष्ण, कश्मीर सेहायटी,
पार्लेडी, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचने के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बचने के सम्बन्ध में कोई भी बाधक —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों की अवधि या उत्तमव्ययी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उद्घरण के प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों की अवधि तक स्थावर सम्पत्ति में हितवशुप
निहित अन्य व्यक्ति द्वारा यथावस्थित की या
निहित के लिए या यहाँ पर।

सन्दीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकर जो अहमदाबाद में स्थित है जिसका टी.पी.एस. नं.
96, एस.पी. 3 एण्ड 4 और कुल क्षेत्रफल 1344 चौ. वार है।
सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद में 104080 नंबर पर दिनांक
18-6-87 को रजिस्टर्ड की गई है।

ए. के. सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-1
अहमदाबाद

तारीख : 23-3-88
संहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1

आयकर भवन अनेक्सी,
आश्रम रोड, नवरंगपुरा
अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 मार्च, 1988

निवेश नं. पी. आर. 4777/11—अतः मूझे, ए. के. सिन्हा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं.

जी.आई.डी.सी. प्लॉट नं. 439 मकरपुरा है तथा जो जी.आई.डी.सी.-6438.20 चौ. मीटर+शेड में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है);

रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ादा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16) के अधीन अगस्त 1987

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) में अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) मै. पटेल बाईट बास एण्ड इन्जी. वर्क्स
जी. के. सी. रोय (एच.यू.एफ),
439, जी.आई.डी.सी.
इन्डस्ट्रियल एस्टेट,
मकरपुरा,
बड़ादा-390010

(अन्तरक)

(2) श्री दिनेश मील्ल लिमिटेड,
पावरा रोड,
बड़ादा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जी.आई.डी.सी. प्लॉट नं. 439 जो मकरपुरा, बड़ादा में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 6438.20 चौ. मीटर है। सब रजिस्ट्रार, बड़ादा 2449 नंबर पर दिनांक अगस्त 87 में रजिस्ट्री किया गया है।

ए. के. सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज 1।
अहमदाबाद

तारीख : 22-3-88
मोहर :

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा, अक्टूबर, 1988

नई दिल्ली, दिनांक 7 मई, 1988

सं. एफ. 8/2/88-प.। (ख)—संघ लोक सेवा आयोग द्वारा निम्नांकित कांसों में प्रवेश हेतु 22 अक्टूबर, 1988 से एक सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा आयोजित की जाएगी :—

कांसों का नाम तथा रिक्तियों की संभावित सं.

- (1) भारतीय सैन्य अकादमी, बेहराबून, जुलाई, 1989 में प्रारंभ होने वाला (87वां कोर्स) एन. सी. सी. (सेना स्कन्ध) "सी" प्रमाणपत्र प्राप्त उम्मीदवारों के लिये आरक्षित 32* रिक्तियाँ सम्मिलित हैं।
150* @

- (2) नौ सेना अकादमी, गोवा (जुलाई, 1989 में प्रारंभ होने वाला कोर्स)

(क) सामान्य सेवा

(एन. सी. नौ सेना स्कन्ध "सी" प्रमाणपत्रधारियों के लिए 6 आरक्षित रिक्तियाँ सम्मिलित हैं)।

44*

- (ख) नौ सेना विमानन 33*

- (3) वायु सेना ए. एफ. स्टेशन बेगमपट्ट, सिकन्दराबाद जुलाई, 1989 में प्रारंभ होने वाले उड़ान पूर्व प्रशिक्षण कोर्स अर्थात् नं. 146 वां एफ. (पी.) कोर्स) 50*

- (4) अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी, मद्रास (अक्टूबर, 1989 से प्रारंभ होने वाला 50वां एस. एस. सी. (एन. टी.) कोर्स)। 262* @

*उपरोक्त संस्था में परिवर्तन किया जा सकता है।

@ इसमें प्रशिक्षण क्षति सम्मिलित है।

ध्यान दें (1) (क)—उम्मीदवार से यह अपेक्षा की जाती है कि वह आवेदन पत्र के कालम 9 में यह स्पष्ट उल्लेख करें कि वह संघाओं के अपने वरीयता क्रम से किस-किस पर विचार किए जाने का इच्छुक है। उन्हें यह भी परामर्श दिया जाता है कि वह नीचे पैरा (ख) में बताई गयी शर्तों के अनुसार जितनी वरीयताओं के इच्छुक हों उन सभी का उल्लेख करें, ताकि योग्यताक्रम में उनके रैंक को देखते हुए नियुक्ति करते समय उनकी वरीयताओं पर यथोचित विचार किया जाए।

(ख) यदि दो अथवा अधिक कांसों/सेवाओं का विकल्प दिया जा रहा है तो अंतिम विकल्प अ. प्र. अ. होगा। अ. प्र. अ. प्रथम वरीयता, सभी हो सकती है, जबकि यही एक मात्र विकल्प है।

(ग) उम्मीदवारों को यह ध्यान रखना चाहिए कि नीचे ध्यान दें (11) में बताई गयी परिस्थितियों के अतिरिक्त उन्हें केवल उन कामों पर नियुक्ति के लिए विचार किया जाएगा जिसके लिए उन्होंने अपनी वरीयता लिखी होगी और अन्य किसी कांसों (कोर्सों) के लिए नहीं।

(घ) किसी उम्मीदवार को अपने आवेदन पत्र में पहले से निर्दिष्ट वरीयताओं को बढ़ाने, परिवर्तन करने के बारे में कोई अनुरोध आयोग द्वारा स्वीकार नहीं किया जाएगा।

विशेष ध्यान : (11) स्थायी कमीशन प्रदान करने के लिए भा. सैन्य अकादमी/नौ. सेना अकादमी/वायु सेना अकादमी कोर्स के इस परीक्षा से बचे हुए उम्मीदवार यदि बाद में अल्पकालीन सेवा कमीशन कोर्स के लिए विचार किए जाने के इच्छुक हैं तो निम्नलिखित शर्तों के अधीन अल्पकालीन सेवा कमीशन प्रदान करने के लिए विचार योग्य हो सकते हैं। चाहे उन्होंने अपने आवेदनपत्रों में इस कोर्स के लिए अपनी पसन्द नहीं बताई है।

- (1) यदि अल्पकालीन सेवा कमीशन कोर्स के लिए प्रतियोगी सभी उम्मीदवारों को लेने के बाद भी कमी है, और

- (2) जो उम्मीदवार अल्पकालीन सेवा कमीशन हेतु वरीयता व्यक्त न करने पर भी प्रशिक्षण के लिये भेजे जाते हैं, उन्हें योग्यता सूची के क्रम में उस अंतिम उम्मीदवार के बाद रखा जायेगा जिन्होंने इस कोर्स के लिए विकल्प सूचित किया है, क्योंकि ये उम्मीदवार उस कोर्स में प्रवेश पा जाएंगे जिसके लिए वे व्यक्त वरीयता के अनुसार हकदार नहीं हैं।

टिप्पणी :

एन. सी. सी. (सेना स्कन्ध)/वायु सेना स्कन्ध (वरिष्ठ प्रभाग)/(नौसेना स्कन्ध) के "सी" प्रमाणपत्र प्राप्त उम्मीदवार अल्पकालिक सेवा कमीशन कांसों की रिक्तियों के लिए भी प्रतियोगिता में बैठ सकते हैं चूंकि अभी तक उनके लिए इस कांसों में कोई आरक्षण नहीं है, अतः इस कांसों में रिक्तियों को भरने के लिए उन्हें सामान्य उम्मीदवारों की तरह समझा जाएगा। जिन उम्मीदवारों को अभी एन. सी. सी. में "सी" प्रमाणपत्र (सेना स्कन्ध) वायु सेना स्कन्ध का (वरिष्ठ प्रभाग) (नौ सेना स्कन्ध) की परीक्षा उत्तीर्ण करनी है, किन्तु अन्यथा वे आरक्षित रिक्तियों के लिए प्रतियोगिता में बैठने के पात्र हों, तो वे भी आवेदन कर सकते हैं किन्तु उन्हें इन. सी. सी. "सी" प्रमाणपत्र (सेना स्कन्ध) वायु सेना स्कन्ध/(नौ सेना स्कन्ध) का वरिष्ठ प्रभाग की परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा जो कि आई. एम. ए./एस. एस. सी. प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में सेना मुख्यालय भर्ती (सी.डी.एस.ई. एन्ट्री) नई दिल्ली-110022 तथा नौसेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में नौसेना मुख्यालय आर., एण्ड आर., नौसेना भवन, नई दिल्ली-110011 को और वायु सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में पी. ओ. 3 (ए.) वायु सेना मुख्यालय, बंग 7, प्रथम तल, वेस्ट ब्लॉक नं. 6, रामकृष्ण-पूरम, नई दिल्ली-110066, 30 जून, 1989 तक पहुंच जाए।

आरक्षित रिक्तियों के लिए प्रतियोगिता की पात्रता हेतु उम्मीदवारों ने राष्ट्रीय कैंडिडेट कोर में जो सेवा की हो वह सीनियर डिबीजन सेना स्कन्ध में 2 शैक्षणिक वर्षों से कम न हो और सीनियर डिबीजन वायु सेना/नौ सेना स्कन्ध में 3 शैक्षणिक

वर्षों से कम न हो और आयोग के कार्यालयों में आवेदनों की प्राप्ति की अन्तिम तारीख को उसे राष्ट्रीय कैंडिडेट कोर से मुक्त हुए भारतीय सैन्य अकादमी/नौ सेना अकादमी/वायु सेना अकादमी कोर्स के लिए 24 मास से अधिक न हुए हों।

टिप्पणी 11 भारतीय सेना अकादमी कोर्स/वायु सेना अकादमी कोर्स/नौ सेना अकादमी कोर्स में एन. सी. सी. (सेना स्कन्ध/सीनियर डिबीजन वायु सेना स्कन्ध/नौ सेना स्कन्ध) के "सी" प्रमाणपत्र धारी उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए परीक्षण परिणाम के आधार पर अर्हता प्राप्त इन उम्मीदवारों के पर्याप्त संख्या में न मिलने के कारण न भरी गई आरक्षित रिक्तियों को अनारक्षित समझा जाएगा और उन्हें सामान्य उम्मीदवारों से भरा जाएगा।

आयोग द्वारा आयोजित होने वाली लिखित परीक्षा तथा उसके बाद सेवा चयन बोर्ड द्वारा लिखित परीक्षा बोर्ड में योग्यता-प्राप्त उम्मीदवारों के लिए आयोजित बौद्धिक और व्यक्तित्व परीक्षण के परिणाम के आधार पर उपर्युक्त कोर्सों में प्रवेश दिया जाएगा।

(क) परीक्षण की योजना स्तर और पाठ्यचर्या, (ख) अकादमी में प्रवेश हेतु शारीरिक क्षमता स्तर तथा (ग) भारतीय सेना अकादमी/नौ सेना अकादमी अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी और वायु सेना अकादमी में प्रवेश पाने वाले उम्मीदवारों की सेवा आदि की संक्षिप्त सूचना के सम्बन्ध में क्रमशः परिशिष्ट I, II और III में विस्तार से सम्भाव्य गये हैं।

2. परीक्षा के केंद्र : अमरसला, अहमदाबाद, एंजल, दलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चण्डीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, धारवाड, बिसपुर (गोहाटी), गंगटोक, हैदराबाद, इम्फाल, इटानगर, जयपुर, जम्मू, जोरहाट, कोहिमा, लेखनऊ मद्रास, नागपुर, पणजी (गोवा), पटना, पोर्ट ब्लेयर, रायपुर, शिलांग, शिमला, श्रीनगर, तिरुचपति, त्रिवेन्द्रम, उदयपुर और विशाखापत्तनम।

आयोग यदि चाहे तो उक्त परीक्षा के उपर्युक्त केंद्रों तथा तारीखों में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा के लिए उनकी पसन्द के केंद्र देने के सभी प्रयास दिये जायेंगे। तो भी आयोग परिस्थितिवश किसी उम्मीदवार को अपनी दिवक्षा पर अन्य केंद्र दे सकता है। जिन उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाता है उन्हें समय-सारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारी दे दी जाएगी [नीचे पैरा 8 (b) देखिए।]

उम्मीदवार को ध्यान रखना चाहिए कि केंद्र में परिवर्तन से सम्बन्ध अनुरोध को सामान्यतया स्वीकार नहीं किया जाएगा। किन्तु जब कोई उम्मीदवार अपने उस केंद्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उक्त परीक्षा हेतु अपने आवेदन में निर्विष्ट किया था तो उसे सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को इस बात का पूरा औचित्य बताते हुए एक पत्र रजिस्टर्ड डाक से अवश्य भेजना चाहिए कि वह केंद्र में परिवर्तन करना चाहता है। ऐसे अनुरोधों पर गृणवत्ता के आधार पर विचार किया जाएगा किन्तु 22 सितम्बर, 1988 के बाद प्राप्त अनुरोधों को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

3. पात्रता की शर्तें :

(क) राष्ट्रियता :

उम्मीदवार या तो—

- (1) भारत का नागरिक हो, या
- (2) भूटान की प्रजा हो, या
- (3) नेपाल की प्रजा हो, या
- (4) तिब्बती शरणार्थी, जो स्थायी रूप से भारत में रहने के इरादे में 1 जनवरी, 1962 में पहले आ गया हो, या
- (5) भारतीय मूल का व्यक्ति हो जो भारत में स्थायी रूप से रहने के उद्देश्य से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका और पूर्वी अफ्रीका देश जैसे कोरिया, उगांडा तथा तंजानिया का संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व टांगानिका और जंजीबार) जाम्बिया, मालावी, जैस और इथोपिया और वियतनाम से प्रवृत्त कर आया हो।

परन्तु उपर्युक्त वर्ग (2), (3), (4) और (5) के अन्तर्गत आने वाले उम्मीदवार ऐसे व्यक्ति हों जिसको भारत सरकार ने पात्रता प्रमाणपत्र प्रदान किया हो। लेकिन नेपाल के गोस्वा उम्मीदवारों के लिए यह पात्रता प्रमाणपत्र आवश्यक नहीं होगा।

जिस उम्मीदवार के लिए पात्रता प्रमाणपत्र आवश्यक है उसे उक्त परीक्षा में इस शर्त पर अर्गुन्तम रूप से प्रवेश दिया जा सकता है कि सरकार द्वारा उसे आवश्यक प्रमाणपत्र संघ लोक सेवा आयोग द्वारा परिणाम की घोषणा से पहले दे दिया जाए।

(ख) आयु सीमाएं, लिंग और वैवाहिक स्थिति :

- (1) भारतीय सैन्य अकादमी के लिए : केवल ऐसे अविवाहित पुरुष उम्मीदवार पात्र हैं जिनका जन्म 2 जुलाई, 1965 के पहले का तथा 1 जुलाई, 1970 के बाद का न हो।
- (2) नौ सेना और वायु सेना अकादमी के लिए : केवल अविवाहित पुरुष उम्मीदवार पात्र हैं जिनका जन्म 2 जुलाई, 1967 के पहले और 1 जुलाई, 1970 के बाद न हुआ हो।
- (3) अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी के लिए : केवल वही पुरुष उम्मीदवार (अविवाहित या अविवाहित) पात्र हैं जिनका जन्म 2 जुलाई, 1964 के पहले और 1 जुलाई, 1970 के बाद न हुआ हो।

आयोग जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मेट्रिकुलेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मेट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या किसी विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित मेट्रिकुलेंटों के रजिस्ट्रों में दर्ज की गई हो और यह उद्धरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो। विश्वविद्यालय या हायर सेकेंडरी या समकक्ष परीक्षा प्रमाणपत्र परीक्षा के लिए लिखित भाग के परिणाम घोषित हो जाने के बाद ही प्रस्तुत किए जाने अपेक्षित हैं।

वायु के सम्बन्ध में कोई अन्य दस्तावेज जैसे जन्म कण्डली, रापथ पत्र, नगर निगम के सेवा अभिलेख से प्राप्त जन्म संबंधी उद्धरण तथा अन्य ऐसे ही प्रमाणपत्र स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

अनुदेशों के इस भाग में आए हुए "मैट्रिकुलेशन, उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाणपत्र" वाक्यांश को अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाणपत्र सम्मिलित है।

कभी-कभी मैट्रिकुलेशन उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाणपत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या वायु के केवल पूरे वर्ष या वर्ष और महीने ही होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिकुलेशन उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाणपत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्थान के हंड मास्टर/प्रिंसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जबकि उसने मैट्रिकुलेशन उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाणपत्र में उस संस्था के दाखिले रजिस्टर में दर्ज की गई उसको जन्म की तारीख या वास्तविक वायु लिखी होगी चाहिए।

टिप्पणी (1) उम्मीदवार यह ध्यान रखें कि आयोग उम्मीदवार की जन्म की उसी तारीख को स्वीकार करेगा जो कि आवेदनपत्र प्रस्तुत करने की तारीख को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाणपत्र या समकक्ष के प्रमाणपत्र में दर्ज है और इसके बाद उसके परिवर्तन के किसी अनुरोध पर न तो विचार किया जाएगा और न उसे स्वीकार किया जाएगा।

टिप्पणी (2) उम्मीदवार यह भी नोट करें कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार घोषित कर लेने और आयोग द्वारा उसे अपने अभिलेख में दर्ज कर लेने के बाद उसमें परिवर्तन या किसी परीक्षा में परिवर्तन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(ग) शैक्षिक योग्यताएं :

(1) भारतीय सेना अकादमी, और अधिकारी प्रशिक्षण-अकादमी के लिए किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री या समकक्ष योग्यता।

(2) नौ सेना अकादमी के लिए : भौतिक एवं गणितीय विषयों के साथ बी. एस. सी. डिग्री अथवा इजी-नियरी स्नातक।

(3) वायु सेना अकादमी के लिए : किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से भौतिक और/या गणितीय विषय के साथ डिग्री या समकक्ष। जिन उम्मीदवारों ने अपनी डिग्री परीक्षा भौतिकी और/या गणितीय के अलावा अन्य विषय लेकर उत्तीर्ण की है वे भी पात्र हैं, किन्तु शर्त यह है कि उन्होंने हायर सेकेंडरी परीक्षा (पुराना पैटर्न) या स्कूली शिक्षा 10+2 पैटर्न के अन्तर्गत 11/12वें स्तर की परीक्षा या कोई समकक्ष परीक्षा गणितीय और भौतिकी विषयों के साथ उत्तीर्ण की हो।

नौ सेना/वायु सेना की पहली पसन्द वाले स्नातकों को प्रोजेक्शन के प्रमाण रूप में प्रोविजनल सर्टिफिकेट सेवा चयन बोर्ड द्वारा परीक्षण पूरा होने के दो सप्ताहों के अन्दर क्रमशः सेना मुख्यालय (रिक्तूटिंग) सी. डी. एस. ई. एन्ट्री) सेना मुख्यालय (आर. एण्ड आर. सेक्शन/वायु सेना मुख्यालय पी. ओ. 3 (ए) का प्रस्तुत करना है।

जो उम्मीदवार अभी डिग्री परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं परन्तु उनकी डिग्री परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण आई. एस. ए./एस. एस., सी. प्रथम विकल्प

वाले उम्मीदवारों के मामले में सेना मुख्यालय भर्ती सी. डी. एस. ई. एन्ट्री) नई दिल्ली-110022 तथा नौ सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवार के मामले में नौ सेना मुख्यालय/आर. एण्ड आर. सेना भवन, नई दिल्ली-110011 को और वायु सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में पी. ओ. 3 (ए.) वायु सेना मुख्यालय, विंग 7, प्रथम तल, वेस्ट ब्लॉक नं. 6 रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110066 को निम्न-लिखित तारीख तक पहुंच जाए जिसके न पहुंचने पर उनकी उम्मीदवारी रद्द हो जाएगी।

(1) भा. से. अकादमी, नौ सेना तथा वायु सेना अकादमी में प्रवेश के लिए 30 जून, 1989 तक या उससे पहले।

(2) अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी, मद्रास में प्रवेश के लिए 15 सितम्बर, 1989 या उससे पहले जिन उम्मीदवारों के पास व्यावसायिक और तकनीकी योग्यताएं हैं जो सरकार द्वारा व्यावसायिक और तकनीकी डिग्री के समकक्ष मान्यताप्राप्त हैं वे भी परीक्षा के लिए पात्र होंगे। अपवाद की परिस्थितियों में आयोग किसी ऐसे उम्मीदवार को इस नियम में निर्धारित योग्यताओं में से किसी से युक्त न होने पर भी, शैक्षिक रूप से योग्य मान सकता है जिसके पास ऐसी योग्यताएं हों जिनका स्तर आयोग के विचार में, इस परीक्षा में प्रवेश पाने योग्य हो।

टिप्पणी 1 : ऐसे उम्मीदवार जिन्होंने डिग्री परीक्षा में अभी अर्हता प्राप्त करनी है और जिनको संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में बैठने की अनुमति दी दी है, उन्हें नोट कर लेना चाहिए कि उनको दी गई यह विशेष छूट है, उन्हें डिग्री उत्तीर्ण करने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत करना है और बर्नियादी अर्हक विश्वविद्यालय परीक्षा के दौर में आयोजित किए जाने, परिणाम की घोषणा में विलम्ब या अन्य किसी कारण से इस तारीख को और आगे बढ़ाने से सम्बंध किसी भी अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

टिप्पणी 2 : जो उम्मीदवार रक्षा मंत्रालय द्वारा रक्षा सेवाओं में किसी प्रकार के कमीशन में अपवर्जित हैं, वे इस परीक्षा में प्रवेश के पात्र नहीं होंगे, अगर प्रवेश दिया गया तो उनकी उम्मीदवारी रद्द की जाएगी।

4. शुल्क

परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को आयोग को रु. 28.00 (अट्ठाईस रुपये) का शुल्क का भुगतान करना होगा जो केन्द्रीय भर्ती शुल्क टिकटों या कि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली की स्टेट बैंक आफ इण्डिया की मुख्य शाखा पर दिये स्टेट बैंक आफ इण्डिया की किसी भी शाखा से जारी किये गये रेखांकित बैंक ड्राफ्ट या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर दिये रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर के रूप में हो।

टिप्पणी 1 : केन्द्रीय भर्ती शुल्क टिकट (डाक टिकट नहीं) डाकघर से प्राप्त करें और आवेदन पत्र पर इसके लिए निर्धारित स्थान पर चिपका दें। जारी करने वाले डाकघर से उस डाकघर की तारीख की मुहर सहित उन टिकटों को इस तरीके से रद्द किया जाए कि रद्द करने की मुहर की छाप आधिकारिक रूप से आवेदन पत्र पर भी अपने आप

जा जाए। खर्च किए गए टिकट की छाप स्पष्ट होनी चाहिए ताकि तारीख तथा जारी करने वाले डाकघर की पहचान स्पष्ट रूप से हो सके। “केन्द्रीय भती” शुल्क टिकटों के स्थान पर किसी भी हालत में डाक टिकट स्वीकार नहीं की जाएगी।”

टिप्पणी 2 : (1) उम्मीदवारों को अपने आवेदनपत्र प्रस्तुत करने समय बैंक ड्राफ्ट की पिछली ओर ऊपर के सिर पर अपना नाम तथा पता लिखना चाहिए, पोस्टल आर्डर के मामले में उम्मीदवार पोस्टल आर्डर के पिछले ओर इस प्रयोजन के लिए निर्धारित स्थान पर अपना नाम तथा पता लिखें, विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित शुल्क भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि के कार्यालय में, जैसी भी स्थिति हो इस अनुबंध के साथ जमा करना होगा ताकि वह “051—लोक सेवा आयोग परीक्षा-शुल्क” के लेखा शीर्ष में जमा हो जाए और आवेदनपत्र के साथ उसकी रसीद लगा कर भेजनी चाहिए, जिन आवेदन-प्रपत्रों में इस अपेक्षा की पूर्ति नहीं होगी उन्हें एकदम अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होगा जो नीचे के पैरा के आधार पर निर्धारित शुल्क की छूट की मांग करते हैं। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति के उम्मीदवारों को शुल्क नहीं देना होगा।

(2) आयोग, यदि चाहें तो निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब उसको इस बात का आश्वासन हो कि आवेदक भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है जो 1-1-1964 और 25-3-1971 के बीच की अवधि में भारत में प्रवृत्त कर आया था या भूतपूर्व पश्चिमी पाकिस्तान का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है तथा पहली जनवरी, 1971 और 31 मार्च, 1973 के बीच की अवधि के दौरान, भारत प्रवृत्त कर आ चुका था या बर्मा से वस्तुतः प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति है जो 1-6-1963 को या उसके बाद भारत में प्रवृत्त कर आया था या वह श्रीलंका से वस्तुतः प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है जो अक्टूबर, 1964 के भारत, श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत में आया था या आने वाला है और निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है।

(3) जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क दे दिया है पर जिसको आयोग ने परीक्षा में बैठने नहीं दिया, उसको रु. 15.00 (पन्द्रह रुपये) वापस कर दिया जाएगा। परन्तु अगर कोई आवेदन यह सूचना प्राप्त करने पर अस्वीकार कर दिया गया हो कि उम्मीदवार डिग्री या समकक्ष परीक्षा में अनुत्तीर्ण हुआ या डिग्री या समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत नहीं कर पाया

तो उसके लिए शुल्क की वापसी मंजूर नहीं की जाएगी।

(4) जो उम्मीदवार अक्टूबर, 1987 अथवा मई, 1988 में आयोजित सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा में बैठे हों और इन परीक्षाओं के परिणाम अनुसंधित हुआ हो तो उनके मामले में नाम अनुसंधित हुआ हो तो उनके मामले में रु. 28.00 (अट्ठाईस रुपये) का शुल्क वापस दिया जा सकता है पर जरूरी है कि अक्टूबर, 1988 की सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी खर्च कराने और शुल्क वापस पाने के लिए उस उम्मीदवार का अनुरोध आयोग के कार्यालय में तीन अप्रैल, 1989 या उससे पहले पहुँच जाए।

उपर्युक्त उपबन्धित व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी भी स्थिति में आयोग को भुगतान किये गये शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

5. आवेदन कैसे करें :

परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को साथ में प्रकाशित आवेदन प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए। उम्मीदवार 7 मई, 1988 के समाचारपत्रों या “रोजगार समाचार” में प्रकाशित आवेदन प्रपत्र का मूल रूप में उपयोग कर सकते हैं और उसके कालम अपने हाथ से बाल पेन से भर सकते हैं। वे सफेद कागज (फुलस्क्रेप साइज) पर केवल एक तरफ सफाई के साथ डबल स्पेस पर टंकित आवेदन प्रपत्र और उपस्थिति पत्रक को भी प्रयोग में ला सकते हैं। उम्मीदवार प्राइवेट एजेंसियों से उपलब्ध छपे हुए आवेदन प्रपत्र तथा उपस्थिति-पत्रकों को प्रयोग में ला सकते हैं, बशर्ते कि वे दिनांक 7 मई, 1988 के एम्प्लायमेंट न्यूज/रोजगार समाचार तथा प्रमुख समाचार पत्रों में प्रकाशित नमूने के अनुरूप हों, उम्मीदवार इस बात का ध्यान रखें कि पिछले वर्ष की परीक्षा के लिए निर्धारित नमूना आवेदन प्रपत्र में आवेदन करने पर स्वीकार्य नहीं होगा। उम्मीदवार यह ध्यान रखें कि वे सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा के सभी प्रश्न-पत्रों के लिए एक ही प्रवेश प्रमाणपत्र और अनुक्रमिक से परीक्षा दें चाहे उन्हें आयोग से एक से अधिक प्रवेश प्रमाणपत्र क्यों न प्राप्त हुए हों, जिस लिफाफे में आवेदन-पत्र भेजा जाए, उस पर मोटे अक्षरों में “सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा, अक्टूबर, 1988” लिखा जाए।

(क) उम्मीदवार को अपने आवेदन प्रपत्र के साथ निम्नलिखित प्रपत्र भेजने चाहिए।

(1) निर्धारित शुल्क के लिए रखांकित बैंक ड्राफ्ट/ भारतीय पोस्टल आर्डर/केन्द्रीय भती शुल्क टिकट या भारतीय मिशन की रसीद (शुल्क माफी हेतु दावे के मामले को छोड़कर) (11) विधिवत भरा हुआ उपस्थिति पत्रक (3) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें.मी. × 7 सें.मी.)

के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां एक आवेदन प्रपत्र पर तथा दूसरी उपस्थिति पत्रक में निर्धारित स्थान पर लगी हों, (1) एक पोस्टकार्ड अपने पते के साथ (5) 11.5 से.मी. × 27.5 से.मी. आकार के बिना टिकट लगे हुए तीन लिफाफे अपने पते के साथ ।

(ख) उम्मीदवार ध्यान रखें कि आवेदन प्रपत्र भरते समय भारतीय अंकों के केवल अंतर्राष्ट्रीय रूप का प्रयोग करना है, चाहे माध्यमिक स्कूल छोड़ने के प्रमाणपत्र या समकक्ष प्रमाणपत्र में जन्म की तारीख हिन्दी अंकों में दर्ज है, तो भी उम्मीदवार यह सुनिश्चित कर लें कि जो आवेदन प्रपत्र वह प्रयोग में लाता है उसमें जन्म की तारीख भारतीय "अंकों के अंतर्राष्ट्रीय रूप में लिखी हो, वे इस बारे में विशेष सावधानी बरतें कि आवेदन प्रपत्र में की गयी प्रविष्टियां स्पष्ट और सुपाठ्य हों यदि वे प्रविष्टियां पढ़ी नहीं जा सकती हैं या भ्रामक हैं तो उनके निर्वचन में होने वाली भ्रान्ति या संदिग्धता के लिए उम्मीदवार ही जिम्मेवार होंगे।"

(ग) सभी उम्मीदवारों को अपने आवेदन-प्रपत्र आयोग को सीधे भेजने चाहिये । अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-प्रपत्र अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में बंद से पहुंचा हो तो आवेदन-प्रपत्र पर विचार नहीं किया जाएगा। भले ही वह नियोक्ता को आखिरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो ।]

जो व्यक्ति लोक उद्यमों में सेवारत है उनको वह परिचयन (अण्डरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है । उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बद्ध अनुमति रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदनपत्र अस्वीकृत कर दिया जाएगा/उम्मीदवारी रद्द कर दी जायेगी ।

जो उम्मीदवार सशस्त्र सेना में सेवारत है उन्हें अपने आवेदन पत्र अपने कमांडिंग अधिकारियों के माध्यम से प्रस्तुत करने चाहिए, जिन्हें वह आयोग को अर्पित करेंगे ।

टिप्पणी :—जिन आवेदन पत्रों के साथ निर्धारित शुल्क संलग्न नहीं होगा (उपर्युक्त पैरा 4 के अंतर्गत शुल्क माफी के दावे को छोड़कर) या जो अधूरे या गलत भरे हुए हों, उनको एकदम अस्वीकृत कर दिया जायेगा और किसी भी अवस्था में अस्वीकृति के संबंध में अभ्यावेदन या पत्र-व्यवहार को स्वीकार नहीं किया जाएगा। उम्मीदवार को अपने आवेदन-प्रपत्रों के साथ आयु तथा शैक्षिक योग्यता, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति और शुल्क में छूट आदि का प्रमाणपत्र प्रस्तुत नहीं करना होगा, इसलिए वे इस बात को सुनिश्चित कर लें कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिए पात्रता की सभी शर्तों को पूरी करते हैं या नहीं । अतः परीक्षा में उनका प्रवेश भी पूर्णतः अन्तिम होगा । यदि किसी बाद की तारीख को

सत्यापन करते समय यह पता चलता है कि वे पात्रता की सभी शर्तों पूरी नहीं करते हैं तो उनकी उम्मीदवारी रद्द हो जाएगी ।

उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम घोषित हो जाने के शीघ्र बाद जिसकी जनवरी, 1989 माह में घोषित किए जाने की संभावना है, सेना मुख्यालय/ना सेना मुख्यालय/वायु सेना मुख्यालय, जैसा मामला हो, को प्रस्तुत करने के लिए निम्नलिखित मूल प्रमाण-पत्रों को उनकी सत्यापित प्रतियों सहित तैयार रखें :

- (1) जन्म की तारीख दर्शाते हुए मेट्रिक/उच्चतर माध्यमिक विद्यालय प्रमाण-पत्र अथवा इसके समकक्ष।
- (2) डिग्री/अनंतिम डिग्री प्रमाण पत्र/अंक सूची जिसमें स्पष्ट रूप से यह दर्शाया गया हो कि डिग्री परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है और डिग्री पाने के पात्र है।

सर्वप्रथम से. च. बी. के साक्षात्कार हेतु सभी पात्र अर्हता प्राप्त उम्मीदवारों को सेवा चयन केन्द्रों को जाते हुए अपने मेट्रिक/उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रमाण-पत्र मूल रूप में से. च. बी. के साक्षात्कार के लिए अपने साथ लाना होगा अन्यथा उन्हें से. च. बी. के साक्षात्कार में प्रवेश होने की अनुमति नहीं दी जाएगी। चयन केन्द्र में मूल मेट्रिक/उच्चतर माध्यमिक विद्यालय प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने के संबंध में कोई छूट की अनुमति नहीं तथा जो उम्मीदवार अपना मेट्रिक/सेकेंडरी स्कूल प्रमाण-पत्र अथवा इसके समकक्ष प्रमाण-पत्र मूल रूप में अपने साथ नहीं लाएंगे उन्हें सेवा चयन बोर्ड परीक्षण तथा साक्षात्कार में उपस्थित होने की अनुमति नहीं दी जाएगी तथा उन्हें उनके ही रुचों पर वापिस घर भेज दिया जाएगा ।

यदि उनका कोई भी दावा असत्य पाया जाता है तो उनके विरुद्ध आयोग द्वारा पैरा 6 के अनुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही की जा सकती है ।

6. जो उम्मीदवार आयोग द्वारा निम्नांकित कदाचार का दोषी घोषित होता है या हो चुका है :—

- (1) किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना, या
- (2) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना, या
- (3) अपने स्थान पर किसी दूसरे को प्रस्तुत करना, या
- (4) जाली प्रलेख या फेर-बदल किए गए प्रलेख प्रस्तुत करना, या
- (5) अशुद्ध या असत्य वस्तुव्य देना या महत्वपूर्ण सूचना को छिपाकर रखना, या
- (6) परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी के संबंध में किसी अनियमित या अनर्चित लाभ उठाने का प्रयास करना, या
- (7) परीक्षा के समय अनर्चित तरीके अपनाना, या

- (8) उत्तर परीक्षाओं पर अंग्रेज वात लिखना जो अद्वितीय भाषा या अभिन्न आशय की हों, या
- (9) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का व्यवहार करना, या
- (10) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान करना या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाना, या
- (11) उम्मीदवारों को परीक्षा देने की अनुमति देते हुए प्रेषित प्रवेश प्रमाणपत्र के साथ जारी किसी अनुदेश का उल्लंघन करना, या
- (12) ऊपर खंडों में उल्लिखित सभी या किसी कदाचार को करने की कोशिश करना या करने के लिए उकसाना,

तो उन पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रासीक्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे :—

- (क) आयोग द्वारा उस परीक्षा से जिसका वह उम्मीदवार है बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है, अथवा
- (ख) उसे अस्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए :
 - (1) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा खेप के लिए
 - (2) केन्द्रीय सरकार द्वारा उसके अधीन किसी भी नौकरी से वारित किया जा सकता है और
- (ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है, तो उसके विरुद्ध उपयुक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक—

- (1) उम्मीदवार को इस संबंध में लिखित अभ्यावेदन, जो वह देने चाहें प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो; और
- (2) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन पर, यदि कोई विचार न कर लिया गया हो।

उम्मीदवारों को ध्यान देना चाहिए कि वे आवेदनपत्र, नियमावली, पाठ्यक्रम आदि के लिये संघ लोक सेवा आयोग, को न लिखें। ऊपर समझाए अनुसार इस विज्ञापन के साथ, छापे गये आवेदनपत्र का प्रयोग किया जाये।

7. आवेदन प्रपत्र लाने की अंतिम तारीख :

भरा हुआ आवेदनपत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को 20 जून, 1988 (20 जून, 1988 से पहले की किसी तारीख से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चम्पा जिले के पांगी उपमंडल, अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों के और जिनके आवेदन उपयुक्त में से किसी एक क्षेत्र से डाक

द्वारा प्राप्त होंगे हैं, उनके मामले में (4 जुलाई, 1988) तक या उससे पहले डाक द्वारा अवश्य भिजवा दिया जाय, या स्वयं आयोग के काउण्टर पर आकर जमा करा दिया जाए।

असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू तथा कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चम्पा जिले के पांगी उपमंडल, अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों से आयोग यदि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिये कह सकता है कि वह 20 जून, 1988 से पहले की किसी तारीख से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चम्पा जिले के पांगी उपमंडल, अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहा था।

टिप्पणी : (1) जो उम्मीदवार ऐसे क्षेत्रों के हैं जहाँ के रहने वाले आवेदन को प्रस्तुति हेतु अतिरिक्त समय के हकदार हैं, उन्हें आवेदन पत्र के संगत कालम में अपने पत्तों में अतिरिक्त समय के हकदार इलाके या क्षेत्र का नाम (अर्थात् असम, मेघालय, जम्मू तथा कश्मीर राज्य का लद्दाख प्रभाग) स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना चाहिए अन्यथा हो सकता है कि उन्हें अतिरिक्त समय का लाभ न मिले।

(2) उम्मीदवार को सलाह दी जाती है कि वे अपने आवेदनपत्र संघ लोक सेवा आयोग के काउण्टर पर स्वयं जमा कराएँ या रजिस्टर्ड डाक द्वारा भेजें। आयोग के किसी कर्मचारी को दिये गये आवेदनपत्र के लिये आयोग जिम्मेदार नहीं होगा। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

8. आयोग/सेना/नौ सेना/वायु सेना मुख्यालय के साथ पत्र-व्यवहार :

निम्नलिखित मामलों को छोड़कर आयोग अन्य किसी भी मामले में उम्मीदवार के साथ पत्र व्यवहार नहीं करेगा :

- (1) आयोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक आवेदनपत्र, जिसमें देर से प्राप्त आवेदनपत्र भी सम्मिलित हैं, की पावती दी जाती है तथा आवेदनपत्र की प्राप्ति के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार को आवेदन पंजीकरण संख्या जारी की जाती है इस तथ्य का कि उम्मीदवार को आवेदन पंजीकरण संख्या जारी कर दी गयी है, अपने आप यह मतलब नहीं है कि आवेदन-पत्र सभी प्रकार पूर्ण है और आयोग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

यदि परीक्षा से संबंधित आवेदनपत्रों की प्राप्ति की आखिरी तारीख से एक महीने के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदनपत्र की पावती न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिये आयोग से तत्काल संपर्क करना चाहिए।

(2) इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदनपत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दी जायेगी, किन्तु यह नहीं कहा जा सकता है कि आवेदनपत्र का परिणाम तब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के शुरु होने की तारीख से एक महीने के पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदनपत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम को जानकारी के लिये उसे आयोग में तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिये। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किये जाने के दावे से वंचित हो जायेगा।

(3) जिन उम्मीदवारों को परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाता है उनके अनुक्रमिक निर्दिष्ट करते हुए प्रवेश प्रमाणपत्र जारी कर दिया जाएगा और उसमें निर्दिष्ट-अनुक्रमिक वही होगा जो उम्मीदवारों को पावतो कार्ड द्वारा पहले सूचित आवेदन पंजीकरण संख्या प्रविष्टियों आयोग द्वारा सही और ठीक मान ली गई है।

किसी भी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा में प्रवेश तब तक नहीं दिया जाएगा जब तक उसके पास उक्त परीक्षा का प्रवेश प्रमाणपत्र नहीं है।

कैबिनेट इस तथ्य का कि किसी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा के लिये प्रवेश प्रमाणपत्र जारी कर दिया गया है, यह अर्थ नहीं होगा कि आयोग द्वारा उसकी उम्मीदवारी अंतिम रूप में ठीक मान ली गई है या कि उम्मीदवार को आवेदनपत्र में दी गई प्रविष्टियों आयोग द्वारा सही और ठीक मान ली गई है।

(4) उम्मीदवार उक्त परीक्षा में प्रवेश का पात्र है या नहीं है इस बारे में आयोग का निर्णय अंतिम होगा।

(5) उम्मीदवार ध्यान रखें कि प्रवेश प्रमाणपत्र कहीं-कहीं नाम तकनीकी कारणों से संक्षिप्त रूप में लिखे जा सकते हैं।

(6) उम्मीदवार को इस बात की आवश्यकता अवश्य कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदनपत्र में उचितरूप से पते पर भेजे गये पत्र आदि आवश्यक होने पर उसको बदले जाए पते पर भिज जाया करें, पते में किसी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना यथाशीघ्र दी जानी चाहिए। आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का परा-परा प्रयत्न करता है, किन्तु इस बाबत में कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

संक्षेपपूर्ण : आवेदन के संबंध में सभी पत्र-व्यवहार सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पते पर करना चाहिए और उसमें निम्नलिखित विवरण अवश्य होगा चाहिये :—

1. परीक्षा का नाम
2. परीक्षा का वर्ष और महीना
3. आवेदन पंजीकरण संख्या/रोल नंबर या अन्य की प्राप्ति (अगर आवेदन पंजीकरण संख्या/रोल नंबर नहीं मिला हो।)

3-5571/83

4. उम्मीदवार का नाम (पूरा और साफ लिखा हुआ)

5. पत्र-व्यवहार का पता, जैसा आवेदनपत्र में दिया है।

विशेष ध्यान : (1) जिन पत्रों में ऊपर का ध्यान नहीं होगा, हो सकता है, उन पर कोई कार्रवाई न हो।

(2) यदि किसी परीक्षा को समाप्ति के बाद किसी उम्मीदवार का पत्र/पत्रादि प्राप्त होता है या इसमें उसका पूरा नाम और अनुक्रमिक नहीं दिया गया है तो उस पर ध्यान नहीं दिया जाएगा और उस पर कोई कार्रवाई नहीं की जायेगी।

(3) सेवा चयन बोर्ड से साक्षात्कार के लिये आयोग द्वारा अनुक्रमित उम्मीदवारों ने अगर परीक्षा के लिये आवेदन करने के बाद, अपना पता बदल लिया हो तो उनको चाहिए कि परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम घोषित हो जाने की अपना तथा पता तत्काल सेना मुख्यालय, ए. जी. ग्रैंड रिक्तिय सी. डी. एम. ई. एन्टी प्रिवीसीय तल, वेस्ट ब्लॉक 3, विंग-1, रामकृष्णपरम, नई दिल्ली-110 066 को सूचित कर देना चाहिये। जो उम्मीदवार इन अनुक्रमों का ध्यान नहीं करेंगे वह सेवा चयन बोर्ड से साक्षात्कार के लिये सम्मन-पत्र न मिलने पर अपने मामले में विचार किये जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

जिन उम्मीदवारों को सेवा चयन बोर्ड से साक्षात्कार के लिये अनुक्रमित है तथा जिसकी पत्र-व्यवहार भारतीय सैन्य अकादमी/नौसेना अकादमी/अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी है उनको अपने साक्षात्कार के संबंध में सभी सम्बन्ध और अनुरोध सीधे सेना मुख्यालय, ए. जी. ग्रैंड रिक्तिय सी. डी. एम. ई. एन्टी वेस्ट ब्लॉक 3, तृतीय तल, विंग-1, रामकृष्णपरम, नई दिल्ली-110 066 और साथ सेना प्रथम श्रेयता, उम्मीदवारों के रिक्तिय सी. ओ. 3 (ए)/आय सेना मुख्यालय, विंग-7, प्रथम तल, वेस्ट ब्लॉक नं. 6 रामकृष्णपरम, नई दिल्ली-110 066 के पते पर लिखने चाहिए।

उम्मीदवारों को साक्षात्कार की लिए भेजे गये सम्मन-पत्र द्वारा सूचित की गई तारीख को सेवा चयन बोर्ड के समक्ष साक्षात्कार होत विनोद करनी है। साक्षात्कार को स्थगित करने से सम्बन्ध अनुरोध एवं केवल यथार्थ परिस्थितियों में और प्रशासनिक सविधा को ध्यान में रखकर ही विचार किया जाएगा जिसके लिए निर्णायक प्राधिकरण सेवा मुख्यालय/वाय सेना मुख्यालय होगा।

विशेष ध्यान :—यदि किसी उम्मीदवार को भारतीय सैन्य अकादमी होत अप्रैल, 1989 के पहले हफ्ते तक और अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी होत जून, 1989 के चौथे हफ्ते तक सेवा चयन बोर्ड से साक्षात्कार के लिए साक्षात्कार पत्र प्राप्त नहीं होता है तो उसे सेना मुख्यालय/भर्ती सी. जी. एम. ई. एन्टी वेस्ट ब्लॉक-3, रामकृष्णपरम नई दिल्ली-110 066 को साक्षात्कार पत्र न मिलने के बारे में लिखना चाहिए।

(7) मूल प्रमाणपत्रों का प्रस्तुतीकरण :—सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार में अर्हता प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों में से आइ. एम. ए./एम. एम. सी. प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में सेना मुख्यालय/भर्ती सी. डी. एस. ई. एन्ट्रो गेट दिल्ली-110 022 को तथा नौ सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में नौ सेना मुख्यालय/आर. एण्ड आर. सेना भवन, नई दिल्ली-110 011 को या वायु सेवा के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में पी. ओ. 3 (ए.) वायुसेना मुख्यालय, विंग 7, प्रथम तल, ब्रेस्ट ब्लॉक नं. 6, रामकृष्णपरम, नई दिल्ली-110066 को अपनी शैक्षणिक योग्यताओं आदि के समर्थन में अपने मूल प्रमाण-पत्रों को वे सत्यापित प्रतियों सहित सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार परीक्षण के पूरा होने के दो सप्ताहों के अन्दर और [30 जून, 1989 एस. एस. सी. के मामलों में 15 सितम्बर, 1989 से पहले प्रस्तुत करने होंगे] उक्त प्रमाण-पत्रों की सत्य अनुप्रमाणित प्रतिलिपियाँ या फोटोस्टैट प्रतियाँ किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएंगी।

9. लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा, योग्यता प्राप्त उम्मीदवार का साक्षात्कार, अन्तिम परिणाम की घोषणा और अन्तिम रूप से योग्य पाये गये उम्मीदवारों का प्रशिक्षण कार्य में प्रवेश। संघ लोक सेवा आयोग अपनी विवक्षा से लिखित परीक्षा के लिए निर्धारित न्यूनतम अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों की एक सूची तैयार करेगा। वे उम्मीदवार उन सभी शर्तियों के लिए जिनके लिये उन्होंने अर्हता प्राप्त की है बौद्धिक तथा व्यक्तित्व परीक्षाओं के लिए सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होंगे।

जो उम्मीदवार आइ. एम. ए. (डी. इ.) कोर्स और या नौसेना (एम. ई.) कोर्स और/या वायु सेना अकादमी कोर्स की लिखित परीक्षा में अर्हता प्राप्त करते हैं, चाहे वे एस. एस. सी. कोर्स के लिए अर्हता प्राप्त करते हैं या नहीं उनके मार्च/अप्रैल, 1989 में सेवा चयन बोर्ड के परीक्षण के लिये भेजा जाएगा और जो उम्मीदवार केवल एस. एस. सी. कोर्स के लिये अर्हता प्राप्त करते हैं उनको जन/जलाई, 1989 में सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों के लिये भेजा जाएगा।

उम्मीदवार सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होकर अपनी ही जोखिम पर वहाँ परीक्षण में शामिल होंगे और सेवा बोर्ड में उनका जो परीक्षण होता है, उनके बरतान या उसके लिए सरकार की ओर से कोई क्षतिपूर्ति या सहायता पाने के वे हकदार नहीं होंगे, वह किसी व्यक्ति को नापरवाही से हो या दूसरे किसी कारण से हो, उम्मीदवार को आवेदन पत्र के साथ संलग्न प्रपत्र में इस आशय के एक प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे। स्वीकृति हते उम्मीदवारों को (1) लिखित परीक्षा तथा (11) सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों में अलग-अलग न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने होंगे जोकि आयोग द्वारा निर्णय के अनुसार निश्चित किये जायेंगे। लिखित परीक्षा तथा सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर उम्मीदवारों को योग्यताक्रम में रखा जायेगा। अलग-अलग उम्मीदवारों को परीक्षा के परिणाम किस रूप में किस प्रकार सूचित किये जायें इस बात का निर्णय आयोग अपने आप करेगा और परिणाम के संबंध में उम्मीदवारों से कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा। परीक्षा में सफल होने मात्र से भारतीय सेना अकादमी, नौसेना अकादमी, वायु सेना अकादमी या अधिकारी प्रशिक्षण-अकादमी में, जैसी स्थिति हो, प्रवेश का कोई अधिकार नहीं

मिलेगा अन्तिम चयन कार्यालय अमला और अन्य सभी बातों में योग्यता के अनिवार्य उपलब्ध रिक्तियों की संख्या का दृष्टि में रखते हुए योग्यता के क्रम से किया जाएगा।

टिप्पणी :—वायु सेना, नौ सेना विमानन के प्रत्येक उम्मीदवार को फायलट संबंधी अभिरूचि का परीक्षण केवल एक बार किया जाता है, अतः पहले परीक्षण में उमने जो ग्रेड प्राप्त किया है उसको वायु सेना चयन बोर्ड में बिये जाने वाले बाद के प्रत्येक साक्षात्कार में स्वीकार किया जाएगा। जो उम्मीदवार फायलट संबंधी अभिरूचि के पहले परीक्षण में फेल हो जाता है वह भारतीय वायु सेना की (एफ. पी.) शाखा नौसेना विमानन होते प्रवेश के लिये आवेदन नहीं कर सकता।

(10) प्रशिक्षण कार्य में प्रवेश के लिए अर्हतायें :—जो उम्मीदवार राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, भारतीय सेना अकादमी वायु सेना उड्डयन महाविद्यालय, नौ सेना अकादमी, कौचीन और अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी, मद्रास में पहले प्रवेश पा चुके हैं, पर अनुशासनिक आधार पर वहाँ से निकाल दिये गये हैं उनको भारतीय सेना अकादमी नौ सेना अकादमी, वायु सेना अकादमी या थल सेना अकादमी में अल्पकालीन सेना कमीशन में प्रवेश देने की बात पर विचार नहीं किया जायेगा। जिन उम्मीदवारों को एक अधिकारी से अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण पहले भारतीय सेना अकादमी में वापस किया गया हो उसके भारतीय सेना अकादमी में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। जिन उम्मीदवारों को स्पेशल एण्ट्री नेवल कैंडिडेट्स के रूप में पहले चयन दिया गया हो पर बाद में एक अधिकारी में अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण राष्ट्रीय रक्षा अकादमी या नौसेना प्रतिष्ठानों में वापस किया हो वे भारतीय नौसेना में प्रवेश के लिए पात्र नहीं होंगे।

जिन उम्मीदवारों की एक अधिकारी में अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण भारतीय सेना अकादमी, अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी एम. सी. सी. तथा स्नातक कोर्स में वापस किया गया है उनको नौ सेना में थल सेना में अल्पकालिक सेवा कमीशन देने की बात पर विचार नहीं किया जाएगा।

जिन उम्मीदवारों को एक अधिकारी में अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण एम. सी. सी. तथा स्नातक कोर्स में पहले वापस किया गया हो, उनको भारतीय सेना अकादमी में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।

(11) भारतीय सेना अकादमी या नौ सेना अकादमी या वायु सेना अकादमी में प्रशिक्षण के समय विवाह पर प्रतिबन्ध :—भारतीय सेना अकादमी और नौ सेना अकादमी या वायु सेना अकादमी के कोर्स के उम्मीदवारों को इस बात का परिचय देना है कि जब तक उनका सारा प्रशिक्षण पूरा नहीं होगा तब तक वे शादी नहीं करेंगे। जो उम्मीदवार अपने आवेदन की तारीख के बाद शादी कर लेता है उसको प्रशिक्षण के लिये चूना नहीं जायेगा चाहे वह इस परीक्षा में या अगली किसी परीक्षा में भले ही सफल हो। जो उम्मीदवार प्रशिक्षण काल में शादी कर लेता उसे वापस भेजा जाएगा और उस पर सरकार ने जो पैसा खर्च किया वह उससे वापस लिया जायेगा अन्पात्रधिक सेवा कमीशन के पाठ्यक्रम का कोई उम्मीदवार :—

(क) जिसने किसी ऐसे व्यक्ति के साथ शादी की हो या शादी के लिये संविदा कर ली हो जिसकी पहले से कोई जीवित पति/पत्नी है या थी?

(ख) जिसने पहले ही जीवित पति/पत्नी होते हुए भी किसी व्यक्ति से शादी की हो या शादी के लिये संविदा कर ली हो ।

अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी में प्रवेश अल्पकालीन सेवा कमीशन की प्राप्ति का पात्र नहीं होगा ।

परन्तु यदि केंद्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो कि इस तरह की शादी ऐसे व्यक्तियों के लिये और शादी की दूसरी तरफ के व्यक्तियों के लिये लागू व्यक्तिगत कानून के अनुसार अनुमोदनीय है और ऐसा करने के अन्य ठोस कारण हैं तो किसी व्यक्ति को वह इस नियम के अन्वय में छूट दे सकती है ।

(12) भारतीय सेना अकादमी या नौ सेना अकादमी या वायु सेना अकादमी में प्रशिक्षण के समय अन्य प्रतिबन्धः भारतीय सेना अकादमी, नौ सेना अकादमी या वायु सेना अकादमी में प्रवेश प्राप्त करने के बाद, उम्मीदवार किसी दूसरे कमीशन के लिये विचार योग्य नहीं होंगे । भारतीय सेना अकादमी या नौ सेना अकादमी या वायु सेना अकादमी में प्रशिक्षण के लिये अन्तिम रूप में उनका चयन हो जाने के बाद उनको और किसी भी साक्षात्कार या परीक्षा में उपस्थित होने की अनुमति नहीं दी जाएगी । जो उम्मीदवार भारतीय सैन्य अकादमी, नौ सेना अकादमी/वायु सेना अकादमी से त्याग पत्र देते हैं उन्हें उनकी योग्यता के आधार पर अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी में लाने हेतु विचार किया जा सकता है बशर्त कि उस कोर्स विशेष में स्थान खाली हो ।

13. संघ लोक सेवा आयोग न "संघ लोक सेवा आयोग को वस्तुपूर्वक परीक्षाओं हेतु उम्मीदवार विवरणिका" शीर्षक से एक सम्पूर्ण पुस्तिका छापे है । यह इस उद्देश्य से छपी गई है जिससे सं. लो. से. आ. की परीक्षाओं या चयनों के भावी उम्मीदवारों को सहायता मिल सके । यह पुस्तिका प्रकाशन नियंत्रक, रिजर्व लाइसेंस, देहली-110 054 के पास बिक्री के लिए सलभ है और इसे उनसे सीधे मैन आर्डर द्वारा या नकद भुगतान पर प्राप्त किया जा सकता है । इन्हें केवल नकद भुगतान पर (1) किताब महल, रिजर्व लाइसेंस के सामने, एम्पोरिया बिल्डिंग, "सी" ब्लॉक बाबा खड्ग सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110 001 और (2) उद्योग भवन नई दिल्ली-110 001 पर स्थित प्रकाशन शाखा का बिक्री काउण्टर और (3) गवर्नमेंट आफ इण्डिया बुक डिपो 8, के. एम. राय रोड, कलकत्ता-700001 से भी लिया जा सकता है । मैनूअल भारत सरकार के प्रकाशनों के विभिन्न मुफ़्तिसल शहरों में स्थित एजेंटों से भी उपलब्ध है ।

14. उम्मीदवार को अपना आवेदनपत्र प्रस्तुत कर देने के बाद उम्मीदवारी वापस लेने से सम्बद्ध उसके किसी भी अनुरोध को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा ।

एम. के. कृष्णन
उप सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

परिशिष्ट—1

(परीक्षा की योजना, स्तर और पाठ्यक्रम-विवरण)

1. परीक्षा की योजना :

1. प्रतियोगिता परीक्षा में निम्नलिखित सम्मिलित होगा :—

(क) नीचे के पैरा 2 में निर्दिष्ट रीति से लिखित परीक्षा,

(ख) उन उम्मीदवारों का बुद्धि और व्यक्तिगत परीक्षण (इस परिशिष्ट के भाग ख के अनुसार) के लिये साक्षात्कार जिन्हें किसी भी एक सर्वसंघ सेलेक्शन सेंटर में साक्षात्कार के लिये बुलाया जाये ।

2. लिखित परीक्षा के विषय, उनके लिये दिया जाने वाला वक्त और प्रत्येक विषय के लिये नियत अधिकतम अंक निम्नलिखित होंगे :—

(क) भारतीय सेना अकादमी में प्रवेश के लिये :

विषय	अवधि	अधिकतम अंक
1. अंग्रेजी	2 घण्टे	100
* 2. सामान्य ज्ञान	2 घण्टे	100
* 3. प्रारम्भिक गणित	2 घण्टे	100

(ख) नौ सेना अकादमी में प्रवेश के लिये

विषय	नियत समय	अधिकतम अंक
1. अंग्रेजी	2 घण्टे	100
* 2. सामान्य ज्ञान	2 घण्टे	100
* 3. प्रारम्भिक गणित	2 घण्टे	100

(ग) अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी में प्रवेश के लिए

विषय	अवधि	अधिकतम अंक
1. अंग्रेजी	2 घण्टे	100
2. सामान्य ज्ञान	2 घण्टे	100

(घ) वायु सेना अकादमी में प्रवेश के लिये

विषय	अवधि	अधिकतम अंक
1. अंग्रेजी	2 घण्टे	100
2. सामान्य ज्ञान	2 घण्टे	100
3. प्रारम्भिक गणित	2 घण्टे	100

लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के लिये जो अधिकतम अंक नियत किये गये हैं, वे प्रत्येक विषय के लिये समान होंगे अर्थात् भारतीय सेना अकादमी, नौसेना अकादमी, अफसर ट्रेनिंग अकादमी और वायु सेना अकादमी में भर्ती के लिए लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के लिये नियत अधिकतम अंक क्रमशः 300, 300 और 200 और 300 होंगे।

सभी विषयों के प्रश्नपत्रों में केवल वस्तुपरक प्रश्न ही होंगे। प्रश्नपत्र (परीक्षण पुस्तिकाएँ) केवल अंग्रेजी में तैयार किए जाएंगे। उम्मीदवारों को प्रवेश प्रमाणपत्रों के साथ उम्मीदवार सूचना विवरणिका दी जाएगी जिसमें नमूना प्रश्नपत्रों सहित वस्तुपरक प्रकार के परीक्षण का पूरा ब्योरा शामिल होगा।

4. प्रश्नपत्रों में जहाँ भी आवश्यक होगा केवल ताल और माप की मीटरी पद्धति से संबंधित प्रश्नों को ही पूछा जाएगा।

5. उम्मीदवारों के प्रश्नपत्रों के उत्तर अपने हाथ से लिखने चाहिए। किसी भी दशा में उन्हें प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिये लिखने वाले की सहायता सुलभ नहीं की जायेगी।

6. परीक्षा के एक या सभी विषयों के अर्हक अंकों का निर्धारण आयोग की विवेका पर है।

7. उम्मीदवारों को वस्तुपरक प्रश्नपत्रों (प्रश्न पुस्तिकाओं) के उत्तर देने के लिये कैलकुलेटर का प्रयोग करने की अनुमति नहीं है। अतः वे उसे परीक्षा भवन में न लाएं।

(ख) परीक्षा का स्तर और पाठ्य विवरण स्तर प्रारम्भिक गणित के प्रश्नपत्रों का स्तर मैट्रिकुलेशन परीक्षा का होगा।

अन्य विषयों में प्रश्नपत्रों का स्तर लगभग वही होगा जिसको किसी भारतीय विश्वविद्यालय के स्नातक से अपेक्षा की जा सकती है।

पाठ्य विवरण

अंग्रेजी (कोड सं. 01)

प्रश्नपत्र इस प्रकार का होगा कि जिससे उम्मीदवार को अंग्रेजी और अंग्रेजी के शब्दों के बोध की परीक्षा दी जा सके।

सामान्य ज्ञान (कोड सं. 02)

सामान्य ज्ञान तथा साथ में सरसामयिक घटनाओं और दिन प्रतिदिन देखे और अनुभव किये जाने वाले इसी तरह के मामलों के वैज्ञानिक पक्ष की जानकारी, जिसकी किसी ऐसे शिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा की जा सकती है, जिसने किसी वैज्ञानिक विषय का विशेष अध्ययन न किया हो।

प्रश्नपत्र में भारत के इतिहास और भूगोल से संबंधित ऐसे प्रश्न भी होंगे जिनका उत्तर उम्मीदवार को उन विषयों का विशेष अध्ययन किए बिना देना चाहिए।

प्रारंभिक गणित (कोड सं. 03)

अंकगणित

संख्या पद्धतियाँ :—घनपूर्ण संख्याएँ, पूर्णांक, परिमेय, और वास्तविक संख्याएँ, मूल संक्रियाएँ—जोड़, घटाना, गुणन और विभाजन, वर्ग मूल, दशमलव भिन्न।

एकिक विधि—समय तथा दूरी, समय तथा कार्य प्रति-शतता, साधारण तथा चक्रवृद्ध ब्याज में अनुप्रमेय, लाभ तथा हानि, अनुपात और समानुपात विवरण।

प्रारंभिक संख्या सिद्धांत :—विभाजन की कलन विधि अभाज्य और भाज्य संख्याएँ, 2, 3, 4, 5, 9 और 11 द्वारा

विभाज्यता के परीक्षण अपवर्तक और गुणनखंड/गुणनखंड प्रमेय/महत्तम समापवर्तक तथा लघुत्तम समापवर्तक, युक्लिड की कलन विधि।

आधार 10 तक लघुगणक, लघुगणक के नियम, लघु-गणकीय सारणियों का प्रयोग।

बीजगणित

आधारभूत संक्रियाएँ : साधारण गुणनखंड 1 अथ घनप्रमेय, बहुपदों का महत्तम समापवर्तक और लघुत्तम समापवर्तक सिद्धांत, द्विध समीकरणों का हल इसके मूलों और गुणकों के बीच संबंध (केवल वास्तविक मूल पर विचार किया जाए) दो अज्ञात राशियों में युगपत रेखिक समीकरण-विश्लेषण और उनके संबंधी हल दो चरों में युगपत रेखिक असमीकरण और उनके हल प्रायोगिक प्रश्न जिनके दो चरों में दो युगपत, रेखिक समीकरण या असमीकरण बनती हैं या एक चर में द्विघात, समीकरण तथा उनके हल समुच्चय अंकन पद्धति, परिमेय व्यंजक तथा प्रतिबन्ध तत्समक घातांक नियम।

त्रिकोणमिति

ज्या \times कोटिज्या \times , स्पंदरेखा \times , अर्ध $0^\circ \leq X \leq 90^\circ$ ज्या \times कोटिज्या, \times स्पंदरेखा \times , या मान $\text{सर्गोंक} \times = 0^\circ, 30^\circ, 45^\circ, 60^\circ$ और 90° नग्न त्रिकोण-मिनिय

तत्समक

त्रिकोणमितीय सारणियों का प्रयोग

ऊँचाइयों और दूरियों के सरल कोण ज्यामिति

रेखा और कोण समतल और समतल आकृति निम्न-लिखित पर प्रमेय :—(1) किसी बिन्दु पर कोणों के गुण धर्म, (2) समांतर रेखाएँ, (3) किसी त्रिभुज की भुजाएँ और कोण, (4) त्रिभुज की समरस्यता समकोण त्रिभुज माधिकाओं और शीर्ष लम्बों का सममन, (7) समांतर चतुर्भुजों, आयत और वर्ग के कोणों भुजाओं के विकर्णों के गुण धर्म, (8) वृत्त और उनके गुण धर्म जिसमें स्पर्श रेखा तथा अभिलम्ब भी शामिल हैं, (9) स्थानिक समक विस्तार कलन

वर्गों, आयतों, समानांतर चतुर्भुजों, त्रिभुजों और वृत्तों के क्षेत्रफल, उन आकृतियों के क्षेत्रफल जो इन आकृतियों में विभाजित की जा सकती हैं। (क्षेत्र घटी) घनालों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन लम्ब वृत्तीय शंकुओं और बेलनों का पार्श्व-ऊँचाय तथा आयतन/गोलकों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन।

सांख्यिकी

सांख्यिकी तथ्यों का संग्रह तथा सारणीयन आवेक्षी निरूपण बारगारता बहुभुज आयात चित्र शलाका चाट, पाइ चाट आदि केन्द्रीय प्रवृत्ति के माप रेखाओं के बीच कोण।

बुद्धि तथा व्यक्तित्व परीक्षण

उम्मीदवारों की बुनियादी बुद्धि की जांच करने के लिए साक्षात्कार के अतिरिक्त मौखिक तथा लिखित बुद्धि परीक्षा दी जाएगी उनके ग्रुप परीक्षण भी किए जाएंगे जैसे ग्रुप परिचर्या, ग्रुप योजना, बेहिरंग ग्रुप कार्यकलाप तथा उन्हा निर्दिष्ट विषयों पर संक्षिप्त व्याख्यान देने के लिए कहा जाएगा, ये सभी परीक्षा उम्मीदवारों की मंघा शक्ति जांच के लिए हैं। मोटे तौर पर यह परीक्षण वास्तव में न केवल उनके बुद्धिक गुणों की जांच के लिए हैं अपितु इन्हें उनकी सामाजिक विशेषताओं तथा सामाजिक घटनाओं के प्रति दिलचस्पी का भी परता चलेगा।

परिशिष्ट-2

सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा के लिए उम्मीदवारों के शारीरिक मानक

टिप्पणी : उम्मीदवारों को निर्धारित मानकों के अनुसार शारीरिक रूप से स्वस्थ होना आवश्यक है। स्वस्थता संबंधी मानक नीचे दिये जाते हैं।

बहुत से अर्हता प्राप्त उम्मीदवार बाद में स्वास्थ्य के आधार पर अस्वीकृत कर दिये जाते हैं। अतः उम्मीदवारों को उनके अपने हित में सलाह दी जाती है कि वे अंतिम अवस्था पर निराशा से बचने के लिए आवेदनपत्र भेजने से पहले अपने स्वास्थ्य को जांच करा लें।

1. सेवा चयन बोर्ड द्वारा अनुसूचित उम्मीदवार को सेवा के चिकित्सा अधिकारियों के बोर्ड द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा करानी होगी। अकादमी या पशिक्षणालय में केवल उम्मीदवारों को प्रवेश दिया जाएगा जोकि चिकित्सा बोर्ड द्वारा स्वस्थ घोषित कर दिए जाते हैं। चिकित्सा बोर्ड की कार्यवाही गोपनीय होती है जिस किसी को नहीं दिखाया जाएगा किन्तु अयोग्य, अस्थाई रूप से अयोग्य घोषित उम्मीदवारों को उनके परिणाम की जानकारी चिकित्सा बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा दी जायेगी तथा उम्मीदवारों को चिकित्सा बोर्ड से अपील का अनुरोध करने की प्रक्रिया भी बता दी जाएगी। उम्मीदवारों के लिए नीचे गोप्य रूप में दिए गए निर्धारित शारीरिक मानकों के अनुसार स्वस्थ होना आवश्यक है :—

(क) उम्मीदवार का शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य ठीक होना चाहिए तथा उन्हें ऐसी बीमारी/अवस्था से मुक्त होना चाहिए जिसमें उनके कर्तव्यपूर्ण कार्य करने में बाधा पड़ सकती हो।

(ख) उनमें कमजोर शारीरिक गठन दौहिक दोष को स्थूलता नहीं होनी चाहिए।

(ग) कद कम से कम 157.5 सेमी. (नौ सेना के लिए 157 से.मी. तथा वायु सेना के लिए 162.5 से.मी.) का हो। गोरखा और भारत के उत्तर पूर्व क्षेत्र के पर्वतीय प्रदेशों, गढ़वाल तथा कुमाऊँ के व्यक्तियों का 5 से.मी. कद स्वीकार्य होगा। लक्षद्वीप के उम्मीदवारों के मामले में न्यूनतम कद में 2 से.मी. की कमी भी स्वीकार्य की जा सकती है। यह छूट नासना के मामले में लागू नहीं होगी। कद और वजन के मानक नीचे दिए जाते हैं :—

कद और वजन के मानक

सेटीमीटरों में कद (बिना जूता)	किग्रा. में वजन		
	18 वर्ष	20 वर्ष	22 वर्ष
1	2	3	4
152	41*	46	47
155	46	48(49)	49
157	47	49	50
160	48	50	51
162	50	52	53
165	52	53	55

1	2	3	4
168	53	55	57
170	55	57	58
173	57	59	60
175	59	61	62
178	61	62	63
180	63	64	65
183	65	67	67
185	66	69	70
188	70	71	72
190	72	73	74
193	74	76	77
195	77	78	79

*नौ सेना के लिए 45

@नौ सेना के लिए 47

उपरोक्त गारंटी में दिए गए औसत वजन का 10 प्रतिशत (नौ सेना के लिए वजन सामान्य सीमा के अन्दर माना जाएगा; किन्तु भारी हाडियों वाले लम्बे चौड़े व्यक्तियों तथा पतले पर अन्यथा स्वस्थ व्यक्तियों के मामले में गूणवत्ता के आधार पर इसमें कुछ छूट दी जा सकती है)

वायु सेना के उम्मीदवारों के लिए स्वीकार्य वजन ऊपर दिए गए औसत वजन का +10% होगा।

(घ) छाती भरी प्रकार विकसित होनी चाहिए तथा पूरा सांस लेने के बाद इसका न्यूनतम फलाव 5 से.मी. होना चाहिए। माप इस तरह फीता लगाकर की जाएगी कि इसका निचला किनारा सामने घुँघुँ से लगा रहे और फीते का उपरी भाग पीछे स्कंध फलक (शॉल्डर ब्लैड) के निम्न कोण (लोअर एंगल) को छूते रहना चाहिए। छाती का एक्स-रे करना जरूरी है इसे यह जानने के लिए किया जाएगा कि छाती का कोई रोग तो नहीं है।

(ङ) शरीर में हाडियों और जोड़ों का कोई रोग नहीं होना चाहिए।

(च) उम्मीदवार के सम्बन्ध में मानसिक विकृति या बौद्धिक पड़ने का पूर्ववृत्त नहीं होना चाहिए।

(छ) उम्मीदवार सामान्य रूप से सुन सके। उम्मीदवार को इस योग्य होना चाहिए कि वह शांत कमरे में प्रत्येक कान से 610 से.मी. की दूरी से जोर की कानाफूँसी सुन सके, कर्ण नासिका कंठ की पिछली या अब की बीमारी का कोई भ्रमाण न हो।

(ज) हृदय या रक्त वाहिकाओं के सम्बन्ध में कोई क्रियात्मक या आंगिक रोग नहीं होना चाहिए रक्त दाब सामान्य हो।

(झ) उदरपेशियों सुविकसित हों तथा जिगर या तिल्ली बड़ी हुई न हो उदर के आंतरिक अंग की कोई बीमारी होने पर उम्मीदवार अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

(क) यदि किसी उम्मीदवार को हर्निया है और उसकी शल्य चिकित्सा न की गई हो तो वह उम्मीदवार अनुपयुक्त होगा यदि हर्निया की शल्य चिकित्सा की गई हो तो वर्तमान परीक्षा से कम से कम एक वर्ष पहले हुई हो जिसका जखम पूरी तरह ठीक हो चुका हो।

(द) हाइड्रोसील वॉरकोसील का पाइल्स का रोग नहीं होना चाहिए।

(ठ) मूत्र की परीक्षा की जाएगी और यदि इसमें कोई असमान्यता मिलती है तो इससे उम्मीदवार अस्वीकृत हो जाएगा।

(ड) चर्म का ऐसा रोग जिससे अशक्तता अथवा विकृति होने की संभावना है तो उससे भी उम्मीदवारी रद्द हो जाएगी।

(ढ) उम्मीदवार का दूर-दृष्टि चार्ट में प्रत्येक आंख से एनेक सहित या एनेक बिना (नौ सेना तथा वायु सेना के लिए केवल एनेक बिना) 6/6 पढ़ने समर्थ होना चाहिए, मायोपिया 3.5 डी तथा हाइपरमेट्रोपिया 3.5 डी (एस्टिमेटेड) सहित से अधिक नहीं होना चाहिए। यह जानने के लिए कि आंख में कोई रोग तो नहीं है आंख की आंतरिक परीक्षा ओपथल मोस्कोप से की जाएगी। उम्मीदवार को दोनों नज़रों की दृष्टि अच्छी होनी चाहिए। वर्ण दृष्टि का मानक सी. पी.—3 होगा। उम्मीदवार में लाल व हरे रंगों को पहचानने की क्षमता होनी चाहिए।

नौ सेना हत उम्मीदवारों का दृष्टि-स्तर निम्न प्रकार होना चाहिए :—

दूर की दृष्टि . . . 6/6, 6/6 तक
सुधार योग्य

पास की दृष्टि . . . एन 5 प्रत्येक आंख

वर्ण दृष्टि . . . एन० एच०बी० द्वारा बी०पी०-1

मायोपिया 0.75 डायॉप्टर्स से अधिक न हो और हाइपरमेट्रोपिया अच्छी आंख में 1.50 डायॉप्टर्स से तथा बुरी आंख में 2.50 डायॉप्टर्स से अधिक न हो।

नेत्र-पेशी संतुलन :

मेडोक्स टेस्ट के साथ हेट्रोफोरिया से निम्नलिखित से बिल्कुल अधिक न हो।

- (i) 6 मीटर पर — एक्सोफोरिया 8 प्रिज्म डायॉप्टर्स
एस्तीफोरिया 8 प्रिज्म डायॉप्टर्स
हाइपरफोरिया 1 प्रिज्म डायॉप्टर्स
- (ii) 30 सें० मी० पर — एक्सोफोरिया 16 प्रिज्म डायॉप्टर्स
एस्तीफोरिया 06 प्रिज्म डायॉप्टर्स
हाइपरफोरिया 1 प्रिज्म डायॉप्टर्स

(ड) उम्मीदवार के पर्याप्त संख्या में कूदरती व भजवत दांत होने चाहिए। कम से कम 14 बिन्दु वाले उम्मीदवार स्वीकार्य हैं। जब 32 दांत होते हैं तब कुल 22 दांत बिन्दु होते हैं : उम्मीदवार को तीव्र पायरिया का रोग नहीं होना चाहिए।

(ण) छाती का एक्स-रे परीक्षा में ग्रेज पक्षिका की उपस्थिति हतु ग्रेज मरेजण्ड के निचले भाग की परीक्षा

भी शामिल होगी सेना चिकित्सा बोर्ड द्वारा जरूरी समझने पर मरेजण्ड के अन्य भागों की एक्स-रे परीक्षा की जाएगी।

2. केवल वायु सेना के उम्मीदवारों के लिए उपर्युक्त के साथ निम्नलिखित चिकित्सा मानक भी लागू होंगे :—

(क) वायु सेना के लिए स्वीकार्य मानक वही सम्बन्धी माप निम्न प्रकार है :—

काद	662.5 सें० मी०
टांग की लम्बाई	कम से कम 99 सें० मी० और अधिक से अधिक 120 सें० मी०
अर्ध की लम्बाई	अधिक से अधिक 64 सें० मी०
बैठ कर ऊँचाई	कम से कम 81.5 सें० मी० और अधिक से अधिक 96 सें० मी०

(ख) मरेजण्ड का एक्स-रे कटिफ्रिक दिया जाएगा। एक्स-रे में प्रकट निम्नलिखित बातें अनहक होंगी।

- (1) मरेजण्ड का कणिकागुल्मीय रोग।
- (2) आध्याइटिस/स्पीडिलोसिस।
- (3) मंद से अपेक्षाकृत अधिक कायफोसिस लडोसिस स्कोलियोसिस काल-पद्धति द्वारा 15 से अधिक अस्वीकृत का कारण बनेगा।
- (4) स्पीडिलोसिस थैसिस/स्पीडिलोसिस
- (5) हर्निएटड न्यूकलियस पलपांसिस।
- (6) कशेरुका का सम्पीडन अस्थिभंग।
- (7) श्वेयर मेन का रोग।
- (8) प्रदर्शनीय तंत्रिकीय या परिसंचरणीय अभाव के साथ ग्रेज पक्षिका।
- (9) एक से अधिक स्तर पर स्मॉल नोड की उपस्थिति।
- (10) शीर्षधरानुकपाल (एटलांटो-आक्सिपीटल) तथा एटलांटो अक्षीय असंगतियां।
- (11) एस. वी. आर्ह, स्तर से इतर स्पाइना बाइफिडा।
- (12) एल. 7.5 का एकपक्षीय या अपूर्ण द्विपक्षीय सर्किलाइजेशन।
- (13) विशेषज्ञ द्वारा मानी गई कोई अन्य असा-मान्यता।

(ग) छाती का एक्स-रे जरूरी है।

(घ) दृष्टि।

दूर की दृष्टि	6/6, 6/6 तक सुधार योग्य 6/9
पास की दृष्टि	प्रत्येक आंख की एम-5
पूर्ण दृष्टि	बी० सी०-1 (एम० आई० एच०)

मेनोफेस्ट हाइपरमेट्रोपिया +2.00 डी., एस. पी. डी. से अधिक न हो।

नेत्र पेशी सन्तुलन

मंडोमस रोड ट्रेन्स के साथ हेट्रोफॉरिया निम्नलिखित से अधिक न हों :—

- (i) 6 मीटर पर —एकफोरिया 6 प्रिज्म डायोप्ट्रेस
एकफोरिया 6 प्रिज्म डायोप्ट्रेस
हाइपरफोरिया 1 प्रिज्म डायोप्ट्रेस

मायोपिया कुछ नहीं।

एस्टिमेटिज्म 0.75

डीएसपी०

- (ii) 33 से० मी० पर —एकफोरिया 16 प्रिज्म डायोप्ट्रेस
हाइपरफोरिया 1 प्रिज्म डायोप्ट्रेस

द्विनेत्री छिंट—अच्छी द्विनेत्री छिंट का होना अनिवार्य है।
फ्यूजन तथा स्टैर्योरसिस तथा साथ में अच्छा आग्राम गहनता।

(क) मानक

- (i) वाक परीक्षित: प्रत्येक कान से 610 से० मी. से काना-फूँसी सुनाई दे।

- (ii) श्रव्यतामतिक 250 एच. एस. तथा 4000 एच.

जुड के बीच की आवृत्तियों में व्यतिरिक्त कमी 10 डी बी. से अधिक न हों।

(ख) रट्टीन इ०. सी.जी. तथा इ०. इ०. जी. सामान्य सीमा में हों।

3. नाँ सैनिक विमानन शाखा के उम्मीदवार हेतु स्वास्थ्य मानक वही होंगे जो वायु सेना के उड़ान ड्यूटी हेतु उम्मीदवार के हैं।

4. किसी एक सेवा के लिए निर्धारित विशेष परीक्षण किए जाने के दौरान यदि किसी अक्षमता का पता चलता है तो मेडिकल बोर्ड द्वारा अनहक-ठहराए जाने की स्थिति यह अक्षमता उम्मीदवार को अन्य सेवा (सेवाओं) के लिए भी अयोग्य ठहरा सकती है।

परिशिष्ट-3

सेवा आदि के संक्षिप्त विवरण नीचे दिए गये हैं :—

भारतीय सेना अकादमी देहरादून में प्रवेश लेने वाले उम्मीदवारों के लिए :—

1. भारतीय सेना अकादमी में भर्ती करने से पूर्व—

(क) उसे इस आशय का प्रमाणपत्र देना होगा कि वह यह समझता है कि किसी प्रशिक्षण के दौरान या उसके परिणामस्वरूप यदि कोई चोट लग जाए ऊपर निर्दिष्ट किसी कारण से या अन्यथा आवश्यक किसी सर्जिकल थापरेशन या संवेदनाह्वरण दवाओं के परिणामस्वरूप उसमें कोई शारीरिक अक्षमता आ जाने या उसकी मृत्यु हो जाने पर वह या उसके वैध उत्तराधिकारी को सरकार के विरुद्ध किसी माँदावे या अन्य प्रकार की राहत का दावा करने का हक न होगा।

(ख) उसके माता-पिता या संरक्षक को इस आशय के बन्धे पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे कि यदि किसी

ऐसे कारण से जो उसके नियन्त्रण में सम्भवे जाते हैं उम्मीदवार पाठ्यक्रम पूरा होने से पहले वापिस आना चाहता है, या कमीशन अस्वीकार करता है तो उस पर शिक्षा शुल्क, भोजन, वस्त्र और किए गए व्यय तथा दिए गये वेतन और भत्तों की काल राशि या उतनी राशि जो सरकार निर्दिष्ट करे उसे वापिस करनी होगी।

2. अन्तिम रूप से चुने गये उम्मीदवारों को लगभग 18 महीनों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इन उम्मीदवारों के नाम सेना अधिनियम के अधीन "जेंटलमैन कैंडिडेट" के रूप में दर्ज किए जायेंगे। "जेंटलमैन कैंडिडेट" पर साधारण अनुशासनात्मक प्रयोजनों के लिए भारतीय सेना अकादमी के नियम और विनियम लागू होंगे।

3. यद्यपि आवास, पुस्तक दफ्ती, बोर्डिंग और चिकित्सा सहित प्रशिक्षण के खर्च का भार सरकार वहन करेगी लेकिन यह आशा की जाती है कि उम्मीदवार अपना खर्च खुद बर्दाश्त करेंगे। भारतीय सेना अकादमी में (उम्मीदवार का न्यूनतम मासिक धन्य 90.00 रु. से अधिक होने की संभावना नहीं है) यदि किसी कैंडिडेट के माता-पिता या संरक्षक इस खर्च को

(1) मेरुदण्ड का कृणिकागुल्मीय रोग।

(2) आथ्राइटिस/स्पीण्डिलोसिस।

(3) मंद से अपेक्षाकृत अधिक कायफोसिस लडोसिस स्क्रॉलियोसिस काल-पद्धति द्वारा 15 से अधिक अस्वीकृत का कारण बनेगा।

(4) स्पीण्डिलीमिस थीसिस/स्पीण्डिलोलिसिस

(5) हर्निएटिड न्यूक्लियस पल्पोसस।

(6) कशेरुका का सम्पीडन अस्थिभंग।

(7) श्वेतर मेन का रोग।

(8) प्रदर्शनीय रजिकीय या परिसंचरणीय अभाव के

3. यद्यपि आवास, पुस्तक दफ्ती, बोर्डिंग और चिकित्सा सहित प्रशिक्षण के खर्च का भार सरकार वहन करेगी लेकिन यह आशा की जाती है कि उम्मीदवार अपना खर्च खुद बर्दाश्त करेंगे। भारतीय सेना अकादमी में (उम्मीदवार का न्यूनतम मासिक धन्य 90.00 रु. से अधिक होने की संभावना नहीं है) यदि किसी कैंडिडेट के माता-पिता या संरक्षक इस खर्च को भी पूरा या आंशिक रूप में बर्दाश्त करने में असमर्थ हों तो सरकार द्वारा उन्हें वित्तीय सहायता दी जाती है। लेकिन जिन उम्मीदवारों के माता-पिता या संरक्षक की मासिक आय 500.00 रु. या इससे अधिक हो वे वित्तीय सहायता के पात्र नहीं होंगे। वित्तीय सहायता की-पात्रता निर्धारित करने के लिए अलग समितियों और भी साधनों से होने वाली आय का भी ध्यान रखा जाएगा।

यदि उम्मीदवार के माता-पिता या संरक्षक किसी प्रकार को वित्तीय सहायता प्राप्त करने के दृष्टिकोण से तो उन्हें अपने पत्र/संरक्षित के भारतीय सेना अकादमी में प्रशिक्षण के लिए अन्तिम रूप से चुने जाने के तुरन्त बाद अपने पिजले के जिला मजिस्ट्रेट के माध्यम से एक आवेदन-पत्र देना चाहिए। जिससे जिला मजिस्ट्रेट अपनी अनुरोध सहित भारतीय सेना अकादमी देहरादून के कैंडिडेट को अग्रिम कर देगा।

4. भारतीय सेना अकादमी में प्रशिक्षण के लिए अन्तिम रूप से चुने गए उम्मीदवारों को अपने कमांडेंट के पास निम्न-लिखित राशि जमा करानी होगी।

(क) प्रतिमास रु. 90.00 के हिसाब से 5 महीने का जेब खर्च	450.00
(ख) वस्त्र तथा उपस्कर की मदों के लिए	1500.00
योग	1950.00

उम्मीदवारों को वित्तीय सहायता मंजूर हो जाने पर उपर्युक्त राशि में से नीचे लिखी वापस कर दी जाएगी।

90.00 रु. प्रतिमास के हिसाब से पांच महीने का जेब खर्च 450.00 रु.

5. भारतीय सेना अकादमी में निम्नलिखित छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध हैं :—

(1) परशुराम भाऊ पटवर्धन छात्रवृत्ति—यह छात्रवृत्ति महाराष्ट्र तथा कर्नाटक के कैंडिडेटों को दी जाती है। छात्रवृत्ति की राशि अधिक से अधिक 500.00 रु. प्रतिवर्ष है जो कैंडिडेटों को भारतीय सेना अकादमी में रहने की अवधि के दौरान दी जाती है, बशर्ते कि उसकी प्रगति संतोषजनक हो जिन उम्मीदवारों को यह छात्रवृत्ति मिलती है वे किसी अन्य सरकारी वित्तीय सहायता के हकदार न होंगे।

(2) कर्नल कंडल फ्रैंक मेमोरियल छात्रवृत्ति : इस छात्रवृत्ति की राशि 360/- रुपए प्रति वर्ष है और यह किसी ऐसे पात्र मराठा कैंडिडेट को दी जाती है जो किसी भूतपूर्व सैनिक का पुत्र हो। यह छात्रवृत्ति सरकार से प्राप्त होने वाली किसी वित्तीय सहायता के अतिरिक्त होती है।

6. भारतीय सेना अकादमी के प्रत्येक कैंडिडेट के लिए सामान्य शर्तों के अन्तर्गत समय-समय पर लागू होने वाली दरों के अनुसार परिधान भत्ता अकादमी के कमांडेंट को सौंप दिया जाएगा। इस भत्ते की जो रकम खर्च होगी वह।

(क) कैंडिडेट को कमीशन दे दिए जाने पर दे दी जाएगी।

(ख) यदि कैंडिडेट को कमीशन नहीं दिया गया तो भत्ते की यह रकम राज्य को वापस कर दी जाएगी।

कमीशन प्रदान किए जाने पर इसे भत्ते में खरीदे गए वस्त्र तथा अन्य आवश्यक चीजों के कैंडिडेट की व्यक्तिगत सम्पत्ति बन जाएगी। किन्तु यदि प्रशिक्षणाधीन कैंडिडेट त्यागपत्र दे दे या कमीशन से पूर्व उसे निकाल दिया जाए या वापस बना लिया जाए तो उपयुक्त वस्तुओं को उससे वापस ले लिया जाएगा। इन वस्तुओं का सरकार को सर्वोत्तम हित को ध्यान रखते हुए निपटान कर दिया जाएगा।

7. सामान्यतः किसी उम्मीदवार को प्रशिक्षण के दौरान त्यागपत्र देने की अनुमति नहीं दी जाएगी। लेकिन प्रशिक्षण के दौरान त्याग-पत्र देने वाले जेंटलमैन कैंडिडेट को थल सेना मुख्यालय द्वारा उनका त्यागपत्र स्वीकार होने तक घर जाने की आज्ञा दे दी जानी चाहिए। उनके प्रस्थान से पूर्व उनके प्रशिक्षण भोजन तथा सम्बन्ध सेवाओं पर होने वाला खर्च उनसे बसूल

किया जाएगा। भारतीय सेना अकादमी में उम्मीदवारों को भर्ती किए जाने से पूर्व उनके माना-पिता/अभिभावकों का इस आशय के एक वाक्य पर हस्ताक्षर करने होंगे। जिस जेंटलमैन कैंडिडेट को प्रशिक्षण का सम्पूर्ण कार्य पूरा करने के योग्य नहीं समझा जाएगा उसे सेना मुख्यालय अनुमति से प्रशिक्षण से हटाया जा सकता है। इन परिस्थितियों में सैनिक उम्मीदवारों को अपनी रजिमेंट या कोर में वापस भेज दिया जाएगा।

8. कमीशन प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक करने पर ही दिया जाएगा। कमीशन देने की तारीख प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने की तारीख से अगले दिन से शुरू होगी। यह कमीशन स्थायी होगा।

9. कमीशन देने के बाद उन्हें सेना के नियमित अफसरों के समान वतन और भत्ते, पेशन और छूट्टी दी जाएगी तथा सेवा की शर्तों भी वही होंगी जो सेना के नियमित अफसरों पर समय-समय पर लागू होंगी।

(1) प्रशिक्षण

10. भारतीय सेना अकादमी में आमी कैंडिडेट को "जेंटलमैन कैंडिडेट" का नाम दिया जाता है उन्हें 18 मास के लिए कड़ा सैनिक प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे इन्फैंट्री के उपयुक्ततापूर्ण करने के योग्य बन सकें, प्रशिक्षण की सफलतापूर्वक पूरा करने के उपरान्त जेंटलमैन कैंडिडेटों को सैफ्टनेट कैंडिडेट के रूप में कमीशन प्रदान किया जाता है बशर्ते कि एम. एस. ए. पी. ई. शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।

11. सेवा की शर्तें :

1. वतन

विर्गिडियरों के रैंक (जिसमें ए. एस. सी., ए. डी. सी. तथा आर. वी. सी. अधिकारी सम्मिलित हैं किन्तु मिलिटरी नर्सिंग अधिकारी सम्मिलित नहीं हैं) तक के अधिकारियों के सम्मिलित वतनमान निम्नलिखित हैं :—

रु. 2300- 100- 3900- 150- 4200-इ. सी.- 150-5100।

रु.

मेजर जनरल	5900-200-6700
लेफ्टिनेंट जनरल	7300-100-7600
डी. जी. ए. एफ. एम.	7600 (नियत)।
एस. वी. सी. ओ. ए. एम. /	
सैन्य कमांडर	8000 (नियत)।
स्थल सेना अध्यक्ष	9000 (नियत)।

वतन के साथ-साथ निम्न प्रकार से रैंक वतन भी दिया जाएगा।

कैप्टन	200
मेजर	600
लेफ्टिनेंट कर्नल	800
कर्नल	1000
विर्गिडियर	1200

2. योग्यता वतन और अनुदान :

लेफ्टिनेंट कर्नल और उससे नीचे के रैंक के कुछ निर्धारित योग्यता रखने वाले अधिकारी अपनी योग्यताओं के आधार पर रु. 7500/-, रु. 5625/-, रु. 3000/- अथवा रु.

2000/- के एक मूल्य अनुदान के हकदार हैं। उड़ान प्रशिक्षण (वर्ग "ब") रु. 70 की दर पर योग्यता वेतन के अधिकारी होंगे।

3. भत्तः :

वेतन के अतिरिक्त अफसरों को इस समय निम्नलिखित भत्त मिलते हैं :—

(क) निम्नलिखित राष्ट्रप्रति अफसरों पर मरुत-मरुत पर लाभ वर्गों और शर्तों के अनुसार इन्हें भी तथा एयरलैंड तथा मंडराई भत्त दिये जाते हैं।

(ख) 100/- रु. प्रतिमाह की दर से फिट अनुरक्षण भत्ता।

(ग) निर्वासन भत्ता भारत में बाहर सेवा करने पर ही दिये हैं, इसके भुगतान की दरें उपर्युक्त विवरण भत्तों की संगत एकल दर की 25 प्रतिशत से लेकर 40 प्रतिशत राशि तक अलग-अलग हैं।

(घ) वियुक्ति भत्ता जब विवाहित अफसरों को ऐसे स्थानों पर तैनात किया जाता है जहाँ परिवार सहित नहीं रखा जा सकता है, तब अफसर 140/- रु. प्रतिमाह की दर से वियुक्ति भत्ता प्राप्त करने के हकदार होते हैं वियुक्ति भत्ता (शान्ति) समाप्त कर दिया गया है।

(ङ) मज्जा भत्ता :—प्रारम्भिक सज्जा भत्ता रु. 3000/- है। प्रथम कमीशन की तारीख से प्रत्येक सात वर्ष के बाद 3000/- रु. नये सज्जा भत्ते का दावा किया जा सकता है।

(च) थल सेना में सभी स्तर के अधिकारियों को मृत्यु राशन दिया जाता है।

(छ) कमीशन किए जाने से पहले विभिन्न सेवा संस्थाओं में प्रशिक्षण के अंतिस 6 महीनों के दौरान प्रशिक्षार्थियों को रु. 1500/- की नियत धनराशि मिलेगी।

4. तैनाती :

थल सेना अफसर भारत में या विदेश में कहीं भी तैनात किये जा सकते हैं।

5. पदोन्नति :

(क) स्थायी पदोन्नति

उच्चतर रैंकों पर स्थायी पदोन्नति के लिए निम्नलिखित सेवा सीमाएँ हैं।

समय वेतनमान से

लेफ्टिनेंट	2 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
कैप्टन	5 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर	11 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
लेफ्टिनेंट कर्नल (चयन द्वारा)	21 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा

लेफ्टिनेंट कर्नल

16 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा

कर्नल

20 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा

विर्गोइयर

23 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा

मेजर जनरल

25 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा

लेफ्टिनेंट जनरल

28 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा

जनरल

कांडा प्रतिवन्ध नहीं सेवा

(ख) कार्यकारी पदोन्नति

निम्नलिखित न्यूनतम सेवा सीमाएँ पूरी करने पर अफसर उच्चतर रैंकों पर कार्यकारी पदोन्नति के लिए पात्र होंगे बशर्त कि गिनतियाँ उपलब्ध हों :—

कैप्टन	3 वर्ष
मेजर	6 वर्ष
लेफ्टिनेंट कर्नल	6-1/2 वर्ष
कर्नल	8-1/2 वर्ष
विर्गोइयर	12 वर्ष
मेजर जनरल	20 वर्ष
लेफ्टिनेंट जनरल	25 वर्ष

(ग) नौ सेना अकादमी राखा में भर्ती होने वाले उम्मीदवारों

के लिए :

1. (क) जो उम्मीदवार अकादमी में प्रशिक्षण के लिए अन्तिम रूप से चुन लिए जाएंगे, उन्हें नौ सेना कार्यकारी राखा में कैडेटों के रूप में नियुक्त किया जाएगा। उन उम्मीदवारों को नौसेना अकादमी, राखा कैडेट के पास निम्नलिखित राशि जमा करवानी होगी।

(1) जिन उम्मीदवारों ने सरकारी वित्तीय सहायता के लिए आवेदन पत्र नहीं दिया है :—

(1) 100.00 रुपए प्रतिमाह

की दर से छः मास के लिए

जब वर्ष

600.00 रु.

(2) कपड़ों और यज्जा-सामग्री के लिए

1260.00 रु.

जोड़

1860.00 रु.

(2) जिन उम्मीदवारों ने सरकारी वित्तीय सहायता के लिए आवेदनपत्र दिया है :—

(1) 100.00 रु. प्रतिमास की दर से दो मास के लिए	
जब खर्च	200.00 रु.
(2) कपड़ों और सज्जा-सामग्री के लिए	1260.00 रु.

जोड़	1460.00 रु.

(ख) (1) चुने हुए उम्मीदवारों को कैंडिडेटों के रूप में नियुक्त किया जाएगा तथा उन्हें नौसेना जहाजों और प्रतिष्ठानों में नीचे दिया गया प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा :—

(क) कैंडिडेट प्रशिक्षण तथा 6 मास का नौकाए प्रशिक्षण	1 वर्ष
(ख) मिडशिपमैन नौकाए प्रशिक्षण	6 मास
(ग) कार्यकारी सब-लेफ्टिनेंट तकनीकी काम	12 मास
(घ) सब-लेफ्टिनेंट	

उपर्युक्त प्रशिक्षण पूरा होने के बाद, अधिकारियों को नौ-वहन निगरानी संबंधी पूर्ण प्रमाण पत्र लेने के लिए भारतीय नौ-सैनिक जहाजों पर नियुक्त किया जाएगा, जिसके लिए कम से कम 6 मास की अवधि आवश्यक है।

(2) नौ सेना अकादमी में कैंडिडेटों के लिए शिक्षण, आवास और संबद्ध सेवाओं, पुस्तकों, वस्त्रों, भोजन डाक्टरों इलाज का खर्च सरकार वहन करेगी किन्तु कैंडिडेटों के माता-पिता अभिभावकों को उसका जब खर्च और निजी खर्च वहन करना होगा। यदि कैंडिडेट के माता-पिता/अभिभावकों की मासिक आय 500 रुपये से कम हो और वह कैंडिडेट का जब खर्च पूर्ण-तया अथवा आंशिक रूप में पूरा न कर सकते हों तो सरकार कैंडिडेट के लिए 90 रु. प्रति मास वित्तीय सहायता स्वीकार कर सकती है। वित्तीय सहायता लेने का इच्छुक उम्मीदवार अपने चुने जाने के बाद सीधे ही अपने जिला मजिस्ट्रेट के माध्यम से आवेदन-पत्र दे सकता है जिला मजिस्ट्रेट उसे आवेदन-पत्र को अपनी अनुसूची के साथ निदेशक, मानव संसाधन एवं भर्ती, नौसेना मर्यादा, नई दिल्ली के पास भेज देगा यदि किसी माता-पिता/अभिभावक के दो अथवा उससे अधिक पुत्र या आश्रित नौ सेना जहाजों/प्रतिष्ठानों के साथ-साथ प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हों तो उन सभी को साथ-साथ प्रशिक्षण प्राप्त करने की अवधि के लिए उपर्युक्त वित्तीय सहायता दी जा सकती है बशर्ते कि माता-पिता/अभिभावक की मासिक आय 600 रु. से अधिक न हो।

(3) बाद का प्रशिक्षण भारतीय नौसेना के जहाजों और स्थापनाओं में भी उन्हें सरकारी खर्च पर दिया जाता है अकादमी छोड़ने के बाद उनमें पहले छह मास के प्रशिक्षण के दौरान उन्हें उपर्युक्त पैरा (1) के अनुसार अकादमी प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों को मिलने वाली वित्तीय सहायता के समान सहायता दी जाएगी। भारतीय नौसेना के

जहाजों और उनके प्रतिष्ठानों में छह मास का प्रशिक्षण कर लेने के बाद जिन कैंडिडेटों की मिडशिपमैन के रैंक में पदोन्नति कर दी जाएगी और वे वेतन प्राप्त करने लगेंगे, तब उनके माता-पिता को उनका कोई खर्च नहीं देना होगा।

(4) कैंडिडेटों का सरकार या निःशुल्क बढ़ी मिलेगी जिसे उन्हें इससे अलावा कुछ और कपड़े भी लेने होंगे। इन कपड़ों के सही नमूने उनकी एक रूपता को सुनि-श्चित करने के लिए ये कपड़े नौसेना अकादमी में तैयार किए जाएंगे तथा उनका खर्च कैंडिडेटों के माता-पिता/अभिभावकों को वहन करना होगा। वित्तीय सहायता के लिये आवेदनपत्र देने वाले कैंडिडेटों को कुछ कपड़े निःशुल्क या उधार दिए जा सकते हैं उन्हें बा-क़ी कपड़े भी खरीदने होंगे।

(5) प्रशिक्षण के दौरान सर्विस कैंडिडेटों को अपने मूल रैंक के वही वेतन और वही भत्ते मिलेंगे जो कैंडिडेटों के चुने जाने के समय नाविक या संवक या अप्रेंटिस के पदे पर काम करते हुए प्राप्त कर रहे होंगे यदि उन्हें उस रैंक में वेतन वृद्धि दी जाती हो तो वे उस वेतन वृद्धि को पाने की भी हकदार होंगे यदि उनके मूल रैंक का वेतन और भत्ते सीधे भरी होने वाले कैंडिडेटों को मिलने वाली वित्तीय सहायता से कम हों तथा वेह उस सहायता को प्राप्त करने के पात्र हों तो उन्हें उपर्युक्त दोनों राशियों के अन्तर की राशि भी मिलेगी।

(6) सामान्यतः किसी कैंडिडेट को प्रशिक्षण के दौरान त्याग पत्र देने की अनुमति नहीं दी जाएगी। जिस कैंडिडेटों को भारतीय नौ सेना जहाजों और प्रतिष्ठानों में कोर्स पूरा करने की यांच नहीं समझा/हटाया उसे सरकार के अनुसूचन से वापिस बुलाया जा सकता है तथा उसे प्रशिक्षण में हटाया जा सकता है। इन परिस्थितियों में किसी सर्विस कैंडिडेट को उसकी मूल सर्विस पर वापिस भेज दिया जाएगा। जिस कैंडिडेट को इस प्रकार के प्रशिक्षण में हटाया जाएगा, या मूल सर्विस पर वापिस भेजा जाएगा, वह परवर्ती कोर्स में दाखिल होने का पात्र नहीं रहेगा। किन्तु जिन कैंडिडेटों को कुछ करुणाजन्य कारणों के आधार पर त्याग-पत्र देने की अनुमति दी जाती है उनके मामलों पर गुणावगुण के आधार पर विचार किया जाता है।

2. किसी उम्मीदवार के भारतीय नौसेना में कैंडिडेट चुने जाने से पूर्व माता-पिता/अभिभावक को

(क) इस आशय के प्रमाण-पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे कि वह भलीभांति समझता है कि यदि उसके पुत्र या आश्रित को प्रशिक्षण के दौरान या उसके कारण कोई चोट लग जाए या शारीरिक दुर्बलता हो जाए या उपर्युक्त कारणों या अन्य कारणों से चोट लगने पर किए गये आपरेशन से या आपरेशन के दौरान मरिच्छित करने की अपेक्षा के प्रयोग के फल-स्वरूप मृत्यु हो जाए तो उसे या उसके पुत्र या आश्रित को सरकार से मुआवजा मांगने के दावे या सरकार से अन्य सहायता मांगने का कोई हक नहीं होगा।

- (ख) इस आशय के बांड पर हस्ताक्षर करने होंगे कि किसी ऐसे कारण से जो उनके नियन्त्रण के अधीन हो, यदि उम्मीदवार प्रशिक्षण पूरा होने से पहले वापस जाना चाहें या यदि कमीशन दिए जाने पर स्वीकार न करें तो शिक्षा, शुल्क, भोजन वस्त्र वॉतन तथा भत्ते जो कैंडिडेट ने प्राप्त किये हैं उनका मूल्य या अंश जो सरकार निर्णय करे, चुकाने की जिम्मेदारी वह लेता है।

3. वॉतन तथा भत्ते :

(क) वॉतन :

रैंक	वेतनमान	रैंक वेतन
1	2	3
मिडशिपमैन	रु० 1500/- (नियत)	---
एक्टिंग सब-लेफ्टिनेंट	रु० 2300-100-	---
सब-लेफ्टिनेंट	3900-150-4200-	
	रु० रेंज -150-5100	
	का समेकित वेतन।	
लेफ्टिनेंट		रु० 200/-
		प्र० मा०
लेफ्टिनेंट कमांडोर		रु० 600/-
		प्र० मा०
कमांडोर		रु० 800/-
		प्र० मा०
कैप्टन (जिसकी उम्र रैंक में तीन वर्ष से कम की सेवा हो)		रु० 1000/-
		प्र० मा०
कैप्टन (जिसमें उम्र रैंक में 3 वर्ष अथवा उससे अधिक की सेवा की हो)।		रु० 1200/-
		प्र० मा०
कमांडोर		
रीयर एडमिरल	रु० 5900-200-6700	
वाइस एडमिरल	रु० 7300-100-7600	
वाइस एडमिरल (सोसेना कमान का० दी० सी० एन० एन० तथा ई० ओ० -- इन-सी०)	रु० 8000/- प्र० मा० (नियत)	
ग्रा० एन० एम०	रु० 9000/- प्र० मा० (नियत)	

(ख) भत्ते :

वेतन के अतिरिक्त अफसरों को निम्नलिखित भत्ते मिलते हैं :—

- (1) सिविलियन राजपत्रित अफसरों पर समय-समय पर लागू दरों और भत्तों के अनुसार इन्हें भी नगर प्रतिकर तथा मंहगाई भत्ता मिलता है।
- (2) 100/- रु. प्रति मास की दर से फिट अनुरक्षण भत्ता (कमांडोर रैंक के तथा उनसे नीचे के रैंक के अफसरों को)।

- (3) जब अफसर भारत को बाहर सेवा कर रहा हो, तब धारित रैंक के अनुसार 50/- रुपए से 250/- रुपए तक प्रति मास प्रवास भत्ता।

- (4) 140/- रु. प्रतिमास के हिसाब से इन अफसरों का क्षेत्र वियक्ति भत्ता मिलेगा :—

- (क) जिन विवाहित अफसरों को ऐसे स्थानों पर तैनात किया जाएगा जहां वे परिवार सहित नहीं रह सकते।

- (ख) जिन विवाहित अफसरों का आइ. एन. जहाजों पर तैनात किया जाएगा अथवा जितनी अवधि के लिए वे बेस पतनों से दूर जहाजों पर रहेंगे।

- (5) (क) परिसज्जा भत्ता : प्रारम्भिक सज्जा भत्ता 3500/- है।

- (ख) वास्तविक सेवा के प्रति सात वर्ष बाद, नवीनीकरण परिसज्जा भत्ता रु. 3500/- है।

- (6) नासना में सभी स्तर के अधिकारियों को मुफ्त राशन दिया जाता है।

टिप्पणी 1 :—उपयुक्त के अलावा संकट के समय काम करने की राशि पनडुब्बी भत्ता, सर्वश्रम, वेतन/अनुदान तकनीकी वेतन आताखोरी वेतन जैसी कुछ विशेष रियायत भी अफसरों को दी जा सकती है।

टिप्पणी 2 :—अफसर पनडुब्बी तथा विमानन सेवाओं के लिये अपनी सेवाएं अर्पित कर सकते हैं। इन सेवाओं में सेवा के लिए चुने गए अफसर विशेष वेतन जैसे पनडुब्बी/उड़ान वेतन पाने के हकदार होते हैं।

4. पदान्ति

(क) समय वेतनमान द्वारा मिड-

शिपमैन से एक्टिंग सब-

लेफ्टिनेंट तक

1/2 वर्ष

एक्टिंग सब-लेफ्टिनेंट से

सब-लेफ्टिनेंट तक

1 वर्ष

सब-लेफ्टिनेंट से

लेफ्टिनेंट तक

एक्टिंग और स्थायी सब-लेफ्टिनेंट लॉरिष्ठना के बोम) समग्रह के अधीन हर से 3 वर्ष

लेफ्टिनेंट से लेफ्टिनेंट

कमांडोर तक

लेफ्टिनेंट कमांडोर से

कमांडोर तक

लेफ्टिनेंट के रूप में 8 वर्ष की वरिष्ठता 24 वर्ष की सभी कमीशन प्राप्त सेवा

(यदि जयन द्वारा परा-

प्रति से न हुई हो)

(ख) जयन द्वारा लेफ्टिनेंट

कमांडोर से कमांडोर

तक

कमांडोर से कैप्टन तक

लेफ्टिनेंट कमांडोर के रूप में 2-8 वर्ष की वरिष्ठता

कमांडोर के रूप में 4 वर्ष की वरिष्ठता

कैप्टन से रीयर एडमिरल

और उनसे ऊपर तक

कावे सेवा प्रतिबन्ध नहीं।

5. तैनाती

अफसर भारत और विदेश में कहीं भी तैनात किए जा सकते हैं ।

टिप्पणी :—यदि किसी और सूचना की आवश्यकता हो तो वह निदेशक, कार्मिक सेवा, नौ सेना मुख्यालय, नई दिल्ली-110011 से प्राप्त की जा सकती है ।

(ग) अफसर ट्रेनिंग अकादमी में भर्ती होने वाले उम्मीदवारों के लिए :—

(क) उसे इस आशय के प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे कि वह भलीभांति समझता है कि उसे या उसके बंधु-वारिसों को सरकार से भुआवजा या अन्य किसी सहायता के बाबे का कोई हक नहीं होगा, यदि उसे प्रशिक्षण के दौरान कोई चोट या शारीरिक दुर्बलता हो जाए या मृत्यु हो जाए या उपर्युक्त कारणों से चोट लगने पर किए गए आपरेशन या आपरेशन के दौरान मूर्च्छित करने की औषधि के प्रयोग के फलस्वरूप ऐसा हो जाए ।

(ख) उसके माता-पिता या अभिभावक को एक बाण्ड पर हस्ताक्षर करने होंगे कि किसी कारण से जो उसके नियन्त्रण के अधीन मान लिया जाए यदि उम्मीदवार कोर्स पूरा करने में पूर्व वापस जाना चाहे या यदि दिए जाने पर कमीशन स्वीकार न करे या अफसर ट्रेनिंग स्कूल में प्रशिक्षण प्राप्त करते हुए शादी कर ले तो शिक्षा, खाना, वस्त्र और बेंतन तथा भत्ता जो उसने प्राप्त किए हैं, उनकी लागत या उनका वह अंश जो सरकार निर्णय करे, चुकाने के जिम्मेदार होंगे ।

2. जे. उम्मीदवार अन्तिम रूप से चुने जाएंगे उन्हें अफसर ट्रेनिंग स्कूल में लगभग 9 महीने का प्रशिक्षण कार्स पूरा करना होगा । इस उम्मीदवार को सेना अधिनियम के अन्तर्गत जेण्टलमैन कैंडिडेट के रूप में नामांकित किया जाएगा । सामान्य अनुशासन की दृष्टि से जेण्टलमैन कैंडिडेट अफसर ट्रेनिंग स्कूल के नियमों तथा विनियमों के अन्तर्गत रहेंगे ।

3. प्रशिक्षण की लागत जिसमें आवास, पुस्तकें, वर्वी भोजन तथा शक्तिस्ता सुविधा शामिल है सरकार वहन करेगी और उम्मीदवारों को अपना जेब खर्च स्वयं वहन करना होगा । कमीशन पूर्व प्रशिक्षण के दौरान न्यूनतम रु. 90.00 प्रति मास से अधिक खर्च की संभावना नहीं है । किन्तु यदि उम्मीदवार कोई फोटोग्राफी, शिकार खेलना, संरक्षणा इत्यादि का शौक रखता हो तो उसे अतिरिक्त धन की आवश्यकता होगी । यदि कोई कैंडिडेट यह न्यूनतम व्यय भी पूर्ण या आंशिक रूप से वहन नहीं कर सके तो उसे समय-समय पर परिवर्तनीय दरों पर इस हेतु वित्तीय सहायता दी जा सकती है । बशर्ते कि कैंडिडेट और उसके माता-पिता/अभिभावक की आय रु. 500 प्रति मास से कम हो । वर्तमान आदेशों के अनुसार वित्तीय सहायता की दर 90.00 रुपए प्रति मास है । जो उम्मीदवार वित्तीय सहायता प्राप्त करने का इच्छुक है उसे प्रशिक्षण के लिए अन्तिम रूप से चुने जाने के बाबे निर्धारित प्रपत्र पर एक आवेदन अपने जिले के जिला मजिस्ट्रेट को भेजना होगा जो अपनी रियायत रिपोर्ट के साथ आवेदनपत्र को कमांडेंट अफसर ट्रेनिंग स्कूल मद्रास को भेज देगा ।

4. अफसर ट्रेनिंग अकादमी में अन्तिम रूप से प्रशिक्षण के लिए चुने गए उम्मीदवारों को वहां पहुंचने पर कमांडेंट के पास निम्नलिखित धन राशि जमा करनी होगी :—

(क) रु. 90.00 प्रति मास की दर से दस महीने के लिए जेब खर्च	900.00 रु.
(ख) वस्त्र तथा उपकरण के लिए	500.00 रु.
योग	1400.00 रु.

यदि कैंडिडेटों की वित्तीय सहायता स्वीकृत हो जाती है तो उपर्युक्त राशि में से (ख) के सामने दी गयी राशि वापस कर दी जाएगी ।

5. समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अन्तर्गत परिधान भत्ता मिलेगा ।

कमीशन मिल जाने पर इस भत्ते से खरीदे गए वस्त्र तथा अन्य आवश्यक चीजों कैंडिडेट की व्यक्तिगत सम्पत्ति बन जायेंगे । यदि कैंडिडेट प्रशिक्षणाधीन अवधि में त्याग-पत्र दे दे या निकाल दिया जाए या कमीशन से पूर्व वापस बुला लिया जाए तो इन वस्तुओं को उससे वापस ले लिया जाएगा । इन वस्तुओं का सरकार के सर्वोत्तम हित को दृष्टिगत रखते हुए निपटान कर दिया जाएगा ।

6. सामान्यतः किसी उम्मीदवार को प्रशिक्षण के दौरान त्याग-पत्र देने की अनुमति नहीं दी जाएगी । लेकिन प्रशिक्षण प्रारम्भ होने के बाद त्यागपत्र देने वाले जेण्टलमैन कैंडिडेटों का थल सेना मुख्यालय द्वारा उनका त्याग-पत्र स्वीकारकृत होने तक घर जाने की आज्ञा दी जा सकती है । प्रस्थान से पूर्व उनसे प्रशिक्षण भोजन तथा सम्बद्ध सेवाओं पर होने वाला खर्च वसूल किया जाएगा । अफसर प्रशिक्षण अकादमी में उम्मीदवारों को भर्ती किए जाने से पूर्व उन्हें तथा उनके माता-पिता/अभिभावकों को इस आशय का एक बांड भरना होगा ।

6. (क) अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी में प्रवेश लेने के बाद उम्मीदवारों को अकादमी से त्यागपत्र दिए बिना और प्रशिक्षण के खर्च का भुगतान किए बिना सशस्त्र सेना, नौ सेना और वायु सेना अथवा किसी अन्य रोजगार में प्रवेश आयोग की किसी प्रकार की परीक्षा/साक्षात्कार में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी । किन्तु उन जेण्टलमैन कैंडिडेटों से, जो चुन हो जाने के बाद नौ सेना और वायु सेना में कैरियरसपोर्टिंग प्रशिक्षण संगठनों अथवा भारतीय सेना अकादमी देहरादून में कमीशन पूर्व प्रशिक्षण लेने के लिए अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी, मद्रास से त्याग पत्र देते हैं उनसे भी के खर्च सहित प्रशिक्षण का कोई खर्च वसूल नहीं किया जाएगा ।

7. जिस जेण्टलमैन कैंडिडेट को प्रशिक्षण का संपूर्ण कार्स करने के योग्य नहीं समझा जायेगा उसे सरकार की अनुमति से प्रशिक्षण से हटाया जा सकता है । इन परिस्थितियों में सैनिक उम्मीदवारों को उनकी रीजमेंट कोर में वापस भेज दिया जाएगा ।

8. कमीशन प्रदान कर दिए जाने के बाद बेंतन तथा भत्ता पेंशन छूट्टी तथा अन्य सेवा शर्तें निम्न प्रकार होंगी :—

9. प्रशिक्षण

1. चुने गए उम्मीदवारों को सेना अधिनियम के अन्तर्गत जेण्टलमैन कैंडिडेटों के रूप में नामांकित किया जायेगा तथा वे अफसर ट्रेनिंग अकादमी में लगभग 9 मास तक प्रशिक्षण कार्स

पूरा करेंगे, प्रशिक्षण सफलतापूर्वक करने के उपरान्त, जेण्टलमैन कैंडिडेट को प्रशिक्षण के सफलतापूर्वक पूरा करने की तारीख से सेक्रेटरी लेफ्टिनेंट के पद पर अल्पकालिक सेवा कमीशन प्रदान किया जाता है।

10. सेवा की शर्तें :

(क) परिबीक्षा की अवधि

कमीशन प्राप्त करने की तारीख से अफसर 6 मास की अवधि तक परिबीक्षाधीन रहेगा। यदि उसे परिबीक्षा की अवधि के दौरान कमीशन धारण करने के अनुपूरक उपयुक्त बताया गया तो उनकी परिबीक्षा अवधि के समाप्त होने से पूर्व या उसके बाद किसी भी समय उसका कमीशन समाप्त किया जा सकता है।

(ख) तैनाती :

अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त करने पर उन्हें भारत या विदेश में कहीं भी नौकरी पर तैनात किया जा सकता है।

(ग) नियुक्ति की अवधि तथा पदोन्नति :

निर्गमित अल्प सेवा में अल्पकालिक सेवा कमीशन पांच वर्ष की अवधि के लिए प्रदान किया जाएगा जो अफसर सेना में पांच वर्ष के अल्पकालिक सेवा कमीशन की अवधि के बाध सेना में सेवा करने के इच्छुक होंगे यदि हर प्रकार से पात्र तथा उक्त सेवा कमीशन के अन्तिम वर्ष में उनकी स्थायी कमीशन प्रदान किए जाने पर विचार किया जाएगा जो पांच वर्ष की अवधि के दौरान स्थायी कमीशन प्रदान किए जाने की अर्हता प्राप्त नहीं कर पाएंगे उन्हें पांच वर्ष की अवधि पूरी होने पर निम्नलिखित कर दिया जाएगा।

(घ) वेतन और भत्ते :

अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अफसर वही वेतन भत्ते प्राप्त करेंगे जो सेना के नियमित अफसरों को प्राप्त होता है।

सैक्रेटरी लेफ्टिनेंट के वेतन की दर इस प्रकार है :—

सैक्रेटरी लेफ्टिनेंट रु. 750-790 प्रति मास

लेफ्टिनेंट रु. 830-950 प्रति मास।

तथा अन्य भत्ते या नियमित अफसरों का मिलते हैं।

(ङ) छुट्टी :

छुट्टी के संबंध में ये अफसर अल्पकालिक सेवा कमीशन अफसरों के लिए लागू नियमों से शासित होंगे जो सेवा अवकाश नियमावली खण्ड-1 थल सेना के अध्याय पांच में उल्लिखित है, जो अफसर ट्रेनिंग अकादमी के पासिंग आउट करने पर तथा इयूटी ग्रहण करने से पूर्व नियम 91 में दी गयी व्यवस्था के उम्मीदवार को उनकी रीजमेंट कैंप में वापिस भेज दिया जाएगा।

(च) कमीशन की समाप्ति :

अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अफसर को पांच वर्ष सेवा करनी होगी किन्तु भारत सरकार निम्नलिखित कारणों में किसी भी समय उसका कमीशन समाप्त कर सकती है :—

- (1) उपचार करने या सन्तोषजनक रूप से सेवा न करने पर; या
- (2) स्वास्थ्य की दृष्टि से अयोग्य होने पर;
- (3) उम्मीदी सेवाओं की और अधिक आवश्यकता न होने पर; या

(4) उसके किसी निर्धारित परीक्षण या कांस में अर्हता प्राप्त करने में, असफल रहने पर।

तीन महीने का नोटिस देने पर किसी अफसर की करुणाचल का अन्य कारणों के आधार पर कमीशन से त्याग-पत्र देने की अनुमति दी जा सकती है। किन्तु इसकी पूर्णतः निर्णयक भारत सरकार ही होगी। करुणाचल का अन्य कारणों के आधार पर कमीशन से त्याग-पत्र देने की अनुमति प्राप्त कर लेने पर कोई से सेवान्त उपदान पाने का हकदार नहीं होगा।

(छ) पेंशन लाभ :

ये अभी विचाराधीन है।

(2) अल्पकालिक सेवा कमीशन अफसर 5 वर्ष की सेवा पूरी करने पर 50,0000 का सेवान्त उपदान पाने के हकदार होंगे।

(ज) रिजर्व में रहने का दायित्व :

5 वर्ष की अल्पकालिक सेवा कमीशन, सेवा या बढ़ाई गई कमीशन सेवा पूर्ण करने के बाद से 5 वर्ष की अवधि के लिए या 40 वर्ष की आयु तक, जो पहले हो, रिजर्व में रहेंगे।

(झ) विविध :

सेवा संबंधी अन्य सभी शर्तें जब तक उनका उपयुक्त उपबन्धों के साथ भेद नहीं होता है वही होंगी जो नियमित अफसरों के लिए लागू हैं।

(ग) वायू सेना अकादमी में प्रवेश लेने वाले उम्मीदवारों के लिए :

1. चयन :

भारतीय वायू सेना की उड़ान शाखा (पायलट) में दो प्रकार में भर्ती की जाती है, अर्थात् मध्य लोक सेवा आयोग के माध्यम से डायरेक्ट एंट्री और एन. सी. सी. वायू सेना स्कंधे वरिष्ठ प्रभाग के माध्यम से।

(क) डायरेक्ट-एंट्री-आयोग, लिखित परीक्षा के आधार पर चयन करता है, ये परीक्षायें एक वर्ष में मान्यतः दो बार मई और नवम्बर में की जाती हैं। सफल उम्मीदवारों को वायू सेना चयन बोर्ड के सामने परीक्षा और साक्षात्कार के लिए भेजा जाता है।

(ख) एन. सी. सी. के माध्यम से प्रवेश-राष्ट्रीय कैंडिडेट वरिष्ठ महानिदेशक द्वारा विभिन्न एन. सी. सी. यूनिटों के माध्यम से एन. सी. सी. उम्मीदवारों से आवेदनपत्रों को आमंत्रित करके उन्हें वायू सेना मुख्यालय को अग्रसारित कर दिया जाता है। पात्र उम्मीदवारों को परीक्षा और साक्षात्कार के लिए वायू सेना चयन बोर्ड के सामने प्रस्तुत होने का निदेश दिया जाता है।

2. प्रशिक्षण पर भेजना :

वायू सेना चयन बोर्ड द्वारा अनुशासित और उपयुक्त चिकित्सक प्राधिकरण द्वारा शारीरिक रूप से स्वस्थ पाए जाने वाले उम्मीदवारों को बरीयता तथा उपलब्ध रिक्तियों की संख्या के आधार पर प्रशिक्षण के लिए भेजा जाता है। डायरेक्ट एंट्री उम्मीदवारों की बरीयता सूची मध्य लोक सेवा आयोग द्वारा तैयार की जाती है और एन. सी. सी. उम्मीदवारों की बरीयता सूची अलग से तैयार की जाती है। डायरेक्ट एंट्री, उड़ान (पायलट)

उम्मीदवारों की वरीयता-सूची में. लो. से. आ. द्वारा लिखित परीक्षण में उम्मीदवारों के प्राप्तांकों तथा वायु सेना चयन बोर्ड में प्राप्त अंकों को जोड़कर तैयार की जाती है। राष्ट्रीय कैंडेट कोर के उम्मीदवारों की वरीयता-सूची उनके द्वारा वायु सेना चयन बोर्ड में प्राप्त अंकों के आधार पर तैयार की जाती है।

3. प्रशिक्षण

वायु सेना अकादमी में उड़ान शाला (पालयट) के लिए प्रशिक्षण की अवधि लगभग 75 सप्ताह होगी।

उड़ान प्रशिक्षण के दौरान बीमा सुरक्षा/वायु सेना ग्रुप बीमा सोसायटी दुर्घटना की स्थिति में इस फ्लाइट कैंडेट के निकटतम संबंधी को 35,000/- रुपये अनुग्रह राशि के रूप में अदा करेगी जो सिविल क्षेत्र से आया हो और उड़ान प्रशिक्षण पा रहा हो कोई फ्लाइट कैंडेट यदि स्वास्थ्य की दृष्टि से अक्षम हो जाता है और प्रशिक्षण से मुक्त कर दिया जाता है तो उसे शत-प्रतिशत अक्षमता के लिए 25,000/- रुपये अनुग्रह राशि के रूप में अदा किए जाएंगे तथा यह राशि इसी अनुपात में घटकर 20 प्रतिशत रह जाती है।

सरकार द्वारा फ्लाइट कैंडेट को एक बार वतन तथा भत्ता प्रतीकित कर लिए जाने पर सुरक्षा 50,000/- रुपये होगी और शत-प्रतिशत अक्षमता के लिए अक्षमता सुरक्षा 25,000/- रुपये होगी वायु सेना ग्रुप बीमा सोसायटी द्वारा यह सुरक्षा उड़ान प्रशिक्षण पा रहे प्रत्येक फ्लाइट कैंडेट द्वारा 76 रुपये के मासिक अप्रतिदये अंशदान का भुगतान करने पर दी जाएगी, जिसके लिए मददस्यता अनिवार्य होगी।

वित्तीय सहायता पर लागू होने वाली शर्तें

(1) यद्यपि जगह, पुस्तक बंदी, ठहराने और चिकित्सा उपचार सहित, प्रशिक्षण का खर्च सरकार द्वारा वहन किया जाएगा तो भी उम्मीदवारों से आशा की जाती है कि वे अपना जेब खर्च स्वयं वहन करें। वायु सेना-प्रशासनिक कालिज में प्रति मास कम से कम 90 रुपये से अधिक खर्च होने को संभावना नहीं है। यदि किसी कैंडेट के अभिभावक या संरक्षक उस खर्च को भी पूर्ण रूप या आंशिक रूप में वहन करने में असमर्थ है तो उसे सरकार द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की जा सकती है। जिस कैंडेट के अभिभावक या संरक्षक की मासिक आय 500/- रुपये या इससे अधिक है वह वित्तीय सहायता प्रदान किए जाने का पात्र नहीं होगा। वित्तीय सहायता की पात्रता निर्धारित करने के लिए अचल सम्पत्ति तथा अन्य परिलब्धियां और सभी स्रोतों से होने वाली आय को भी ध्यान में रखा जाता है। वित्तीय सहायता प्रदान करने के इच्छुक उम्मीदवार के अभिभावक/संरक्षक को अपने पत्र/बच्चे के वायु सेना प्रशासनिक कालिज में प्रशिक्षण हेतु अंतिम रूप से चुन लिए जाने के तुरन्त बाद अपना आवेदन अपने जिले के जिलाधीश के माध्यम से प्रस्तुत कर देना चाहिए। जिलाधीश उस आवेदन को अपनी अनुमति सहित कमांडेंट, वायु सेना प्रशासनिक कालिज, रॉड फोर्ग्स, कांयम्बटर को अर्पित कर देगा।

(2) वायु सेना प्रशासनिक कालिज में प्रशिक्षण हेतु अंतिम रूप से चुने गये उम्मीदवारों को आगे पर निम्नलिखित रकम कमांडेंट के पास जमा करनी है :—

(क) 90 रुपये प्रतिमास की दर से 5 मास के लिए जेब भत्ता	450 रुपये
(ख) वस्त्र और उपकरण मयों के लिए	525 रुपये
योग	975 रुपये

उपर्युक्त रकम में से निम्नलिखित रकम कैंडेट को वित्तीय सहायता प्रदान किए जाने की स्थिति में वापस दिये हैं :

90 रुपये प्रतिमास की दर से 5 मास के लिए जेब भत्ता	450 रुपये
---	-----------

4. भविष्य में पदोन्नति की सम्भावनाएँ

प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद उम्मीदवार को पाइलट अफसर का रैंक दिया जाता है। और वे उसी रैंक के वतन तथा भत्ते प्राप्त करने के हकदार हो जाते हैं। वर्तमान दरों के आधार पर, उड़ान शाला के अधिकारियों को लगभग रु. 3,700/- प्रतिमाह मिलते हैं जिसमें उड़ान वतन रु. 1200/- प्रतिमाह भी सम्मिलित है। वायु सेना का भविष्य बहुत उज्ज्वल होता है यद्यपि विभिन्न शाखाओं में इस प्रकार की संभावनाएँ अलग-अलग होती हैं।

भारतीय वायु सेना में दो प्रकार से पदोन्नति होती है अर्थात् कार्यकारी रैंक प्रदान करके और स्थायी रैंक प्रदान करके प्रत्येक उच्च रैंक के लिए अतिरिक्त परिलब्धियां निर्धारित हैं। रिक्तियों की संख्या पर आधारित हर एक को उच्च कार्यकारी रैंक में पदोन्नति प्राप्त करने के अच्छे अवसर मिलते हैं। स्वच्छाङ्गन और विंग कमांडर के रैंक में समय वतनमान पदोन्नति उड़ान (पाइलट) शाला में क्रमशः 11 वर्ष की तथा 14 वर्ष की सफल सेवा पूरी करने के बाद की जाती है। विंग कमांडर और उससे ऊपर के उच्चतर पदों में पदोन्नति विधिवत गठित पदोन्नति बोर्डों द्वारा चयन के आधार पर की जाती है। उदीयमान अधिकारियों के लिए पदोन्नति के अच्छे अवसर होते हैं।

5. वतन तथा भत्ता

(क) (1) पाइलट अफसर से एयर कमांडर के रैंक के अधिकारियों का निम्नलिखित समीकित वतन स्वीकार्य होगा :—
2300-100-3900-150-4200-द. रों.-150-5100

(11) एयर वाइस मार्शल तथा इससे ऊपर के रैंकों के अधिकारियों के वतनमान :—

(कक) एयर वाइस मार्शल—रु. 5900-200-6700

(खख) एयर मार्शल-एयर कमानों के—रु. 7300-100-7600/-

(गग) वी. गी. ए. एस./ए. ओ. सी.-इन-सी.—रु. 8000/- (नियत)

(घघ) स्थल सेना अध्यक्ष—रु. 9000/- (नियत)

(ख) उपर्युक्त समीक्षित जेलनग्राम में बसेन के साथ-साथ रैंक धारण करने के आधार पर निम्नलिखित रैंक बसेन भी स्वीकार्य होंगे :—

रैंक	प्र. मा. रैंक बसेन की धनगतियाँ
पलाइंट लेफ्टिनेंट	रु. 200/-
स्क्वाड्रन लीडर तथा विंग कमांडर (टी. एम.)	रु. 600/-
विंग कमांडर (चण्दात्मक)	रु. 800/-
ग्रुप कैप्टन	रु. 1000/-
एयर कमांडो	रु. 1200/-

महंगाई तथा प्रतिफल भत्ते:—अधिकारियों को ये भत्ते भारत सरकार के सिविलियन कर्मचारी को लागू होने वाली शर्तों के अन्तर्गत दी गई दरों पर मिलते हैं।

फिक्स्ड अमरलण भत्ता:—100/- प्रतिमाह उड़ान बसेन; उड़ान शाखा के अधिकारी निम्नलिखित दरों पर उड़ान बसेन के हकदार होते हैं :—

ग्रुप कैप्टन और उसके नीचे—रु. 1200/- प्रतिमाह
एयर कमांडर और उसके ऊपर—रु. 900/- प्रतिमाह

योग्यता बसेन :—कमीशन सेवा के दो या दो से अधिक वर्ष पूरा करने वाले विंग कमांडर और उसके नीचे के रैंक के अधिकारियों को विधिष्ठ योग्यताओं के लिए निर्धारित दरों पर योग्यता बसेन/अनुदान प्रदान किया जाता है। योग्यता बसेन की दर रु. 70/-, और रु. 100/- है और अनुदान रु. 7,500/-, रु. 5,625/- रु., 3,000/- और रु. 2,000/- है।

प्रवास भत्ता:—जहाँ वायसेना अधिकारियों को टुकड़ियों के रूप में रखा जाना अपेक्षित होता है उन देशों में नियुक्त एक तृतीय सचिव, द्वितीय सचिव, प्रथम सचिव, कन्सुलर को दिये जाने वाले भत्ते का 25 से 40 प्रतिशत तक प्रवास भत्ते दिये जाता है।

विवर्धित भत्ता :—एम्मे विवाहित अधिकारी जिनकी नियुक्ति यूनिट में होती है, गैर परिवार स्टेशन स्थित/सरकार द्वारा अधिसूचना ऐसे स्थान जहाँ अधिकारियों को परिवार को साथ रखने की अनुमति नहीं होती है उन्हें रु. 140/- प्रतिमाह दर में विवर्धित भत्ता दिया जाएगा।

परिधान भत्ता:—यदि/उपस्कर जो कि प्रत्येक अधिकारी को अवश्य रखनी पड़ती है उसके मूल्य के बदले में दिया जाने वाला प्रारम्भिक परिधान भत्ता रु. 3,000/- है (समय-समय पर इसमें संशोधन किया जाता है) नवीकरण के लिए हर 7 साल के बाद रु. 3,000/- दिए जाएंगे।

कम्पाईट :—कमीशन प्रदान करने समय मृत्यु दी जाती है।

वायु सेना में सभी स्तर के अधिकारियों को मृत्यु राशन दिया जाता है।

6. छुट्टी और अवकाश यात्रा रियायत भत्ता

वार्षिक अवकाश	वर्ष में 60 दिन
आकस्मिक अवकाश	वर्ष में 20 दिन: एक बार में 10 दिन से अधिक नहीं

कमीशन प्राप्त करने के एक वर्ष बाद जब भी अधिकारी वार्षिक आकस्मिक अवकाश लेगे वे तथा उनके परिवार के सदस्य मृत्यु सवारी के हकदार होंगे चाहे अवकाश की अवधि कुछ भी क्यों न हो। जनवरी 1971 से प्रारम्भ होने वाले दो वर्षों के क्लाइम में

एक बार अधिकारी अपने इयूटी स्थान (यूनिट) से घर तक आने के लिए निःशुल्क सवारी वाहन के हकदार होंगे। जिस वर्ष इस रियायत का उपयोग नहीं किया जायेगा तो उस वर्ष उसे पत्नी सहित 1450 कि. मी. के रास्ते के लिए आने और जाने दोनों तरफ की सुविधा पाने का हक होगा।

इसके अतिरिक्त उड़ान शाखा के अधिकारियों को जो प्राथमिक रथापना में रिक्तियों को भरने के लिए नियमित उड़ान इयूटी पर तैनात होते हैं, अवकाश लेने पर वर्ष में एक बार वारंट पर अपने, पत्नी तथा आश्रित बच्चों की वास्तविक प्रत्येक ओर से 1450 कि. मी. की दूरी को तय करने के लिए रेल द्वारा उपयुक्त क्लास में मुफ्त यात्रा करने की सुविधा होगी।

जो अधिकारी छुट्टी लेकर अपने स्वयं से यात्रा करने के इच्छुक हैं वे क्लेण्डर वर्ष में तीन बार पत्नी तथा बच्चों के रेल द्वारा प्रथम श्रेणी के किराये का 60 प्रतिशत भुगतान करके यात्रा करने के हकदार होंगे इसमें एक बार पूरे परिवार के साथ यात्रा की सुविधा दी जाएगी। परिवार में पत्नी तथा बच्चों के अलावा अधिकारी, पर पूर्णतया आश्रित माता-पिता, बहन और नाबालिग भाई शामिल होंगे।

7. पेंशन लाभ

सेवा-निवृत्ति पेंशन : सेवा-निवृत्ति पेंशन के लिए अपेक्षित अर्हक सेवा की कम से कम अवधि 20 वर्ष लाभ के बिना है। सेवा-निवृत्ति पेंशन अधिकारी द्वारा उसकी सेवा के अन्तिम 10 महीनों के बरान प्राप्त (बसेन, रैंक बसेन और प्रीक्टिस बंदी भत्ता, यदि कोई हो) की गई उन परिलब्धियों की औसत के 50 प्रतिशत के हिसाब से परिकलित की जाएगी, जो पेंशन के मामले में संगणनीय है। इस प्रकार निर्धारित की गई राशि अधिकतम 4,500/- रुपये प्रतिमाह होगी और यह राशि संगणनीय अर्हक सेवा के 33 वर्ष (अर्थात् की गई वास्तविक सेवा तथा स्वीकार्य वर्षों का सेवा लाभ) के लिए सेवा-निवृत्ति, पेंशन होगी। संगणनीय अर्हक सेवा के कम वर्षों के मामले में यह राशि अनुपात के हिसाब से कम होती जाएगी और सेवा-निवृत्ति पेंशन किसी भी मामले में 375/- रुपये प्रतिमाह से कम नहीं होगी।

8. सेवा-निवृत्ति उपदान

सेवा-निवृत्ति उपदान :—सेवा-निवृत्ति उपदान के लिए अर्हक सेवा की कम से कम अवधि (लाभ के बिना) 10 वर्ष है। सेवा-निवृत्ति उपदान अर्हक सेवा की प्रत्येक छः महीने की अवधि पूरी करने पर आधे महीने की परिलब्धियों की एक समान वर के हिसाब से स्वीकार्य होगा। इस प्रयोजन के लिए परिलब्धियों में अधिकारी द्वारा लिया गया अन्तिम बसेन रैंक बसेन और प्रीक्टिस बंदी भत्ता (यदि कोई हो) शामिल होगा।

पेंशन या उपदान के अतिरिक्त, प्रत्येक छः महीने की अवधि की अर्हक सेवा के लिए तथा 5 वर्ष का लाभ परिलब्धियों के आधार के बराबर मृत्यु और सेवा-निवृत्ति उपदान दिये हैं। जो कि परिलब्धियों का 16½ गुणा होगा और 1 लाख से अधिक नहीं होगा। सेवा में रहते हुए मृत्यु हो जाने पर मृत्यु और निवृत्ति उपदान इस प्रकार से होंगे:—

(क) सेवा के पहले वर्ष यदि मृत्यु हो जाए तो वे महीने के बसेन।

- (ख) पहले वर्ष की सेवा के बाद किन्तु पांच वर्ष की सेवा से पहले यदि मृत्यु हो जाए तो छः महीने का वेतन ।
- (ग) पांच वर्ष की सेवा के बाद किन्तु 20 वर्ष की सेवा पूरी करने से पहले यदि मृत्यु हो जाए तो कम से कम 12 महीने का वेतन ।
- (घ) 20 वर्ष के बाद अथवा इससे भी अधिक वर्ष के बाद यदि मृत्यु हो जाए तो कम से कम 12 महीने का वेतन और अधिक से अधिक 33 महीने का वेतन इस दस्त पर देय होगा कि किसी मामले पर भी मृत्यु और निवृत्ति उपदान की राशि एक लाख रुपये से अधिक नहीं होगी ।

विवलांगता पेंशन और विशेष परिवार पेंशन एवार्ड जिसमें बच्चों और आश्रितों (माता-पिता, बहन तथा भाई) को पेंशन देना भी शामिल है, निर्धारित नियमों के अनुसार भी देय हैं ।

9. अन्य सुविधाएं

अधिकारी गण तथा उनके परिवार के सदस्य निःशुल्क चिकित्सा सहायता, रियायती किराये पर आवास, ग्रुप बीमा योजना, ग्रुप आवास योजना, परिवार सहायता योजना, कैंटीन सुविधाएं आदि के हकदार हैं ।

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 27th April 1988

No. 44/88/SCA (General)—In pursuance of Rule 4 of Order II of the Supreme Court Rules, 1966 (as amended) the Hon'ble Chief Justice of India has directed that the Supreme Court will be closed for the Annual Summer Vacation from Thursday, May 12, 1988 to Saturday July 9, 1988 (both days inclusive) and will reopen on Monday, July 11, 1988.

Under Rule 6 Order II of the Supreme Court Rules, 1966 (as amended) the Hon'ble Chief Justice of India has nominated Hon'ble Mr. Justice K. N. Singh and Hon'ble Mr. Justice N. D. Ojha to be Vacation Judges to hear matters of an urgent nature, which under the above Rules may be heard by a Judge sitting singly, during the period shown against their names below :—

Hon'ble Mr. Justice K. N. Singh
from May 12 to June 10, 1988.
Hon'ble Mr. Justice N. D. Ojha
from June 11 to July 9, 1988.

Hon'ble Mr. Justice K. N. Singh will sit in the Court on Mondays, May 23 and June 6, 1988 and Hon'ble Mr. Justice N. D. Ojha will sit in the Court on Monday, June 20 and July 4, 1988. Sitting will, however, continue on the following working day if matters fixed for any day are not finished on that day.

During Summer Vacation, the officers of the Court will remain opened daily from 10.00 a.m. to 4.30 p.m. except on Saturday, holidays and Sundays. The Offices of the Court will however, remain open on Saturday, July 9, 1988 from 10.00 a.m. to 1.00 p.m.

H. S. MUNJRAL
Registrar (Admn.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 18th March 1988

No. A. 32014/1/88(i) Admn. I.—The President is Pleased to appoint the following Senior Personal Assistants (Grade B of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission as Private Secretary (Grade A of CSSS) in the same cadre on *ad hoc* basis for the period as indicated below against their names or until further orders, whichever is earlier :—

Sl. No.	Name	Period
	(S/Shri)	
1.	Tarsame Singh	13-88 to 31-5-88
2.	K. S. Bhutani	do.
3.	P. P. Sikka	do.
4.	M. M. L. Chandna	do.
5.	M. M. L. Dua	do.
6.	Jatinder Lal	do.
7.	T. R. Sharma	

2. The above-mentioned persons should note that their appointments as Private Secretary (Grade A of CSSS) is on *ad hoc* basis and will not confer on them any title for absorption in Grade—A of CSSS or seniority in that Grade. Further, their appointment to the aforesaid grade will not be a case of promotion as the pay scale of Grade A and B of CSSS stand merged in a single revised pay scale of Rs. 2000—3500 w.e.f. 1-1-1986.
5—56GI/88

No. A. 32014/1/88(ii) Admn. I.—The President is pleased to appoint the undermentioned Personal Assistants of the CSSS cadre of Union Public Service Commission as Senior Personal Assistants (Grade B of CSSS) in the same cadre on *ad hoc* basis for the period as indicated below against their names or until further orders, whichever is earlier :

Sl. No.	Name	Period
	(S/Shri)	
1.	Smt. Saroj K. Kapoor	2-3-88 to 31-5-88
2.	Lekh Raj Gupta	—do—

2. The above-mentioned persons should note that their appointments as Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) is on *ad hoc* basis and will not confer on them any title for absorption in Grade 'B' of CSSS or for seniority in that Grade.

The 30th March 1988

No. A-38011/3/87-Admn.I.—The President is pleased to permit Shri N. R. Mehra, a permanent Section Officer of the CSS Cadre of the UPSC and working as Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission, to retire from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 31st March, 1988.

K. L. SURI, Under Secy.
Union Public Service Commission

ENFORCEMENT DIRECTORATE**FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT**

New Delhi-3, the March 1988

No. A-11/2/78.—Director of Enforcement hereby appoints Shri M. L. Acharya, in this Directorate to officiate as Chief Enforcement Officer on *ad hoc* basis in Bombay zonal office of this Directorate with effect from 29-1-88 for a period of six months or until further orders which-over is earlier.

BEHARI LAL
Deputy Director (Admn.)
for Director

New Delhi-3, the 14th March 1988

No. A-11/5/88.—Deputy Director of Enforcement hereby appoints Shri K. Sudesh Kumar in this Directorate to officiate as Enforcement Officer, on *ad hoc* basis in Goa, sub-zonal office of this Directorate with effect from 22-2-88 (FN) for a period of six months or until further orders whichever is earlier.

No. A-11/6/88.—Deputy Director of Enforcement hereby appoints Shri F. Kader Mydeen in this Directorate to officiate as Enforcement Officer on *ad hoc* basis in Hyderabad Field Unit of this Directorate with effect from 29-2-88 for period of six months or until further orders whichever is earlier.

No. A-11/8/88.—Deputy Director of Enforcement hereby appoints Shri A. Chattopadhyay in this Directorate to officiate as Enforcement Officer on *ad hoc* basis in Calcutta zonal office of this Directorate with effect from 1-2-88 (FN) for a period of six months or until further orders which-ever is earlier.

No. A-11/12/88.—Deputy Director of Enforcement hereby appoints Shri C. R. Vijayan Nair in this Directorate to officiate as Enforcement Officer on ad-hoc basis in Bombay II zonal office of this Directorate with effect from 29-1-88 for a period of six months or until further orders whichever is earlier.

SMT. M. THOMAS
Chief Enforcement Officer (Admn.)
For Dy. Dir. (Admn.)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
SARDAR VALLABHBHAI PATEL NATIONAL POLICE
ACADEMY

Hyderabad-500 252, the 19th March 1988

No. 15011/13/88-Estt.—On transfer on deputation from Government of West Bengal Judicial Department, Shri P. R. Maji, Sub-Divisional Judicial Magistrate, Ranaghat Nadia West Bengal assumed charge of the post of Assistant Director (Law) in the SVP National Police, Academy, Hyderabad in the forenoon of 10th of March, 1988.

He will be on deputation in this Academy for a period of three years from the date of his joining and will draw his pay and allowances in the scale of pay of Rs. 3700-125-4700-150-5000/- per month after adding Rs. 150/- per month to the grade of Judicial Officer.

A. A. ALI
Director.

DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110003, the 8th April 1988

No. O-II-2359/87-Estt.—Consequent on his appointment as Director General, CRPF, Shri P. G. Halarnkar, IPS (KTK-1956) handed over charge of the post of Additional Director General, CRPF in the afternoon of 31st March, 1988.

KISHAN LAL
Deputy Director (Estt.)

New Delhi-110003, the 8th April 1988

No. O-II-2440/88-Estt-I.—The President is pleased to appoint Dr. (Miss) Sanghamitra Das as General Duty Officer Grade-II (Deputy Superintendent of Police/Company Commander) in the CRP Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 9th March 1988 till further orders.

The 11th April 1988

No. O-II-2444/88 Estt-I.—The President is pleased to appoint on deputation Shri Tilak Kak, an IPS Officer of UP Cadre as Deputy Inspector General in Central Reserve Police Force on tenure deputation basis for a period of five years.

2. Shri Tilak Kak took over charge of the post of Deputy Inspector General of Police, Central Reserve Police Force in the afternoon of 29th March, 1988.

The 13th April 1988

No. D.I.-49/87-Estt-I.—The services of Shri N. G. Subramania, Assistant Commandant of this organisation are placed at the disposal of Indian Oil Corporation on his selection as Senior Vigilance Officer on deputation basis with effect from the forenoon of 4th April, 1988

BHOLA NATH
Assistant Director (Estt.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
CENTRAL REVENUES-I

New Delhi, the 15th April 1988

No. Admn.I/O.O.No. 12.—The Director of Audit, Central Revenues-I hereby appoints the undermentioned officiating Audit Officers of this office, in a substantive capacity against permanent post of Audit Officer in the time scales of Rs. 2375-3500/- from the dates shown against each:

1. Shri H. C. G. over, 7-3-1988.
2. Shri R. J. Chhabra, 1-4-1988.

Sd/-
ILLEGIBLE
Dy. Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT)-I
GUJARAT

Ahmedabad-380 001, the 13th April 1988

No. Estt(A)/60/3(37)71.—The Accountant General (Audit) I, Gujarat, Ahmedabad is pleased to appoint the following Assistant Audit officer to officiate as Audit Officer in the Office of the Accountant General (Audit) Gujarat, at Ahmedabad with effect from the date shown against his name until further orders.

1. Shri K. C. Simon, 4-4-1988 F/N.

The above promotion is made on ad hoc basis and is subject to the final outcome of the Special Civil Applications No. 735 of 1980 and No. 388 of 1984 filed in the Honourable High Court of Gujarat and pending before the Central Administrative Tribunal, Ahmedabad.

Sd/-
ILLEGIBLE
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&F) I
MADHYA PRADESH

Gwalior, the 11th April 1988

No. Admn.J/GOs-prom/FN.65/44.—Accountant General (A&F) I, M. P. Gwalior has promoted Shri J. R. Bhatia, officiating Assistant Accounts Officer (02/508) as Accounts Officer in an officiating capacity until further orders in the scale Rs. 2375-75-3200-E.B.-100-3500/- wef 18-1-1988 Forenoon on proforma basis.

NIRANJAN PANT
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)
(Authority:—A.G. (A&F)I's orders dated 11-3-88).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E),
WEST BENGAL

Calcutta-700 001, the 8th April 1988

No. Admn.I/1255-I/75-76.—The Pr. Accountant General (A&E), West Bengal has been pleased to place the following Assistant Accounts Officers in Group B Gazetted in terms of G.I.M.F. (DE) Notification No. S.O. 136 dated 4-1-1988 published in the Gazette of India [Part II, Section 3, Sub-section (iii) dated 16-1-1988 circulated under Head Quarters letter No. 109/110-N2/119-87 dated 5-2-88]:

Sl. No. and Name

S/Shri

1. Debidas Sarkar
2. Dilip Kr. Roy III
3. Sushil Kr. Basak
4. Shyamsundar Mitra
5. Probbhat Kr. Basu
6. Ashoke Kr. Mukherjee II

Sl. No., S/Shri

7. Asit Kr. Sarkar II
8. Sushil Kr. Mukherjee II
9. Ashish Kr. Ghosh II
10. Sambhunath Sen
11. Gobindalal Ghosh I
12. Ujjal Nandy
13. Smt. Nandita Chakraborty
14. Benoy Kr. Pal
15. Hriday Nath Hazra
16. Subhas Ch. Roy II
17. Gourhari Naskar
18. Satyanarayan Bose
19. Gouranga Kr. Das
20. Gopal Ch. Halder
21. Arun Kanti Banerjee
22. Ajoy Kr. Sen
23. Anil Kr. Das
24. Gopiballav Naskar
25. Sankar Prasad Roy
26. Nema Charan Seal
27. Shyamal Kr. Halder
28. Ranjit Kr. Ghosh
29. Arabinda Kr. Basu
30. Alope Ranjan Pal
31. Samir Kanti Chakraborty
32. Krishnananda Pal
33. Sushil Kr. Saha
34. Samarendra Chatterjee
35. Smt. Kamal Bagchi I
36. Giraja Sankar Sen
37. Subodh Kr. Banerjee
38. Nisith Ranjan Datta
39. Nitya Ranjan Mandal
40. Mahadev Roy
41. Prafulla Kr. Bhattacharjee.
42. Anil Baran Majumdar
43. Salil Kr. Basu
44. Sankar Kr. Basu
45. Satyanarayan Pal
46. Keshab Ganguly
47. Samar Kr. Bandopadhyay
48. Susanta Kr. Pal
49. Smt. Panchali Sarkar (Guha)
50. Mihir Kanti Majumdar
51. Hirendranath Mukherjee
52. Nirmal Kanti Sarkar
53. Ranjit Kr. Dawn
54. Kalyan Kr. Mitra II
55. Asit Kr. Das
56. Sambhu Nath Thakur
57. Nabakishore Ruidas
58. Arundeb Bandyopadhyay
59. Sudhir Kr. Sil
60. Tapan Kr. Datta II
61. Samiran Das, II
62. Tapabrata Bhar
63. Timir Baran Roy Choudhury
64. Bidyut Kr. Gayen
65. Gurudas Majumdar
66. Saradindu Ghosh
67. Ranjit Kr. Saha
68. Ashim Kr. Bhattacharya
69. Tapas Kanti Basu
70. Swapan Kr. Ghosh IV
71. Taraknath Santra

72. Chandicharan Bhattacharya
73. Krishnapada Ghosh
74. Asit Ranjan Bal
75. Nirmal Kr. Biswas
76. Parthasarathi Sen
77. Parimal Chandra Choudhury
78. Smarajit Kr. Sinha
79. Dulal Chandra Saha
80. Rabindranath Samanta
81. Harapada De
82. Digbijoy Choudhury
83. Kashinath Halder II
84. Moloy Kr. Biswas
85. Prabir Kr. Biswas
86. Probhat Ganguly II
87. Nanigopal Das II
88. Prakash Ch. Basu.

No. Admn.I/1038-XXI/3082.—Pr. Accountant General (A&E), West Bengal, has been pleased to appoint on ad-hoc and provisional basis Sri Sushil Kumar Basak, Asstt. Accounts Officer to officiate as Accounts Officer in temporary and officiating capacity with effect from the forenoon of the 23-3-1988 or the date which he actually takes over charge as Accounts Officer in this office whichever is later and until further orders.

It shall be clearly understood that the foresaid promotion in the cadre of Accounts Officer is purely provisional during pendency of the Rule in the Calcutta High Court case and will be subject to final decision of the court case filed against the Union of India and others under C.R. case No. 14818 (W) of 1979.

The newly promoted Accounts Officer will have to exercise option within one month of the date of issue of this order/ assumption of charge whether on promotion his pay shall first be fixed under FR.22(C) and in case he exercises option in terms of para 2(b) of OM dt. 26-9-81 within the prescribed period of one month, his pay will be fixed under FR.22 (a)(i) with effect from the date of his promotion and then under FR22(c) only with effect from the date of next increment in the feeder post.

P. K. GHOSH
Sr. Dy. Accountant General (Admn)

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 13th April 1988

No. 3/G. 88.—Shri V. C. Bhatia, Asstt. Director (Permt. & Subst. Assistant foreman) OEF HQs, Kanpur voluntarily retired from service with effect from 15-1-1988 (A/N).

M. A. ALAHAN
Jt. Director/G.
for Director General, Ordnance Factories

Calcutta, the 4th April 1988

No. 16/88/A/E-1(NG).—On attaining the age of superannuation, Shri Debabrata Roy, Offg. Assistant Staff Officer (Substantive and Permanent Asstt.) retired from service with effect from 31-3-88 (A/N).

2 Shri Roy has been transferred to the Pension Establishment with effect from the same date.

S. DASGUPTA
DDGOF/ADMIN.
for Director General, Ordnance Factories

Calcutta, the 4th April 1988

No. 7, G. 88.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri K. K. Bhadra, Offg. Dy. Director (Subst. & Permt. Foreman) retired from service with effect from 31st March 1988.

M. A. ALAHAN
Jt. Director/G

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA
(KHAN VIBHAG)

(GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA)

* Calcutta-700 016, the 8th April 1988.

No. 2322B/A-32013/J-Dirt(Geol.)/84-19-A.—The President is pleased to grant Shri P. K. Guha Roy, Geologist (Senior), Geological Survey of India who was on deputation with the Government of West Bengal proforma promotion to the post of the Director (Geology) in the Geological Survey of India in the scale of pay of Rs. 3700-125-4700-150-5000/- with effect from 12-6-87, under the 'Next Below Rule'.

D. K. GUPTA,
Deputy Director (Personnel),
for Director General

Calcutta-16, the 7th April 1988

No. 227(B/A-32013(2-DG)/82-19B.—The President is pleased to appoint Shri B. S. R. Murty, Geophysicist (Sr.) GSI, on promotion to the post of Director (Geophysics) in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 3700-125-4700-150-5000/- in officiating capacity with effect from the F.N. of 6-1-88, until further orders.

D. K. GUPTA,
Dy. Director (General)

(INDIAN BUREAU OF MINES)

Nagpur, the 11th April 1988

No. A-19011/194/76-Fs I.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri R. M. Umathay, Senior Mining Geologist, Indian Bureau of Mines has been promoted to officiate in the post of Regional Mining Geologist in the Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 28th March, 1988.

G. C. SHARMA,
Asst. Administrative Officer
for Controller General

ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

New Delhi-110011, the 13th April 1988

No. 11, 2-88-M.—In exercise of powers conferred under rule 6 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Rule, 1959, I. M. C. Joshi, Joint Director General hereby direct that no fee shall be charged for entry into the archaeological monuments specified in second schedule to the said Rules on 18-4-88 on the occasion of World Heritage Day celebrations.

M. C. JOSHI,
Jt. Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES
(M. H. SECTION)

New Delhi, the 3rd March 1988

No. A. 12026/14/87-MH.—The Director General of Health Services is pleased to appoint the following officers to the post of Stenographer Grade-I in the Safdarjung Hospital, New Delhi with effect from 27th January, 1988 (Forenoon) on ad hoc basis :—

1. Shri Ved Barat
2. Shri H. B. Balodhi
3. Shri B. S. Gulati
4. Shri O. P. Oberoi

R. S. RAO,

Dy. Director Administration (CGHS-II)

New Delhi, the 12th April 1988

No. A. 12025/15/82-Admn.I/PH(CDL).—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. R. C. Srivastava, in a substantive capacity to the permanent post of Assistant Research Officer (Biologist) at All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta with effect from 1-3-1988.

CORRIGENDUM

Subject : Selection of a candidate for appointment as
Public Relation Officer at NMEP, Delhi.

No. A.12026/2/86-NMEP/PH (CDL).—In this Directorate's Notification No. A.12026/2/86-NMEP/PH (CDL), dated 3-3-1988 on the subject mentioned above, the pay scale of the post may be corrected to read as follows :

For	Read
1. The scale of pay of the post is Rs. 3000-4500/-	The scale of the post is Rs. 2200-4000/-

(Smt) JESSIE FRANCIS
Dy. Director Admn. (PH)

MINISTRY OF AGRICULTURE & RURAL
DEVELOPMENT

(DEPARTMENT OF AGRICULTURE AND
CO-OPERATION)

DIRECTORATE OF PLANT PROTECTION,
QUARANTINE & STORAGE

Faridabad, the 12th April 1988

No. 7-67/67-Adm. I.—The Plant Protection Adviser to the Government of India has appointed Shri Dharam Pal Singh of this Directorate as Assistant Plant Pathologist at Plant Quarantine & Fumigation Station, Tuticorin in the pay scale of Rs. 2000-60-2300-FB-75-3200-100-3500/- w.e.f. the forenoon of 14-03-1988 on regular temporary basis, until further orders.

No. 7-93/73-Adm. I (Vol. II).—The Plant Protection Adviser to the Government of India has appointed Shri Vijay Krishan Sharma of this Directorate as Assistant Entomologist at Plant Quarantine & Fumigation Station, Bombay in the pay scale of Rs. 2000-60-2300-FB-75-3200-100-3500 w.e.f. the forenoon of 1-2-1988 on regular temporary basis, until further orders.

S. P. KUTAR,
Chief Administrative Officer

**DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES**

Bombay-400 085, the 4th April 1988

No. DPS/41/14/85-Adm/6740.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri G. K. Pillai a permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer, on an ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 from 18-01-88 (FN) to 08-03-88 (AN) in the same Directorate Shri B. Dhandapani, Assistant Stores Officer granted leave.

B. G. KULKARNI,
Administrative Officer

(NUCLEAR FUEL COMPLEX)

Hyderabad, the 4th April 1988

No. NFC/PAR/0704/438.—Further to this office Notification No. NFC/PAR/0704/338 dated March 15, 1988 the appointment of Smt. A. Rama Devi, Steno Sr. as Assistant Personnel Officer in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200 on ad hoc basis is extended up to 28-4-88 or until further orders, whichever is earlier.

The 6th April 1988

No. NFC/PAR/0704/0441.—Dy. Chief Executive (A), NFC appoints Shri V. V. Rami Reddy, Jr. Steno to officiate as Asstt. Personnel Officer in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200 on ad hoc basis from 16-3-1988 to 14-5-1988 or until further orders whichever is earlier.

N. V. RAMANAN
Manager, Personnel & Administration

OFFICE OF THE DIRECTORATE GENERAL OF

CIVIL AVIATION

New Delhi, the 30th March 1988

No. A. 32013/4/88-E.I.—The President is pleased to appoint Shri R. C. Gupta, Senior Scientific Officer to the grade of Deputy Director (Research & Development) in the Civil Aviation Department on ad hoc basis for a period of six months w.e.f. 22-3-1988 (FN) or the date on which the post is filled in regular basis whichever is earlier.

M. BHATTACHARJEE,
Dy. Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 15th March 1988

No. A-19011 16/86-EH(A).—On attaining the age of superannuation Shri J. N. Jetly, Assistant Director (Planning) on deputation to National Airports Authority stands retired from this office with effect from 29-2-88.

M. BHATTACHARJEE
Dy. Director (Administration)

CENTRAL EXCISE & CUSTOMS COLLECTORATE

Vadodra, the 11th April 1988

No. 6/1988.—Shri B. M. Patel, Superintendent Group 'B' Customs Division, Surat on attaining the age of 58 years on 23-3-88, is retired on superannuation in the afternoon of 31-3-1988.

SMT. VARALAKSHMI BAJAMANICKAM,
Collector of Customs & Central Excise
Vadodra

**DIRECTORATE GENERAL OF WORKS
(CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT)**

New Delhi, the 7th April 1988

No. 32/3/85-EC-II.—On their attaining the age of superannuation the following Officers of Central Public Works Department belonging to CEand MES Group 'A' and working as Executive Engineer (Civil) and (Elect.) in the office mentioned against each have retired from Government Service with effect from the date indicated against their names :—

Sl. No.	Name of Officer	Date of retirement	Last posting station and designation
1	2	3	4
S/Shri			
1.	Jaswant Singh, EE (C)	31-12-87 (AN)	EE P.W.D. Division II (DA) New Delhi.
2.	H. P. Khanduri, EE (C)	31-12-87 (AN)	EE Food Storage Division Kanpur.
3.	B. R. Gupta, EE (C)	31-1-88 (AN)	EE (H Q) SSW. (NDZ) New Delhi.
4.	L. V. Gehani, EE(C)	29-2-88 (AN)	EE Construction Division I, New Delhi.
5.	D. D. Passi, EE (E)	31-12-87 (AN)	EE (Elect). Division No. 10, New Delhi.
6.	K. K. Gupta, EE (E)	31-1-88 (AN)	EE (Elect). Elect. Division, 3, New Delhi.

S. M. DAS

Dy. Director, of Admn. (I)

MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANIES AFFAIRS)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Bhutani Overseas (P) Ltd.*

New Delhi, the 4th April 1988

No. 4214/9029.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Bhutani Overseas (P) Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Bhardwaj Architects (P) Limited*

New Delhi, the 4th April 1988

No. 4227/9026.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Bhardwaj Architects (P) Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

B. M. ANAND
Asstt. Registrar of Companies
Delhi & Haryana

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I/II

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd March 1988

Ref. No. P.R. 4777 Acq. 23-II/87-88.—Whereas I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. G.I.D.C. Plot No. 439, Makarpura G.I.D.C. Estate Vadodara adm. 6438.20 sq. mt. plus shed (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on August, 1987 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Patel Bright Brass and Engineering Works,
439, G.I.D.C. Industrial Estate, Makarpura,
Vadodara-390010. (Transferor)
- (2) Shri Dinesh Mills Ltd.,
Padra Road,
Vadodara-390 005. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G.I.D.C. Plot No. 439, Makarpura, G.I.D.C. Vadodara adm. 6438.20 sq. mt. plus shed, Vadodara, R. No. 2449/21-08-87.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Ahmedabad

Date : 22-03-88
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd March 1988

Ref. No. P.R. 4524 Acq. 23-1/87-88.—Whereas I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Ahmedabad T.P.S. 4, F.P. No. 96 paikiee S.P. No. 3-4 land adm. 1344 sq. yds. plus building (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ahmedabad on August, 1987 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Gurubaxsingh Karamsingh
8, Sunrise Park,
Opp. Drive in Cinema,
Ahmedabad. (Transferor)
- (2) 'Krushna' Non Trading Corporation,
Chairman Shri Sailesh Ghanshyambhai,
'Krushnakunj', Kashmir Society,
Paldi, Ahmedabad. (Transferee)
- (3) Hardevsing Gurubaxsingh,
Ujjawalsing Gurubaxsingh,
8, Sunrise Park,
Opp. Drive in Cinema
Ahmedabad. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ahmedabad T.P.S. 4, F.P. No. 96 paikiee, S.P. No. 3-4, land adm. 1344 sq. yd. plus building. R. No. 10480 dated August 1987.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Ahmedabad

Dt. 23-03-88
Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

COMBINED DEFENCE SERVICES EXAMINATION,
OCTOBER, 1988

New Delhi, the 7th May 1988

F. 8/2/88-F.I.(B).—A Combined Defence Services Examination will be held by the Union Public Service Commission commencing on 22nd October, 1988 for admission to the undermentioned courses :—

Name of the Course and Approximate No. of Vacancies

- | | |
|---|--------|
| 1. Indian Military Academy, Dehra Dun (87th Course commencing in July 1989) includes 32* vacancies reserved for NCC 'C' Certificate (Army Wing) holders]. | 150* @ |
| 2. Naval Academy, Goa (Course commencing in July, 1989.) | 44* |
| (a) General Service
[Including 6 reserved for NCC 'C' Certificate (Naval Wing) holders] | |
| (b) Naval-Aviation. | 33* |
| 3. Air Force Station, Begumpet, Secunderabad [Pre-Flying Training Course commencing in July, 1989 i.e. No. 146th F(P) Course]. | 50* |
| 4. Officers' Training Academy, Madras [50th SSC Course commencing in October, 1989]. | 262* @ |

*The above numbers are liable to alteration.

@This includes training wastages.

N.B. (i) (a).—A candidate is required to specify clearly in col. 9 of the Applicable Form the Services for which the wishes to be considered in the order of his preference. He is also advised to indicate as many preferences as he wishes to subject to the condition given at para (b) below, so that having regard to his rank in the order of merit due consideration can be given to his preferences when making appointment.

(b) If two or more courses/services are being opted for then OTA will be the last choice. OTA can be the first preference only if it is the one and only choice.

(c) Candidates should note that, except as provided in N.B. (ii) below, they will be considered for appointment to those courses only for which they exercise their preference and for no other course(s).

(d) No request for addition/alteration in the preferences already indicated by a candidate in his application will be entertained by the Commission.

N.B. (ii).—The left-over candidates of IMA/Naval Academy Air Force Academy Course for grant of Permanent Commission of this examination may be considered for grant of SSC even if they have not indicated their choice for this course in their applications, if they are subsequently willing to be considered for this Course, subject to the following conditions :—

- There is a shortfall after detailing all the candidates who competed for the SSC Course; and
- The candidates who are detailed for training even though they have not expressed their preference for SSC will be placed in the order of Merit List after the last candidate who had opted for this Course, as these candidates will be getting admission to the Course to which they are not entitled according to the preferences expressed by them.

NOTE I : NCC 'C' Certificate (Army Wing/Senior Division Air Wing/Naval Wing) holders may also complete for the vacancies in the Short Service Commission Course, but since there is no reservation of vacancies for them in this course, they will be treated as general candidates for the purpose of filling up vacancies in this Course. Candidates who have yet to pass NCC 'C' Certificate (Army Wing/Senior Division Air Wing/Naval Wing) examination, but are otherwise eligible to compete for the reserved vacancies, may also apply but they will be required to submit the proof of passing the NCC 'C' Certificate (Army Wing/Senior Division Air Wing/Naval Wing) examination to reach the Army HQ/Rtg. CDSE Entry, New Delhi-110022 in case of IMA/SSC first choice candidates and Naval HQ/R&R, Sena Bhawan, New Delhi-110011, in case of Navy first choice candidates and PO 3(A)/Air Headquarters, Wing 7, 1st Floor, West Block No. 6, Ramakrishna Puram, New Delhi-110066 in case of Air Force first choice candidates by 30th June, 1989.

To be eligible to compete for reserved vacancies the candidates should have served for not less than 2 academic years in the Senior Division Army Wing/3 academic years in the Senior Division Air Wing/Naval Wing of National Cadet Corps and should not have been discharged from the NCC for more than 24 months for IMA/Naval Academy/Air Force Academy Courses on the last date of receipt of applications in the Commission's office.

NOTE II : In the event of sufficient number of qualified NCC 'C' Certificate (Army Wing/Senior Division Air Wing/Naval Wing) holders not becoming available on the results of the examination to fill all the vacancies reserved for them in the Indian Military Academy Course/Air Force Academy Course/Naval Academy Course, the unfilled reserved vacancies shall be treated as unreserved and filled by general candidates.

Admission to the above courses will be made on the results of the written examination to be conducted by the Commission followed by intelligence and personality test by a Services Selection Board of candidates who qualify in the written examination. The details regarding the (a) scheme, standard and syllabus of the examination, (b) physical standards for admission to the Academy and (c) brief particulars of services etc. for candidates joining the Indian Military Academy, Naval Academy, Air Force Academy and Officers' Training Academy are given in Appendices I, II and III respectively.

2. CENTRES OF EXAMINATION.—Agartala, Ahmedabad, Aizawl, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cutack, Delhi, Dharwar, Dispur (Gauhati), Gangtok, Hyderabad, Imphal, Itanagar, Jaipur, Jammu, Jorhat, Kohima, Lucknow, Madras, Nagpur, Panaji (Goa), Patna, Port Blair, Raipur, Shillong, Shimla, Srinagar, Tirupati, Trivandrum, Udaipur and Vishakhapatnam.

THE CENTRE AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION, WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION. THE COMMISSION MAY AT THEIR DISCRETION ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME-TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION [See para 8(ii) below].

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one, he had indicated in his application form for the examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 22nd September, 1988 will not be entertained under any circumstances.

3. CONDITIONS OF ELIGIBILITY

(a) Nationality: A candidate must either be:—

- (i) a citizen of India, or
- (ii) a subject of Bhutan, or
- (iii) a subject of Nepal, or
- (iv) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
- (v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and East African countries of Kenya, Uganda, United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (ii), (iii), (iv) and (v) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibility will, however, not be necessary in the case of candidates who are Gorkha subjects of Nepal.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination provisionally subject to the necessary certificate being given to him by the Govt. before declaration of result by UPSC.

(b) Age limits, Sex and Marital Status:—

- (i) For IMA—Unmarried male candidates born not earlier than 2nd July, 1965 and not later than 1st July, 1970 only are eligible.
- (ii) For Naval and Air Force Academy—Unmarried male candidates born not earlier than 2nd July 1967 and not later than 1st July, 1970 are only eligible.
- (iii) For Officers' Training Academy—Male candidates (married or unmarried) born not earlier than 2nd July, 1964 and not later than 1st July 1970 are only eligible.

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University or in the Higher Secondary or an equivalent Examination Certificates. These Certificates are required to be submitted only after the declaration of the result of the written part of the examination.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases, a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificates, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

NOTE 1.—Candidates should note that only the date of birth as recorded in the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate on the date of submission of application will be accepted by the Commission and no subsequent request for its change will be considered or granted.

NOTE 2.—Candidates should also note that once a date of birth has been claimed by them and entered in the records of the Commission for the purpose of admission to an examination, no change will be allowed subsequently or at a subsequent examination.

6—56 G1/88

(c) Educational Qualifications:—

- (i) For I.M.A., and Officers' Training Academy—Degree of a recognised University or equivalent.
- (ii) For Naval Academy—B.Sc. with Physics & Mathematics or Bachelor of Engineering.
- (iii) For Air Force Academy—Degree of a recognised University or equivalent with Physics and/or Mathematics as subjects. Candidates who have passed their degree examination with subjects other than Physics and/or Mathematics as subjects are also eligible provided they have passed the Higher Secondary Examination (old pattern) or the 11th/12th standard Examination under the 10 + 2 pattern of school education or an equivalent examination, with Mathematics and Physics as subjects of the Examination.

Graduates with first choice as Navy/Air Force are to submit proof of graduation provisional certificates within two weeks of completion of SSB interview to Army HQ [Rtg. CLSE Entry] NHQ (R&R Section/Air HQ-PO3A respectively).

Candidates who have yet to pass the degree examination can also apply but they will be required to submit proof of passing the degree examination to reach the Army HQ/Rtg. CLSE Entry, New Delhi-110 022 in case of IMA/SSC first choice candidates and Naval HQ/R&R, Sena Bhawan, New Delhi-110 011 in case of Navy first choice candidates and PO3(A)/Air Headquarters, Wing No. 7, 1st Floor, West Block No. 6, Rama Krishna Puram, New Delhi-110 066 in case of Air Force first choice candidates by the following date failing which their candidature will stand cancelled:—

- (i) For admission to IMA, Naval and Air Force Academy on or before 30th June, 1989.
- (ii) For admission to Officers' Training Academy, Madras on or before 15th September, 1989.

Candidates possessing professional and technical qualifications which are recognised by Government as equivalent to professional and technical degrees would also be eligible for admission to the examination.

In exceptional cases the Commission may treat a candidate, who does not possess any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualification, the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

NOTE 1.—Those candidates who have yet to qualify in the Degree Examination and are allowed to appear in the UPSC Examination should note that this is only a special concession given to them. They are required to submit proof of passing the Degree examination by the prescribed date and no request for extending this date will be entertained on the grounds of late conduct of basic qualifying university Examination/delay in declaration of results or any other ground whatsoever.

NOTE 2.—Candidates who are debarred by the Ministry of Defence from holding any type of Commission in the Defence Services shall not be eligible for admission to the examination and if admitted their candidature will be cancelled.

4. FEE

(i) Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 28.00 (Rupees twenty-eight) through Central Recruitment Fee Stamps or crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or through crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch New Delhi.

NOTE 1. Central Recruitment Fee Stamps (Not Postage Stamps) may be obtained from the Post Office and affixed on the application form in the space

provided for the purpose. The stamps may be got cancelled from the issuing post office with the date stamp of the post office in such a manner that the impression of the cancellation stamp partially overflows on the application form itself. The impression of the cancellation stamp should be clear and distinct to facilitate identification of date and the post office of issue. *Postage stamps will in no case be acceptable in lieu of 'Central Recruitment Fee Stamps'.*

NOTE II.—Candidates should write their name and address on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the name and address should be written by the candidates on the reverse of the Postal Orders at the space provided for the purpose. Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to the account head "021 Public Service Commission-Examination Fees", and attach the receipt with the application. **APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER THE FOLLOWING PARAGRAPH.**

CANDIDATES BELONGING TO SCHEDULED CASTES/SCHEDULED TRIBES ARE NOT REQUIRED TO PAY ANY FEE.

(ii) The Commission may, at their discretion, remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1-1-1964 and 23-3-1971 or is a *bona fide* displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma who migrated to India on or after 1-6-1963 or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka who migrated to India on or after 1-11-1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.

(iii) A refund of Rs. 15/- (Rupee Fifteen) will be made to a candidate who had paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application is rejected on receipt of information that the candidate has failed in the degree examination or will not be able to submit the proof of passing the degree examination by the prescribed date, he will not be allowed refund to fee.

(iv) A refund of Rs. 28/- (Rupees Twenty-eight) will be allowed in the case of a candidate who took the Combined Defence Services Examination held in October, 1987 or May, 1988 and is recommended for admission to any of the courses on the results of these examinations provided his request for cancellation of candidature for the CDS Examination October, 1988 and refund of fee is received in the office of the Commission on or before 3rd April, 1989.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained except as provided above nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

5. HOW TO APPLY : A candidate seeking admission to Examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the application form published in the Employment News/Rozgar Samachar and leading daily Newspapers dated 7th May, 1988. The candidates may utilise in original the form published in the Newspapers or in "Employment News" filling up the columns in their own handwriting with ball-point pen. They may also use the application form and the attendance sheet neatly typewritten on white paper (fool-scrap size) in double space and typed on only one side of the paper. There is no objection to candidates using printed Application Form and Attendance sheet, if available from private agencies as long as the format is exactly the same as published in the Employment News/Rozgar Samachar and leading daily Newspapers dated 7th May, 1988. Candi-

dates should note that applications filled in on the format used for the previous examinations will not be considered. Candidates should note that they should appear in the Combined Defence Services Examination for all the papers in the examination on the same admission certificate and with the same Roll Number, even if they may have received more than one admission certificate from the Commission. The envelope containing the application should be superscribed in bold letters as "APPLICATION FOR COMBINED DEFENCE SERVICES EXAMINATION, OCTOBER, 1988."

(a) A candidate must send the following documents with his application :

- (i) Crossed Bank Draft/Indian Postal Order/Central Recruitment Fee Stamps or Indian Mission receipt for the prescribed fee (unless remission of fee is claimed).
- (ii) Attendance Sheet duly filled in.
- (iii) Two identical copies of recent passport size (5 cm x 7 cm approx.) photograph of the candidate—one pasted on the application form and the other on the Attendance Sheet in the space provided therein.
- (iv) One self-addressed post-card.
- (v) Three self-addressed unstamped envelopes of 11.5 cms. x 27.5 cms. size.

(b) Candidates should note that only International form of Indian numerals is to be used while filling up the application form. Even if the date of birth in the SSLC or its equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the candidate should ensure that while entering it in the Application Form he uses International form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

(c) All candidates, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application even if submitted to the employer before the closing date will not be considered.

Persons serving under the Public Enterprises are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department, that they have applied for this Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination their applications shall be rejected/candidates shall be cancelled.

Candidates serving in the Armed Forces must submit their applications through their Commanding Officer who will forward it to the Commission.

NOTE : APPLICATION NOT ACCOMPANIED BY THE PRESCRIBED FEE (UNLESS REMISSION OF FEE IS CLAIMED AS IN PARA 4 ABOVE) OR INCOMPLETE OR DEFECTIVE APPLICATIONS SHALL BE SUMMARILY REJECTED. NO REPRESENTATION OR CORRESPONDENCE REGARDING SUCH REJECTION SHALL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES. CANDIDATES ARE NOT REQUIRED TO SUBMIT ALONGWITH THEIR APPLICATIONS ANY CERTIFICATE IN SUPPORT OF THEIR CLAIMS REGARDING AGE, EDUCATIONAL QUALIFICATIONS, SCHEDULED CASTES AND SCHEDULED TRIBES AND FEE REMISSION ETC. THEY SHOULD THEREFORE, ENSURE THAT THEY FULFIL ALL THE ELIGIBILITY CONDITIONS FOR ADMISSION TO THE EXAMINATION. THEIR ADMISSION TO THE EXAMINATION WILL ALSO THEREFORE BE PURELY PROVISIONAL. IF ON VERIFICATION AT ANY LATER DATE IT IS FOUND THAT THEY DO NOT FULFIL ALL ELIGIBILITY CONDITIONS, THEIR CANDIDATURE WILL BE CANCELLED.

Candidates are advised to keep ready the following documents in original alongwith their attested copies soon after the declaration of the result of the Written part of the examination which is likely to be declared in the month of January, 1989 for submission to the Army HQ/Naval HQ/Air HQ as the case may be.

- (1) Matric/Higher Secondary School Certificate or its equivalent showing date of birth.
- (2) Degree/Provisional degree certificate/marks sheet showing clearly having passed degree examination and eligible for award of degree.

In the first instance all qualified candidates eligible for SSB interview will carry their original Matric/Hr. Secondary School Certificate with them while going to the Service Selection Centres for SSB interview as otherwise they shall not be allowed to appear for SSB interview. No relaxation for non-submission of original Matric/Hr. Secondary School Certificate at the Selection Centre is allowed. Candidates who do not carry with them their original Matric/Secondary School Certificate or its equivalent certificate will not be permitted to appear for their SSB test and interview and they will be sent back home at their own expenses.

If any of their claims is found to be incorrect/false/fraud/fabricated they may render themselves liable to disciplinary action by the Commission in terms of para 6 below :

6. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of :—

- (i) obtaining support for his candidature by any means; or
- (ii) impersonating; or
- (iii) procuring impersonation by any person; or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with; or
- (v) making statements which are incorrect or false or suppressing material information; or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination; or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examination; or
- (xi) violating any of the instructions issued to candidates alongwith their Admission Certificates permitting them to take the examination; or
- (xii) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period :—

- (i) by the Commission, from any examination or selection held by them; (ii) by the Central Government from any employment under them; and

- (c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that

7—56 G1/88

behalf, and (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

CANDIDATES MAY NOTE THAT THEY SHOULD NOT APPLY TO THE U.P.S.C. FOR APPLICATION FORM, RULES, SYLLABUS ETC. THE APPLICATION FORM PRINTED ALONGWITH THIS ADVERTISEMENT SHOULD BE USED AS EXPLAINED ABOVE.

7. LAST DATE FOR RECEIPT OF APPLICATIONS : The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 20th June, 1988 (4th July, 1988 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh division of J&K State, Lahaul & Spiti district and Pangti Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 20th June, 1988 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul & Spiti District and Pangti Sub-division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul & Spiti District and Pangti Sub-division of Chamba district of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 20th June, 1988.

NOTE : (i) Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State, etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time. (ii) Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the application delivered to any other functionary of the Commission.

NO APPLICATION RECEIVED AFTER THE PRESCRIBED DATE WILL BE CONSIDERED.

8. CORRESPONDENCE WITH THE COMMISSION ARMY/NAVAL/AIR HEADQUARTERS.

The Commission will not enter into any correspondence with the candidates about their candidature except in the following cases :—

- (i) Every application including late ones received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration No. is issued to the candidate in token of receipt of application. The fact that the Application Registration No. has been issued to the candidates does not ipso facto means that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

- (ii) Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result of the application will be communicated. But if a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply

with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

- (iii) Admission certificates, indicating the Roll Nos. will be issued to the candidates who are admitted to the examination and the Roll No. indicated therein will be the same as Application Registration No. already communicated to candidates in their Acknowledgement Cards.

No candidate will be admitted to the Examination unless he holds a certificate of admission to the Examination.

The mere fact that a certificate of admission to the Examination has been issued to a candidate will not imply that his candidature has been finally cleared by the Commission, or that the entries made by the candidate in his application for the Examination have been accepted by the Commission as true and correct.

- (iv) The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the Examination shall be final.
- (v) Candidates should note that the name in the Admission Certificate, in some cases, may be abbreviated due to technical reasons.
- (vi) A candidate must see that communication sent to him at the address stated in his application are re-directed, if necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the earliest opportunity. Although the Commission makes every effort to take account of such changes, they cannot accept any responsibility in the matter.

IMPORTANT: All communication to the Commission should invariably contain the following particulars:—

- (1) Name of the Examination.
- (2) Month and Year of Examination.
- (3) Application registration No./Roll No. (or the date of birth of candidate if the application Registration No./Roll Number has not been communicated).
- (4) Name of candidate in full and in Block Letters.
- (5) Postal Address as given in the application.

N.B. (i) Communications not containing the above particulars may not be attended to.

N.B. (ii) If a letter/communication is received from a candidate after an examination has been held and it does not give his full Name and Roll Number, it will be ignored and no action will be taken thereon.

N.B. (iii) Candidates recommended by the Commission for interview by the Services Selection Board who have changed their addresses subsequent to the submission of their applications of the examination should immediately after announcement of the result of the written part of the examination notify the changed address also to Army Headquarters A.G.'s Branch Rtd. CDSE Entry West Block 3, 2nd Floor, Wing 1, Ramakrishnapuram, New Delhi-110066. Failure to comply with this instruction will deprive the candidate of any claim to consideration in the event of his not receiving the summons letter for interview by the Services Selection Board.

Candidates whose names have been recommended for interview by the Services Selection Board, should address enquiries or requests, if any relating to their interview direct to the Army Headquarters, A.G.'s Branch Rtd. CDSE Entry (ii) West Block 3, 2nd Floor, Wing 1, Ramakrishnapuram, New Delhi-110066 in case of candidates having IMA or Navy or OTA as their first choice and PO3 (A) Air Headquarters, Wing No. 7, 1st Floor, West Block No. 6, Ramakrishnapuram, New Delhi-110066, in the case of candidates having Air Force as first choice.

Candidates are required to report for SSB interview on the date intimated to them in the call-up letter for interview. Request for postponing interview will only be considered in very genuine circumstances and that too if it is administratively convenient for which Army Headquarters/Air Headquarters will be the sole deciding authority.

N.B.—In case a candidate does not get the interview call for SSB interview for IMA by 1st week of April, 1989 and by 4th week of July, 1989 for OTA, he should write to Army Headquarters/Rtg CDSE Entry, West Block III, Ramakrishnapuram, New Delhi-110066 regarding non-receipt of the call-up letter.

- (vii) **Original Certificates—Submission of:** only those candidates who qualify in the SSB interview will be required to submit their original certificates along-with attested copies thereof in support of educational qualification at Service Selection Centre before SSB interview or to Army HQ Rtg. CDSE Entry New Delhi-110022, in case of IMA/SSC first choice candidates and Naval HQ/R&R, Sena Bhawan, New Delhi-110011; in case of the Navy first choice candidates and PO 3(A)/Air Headquarters, Wing No. 7, 1st Floor, West Block No. 6 Ramakrishnapuram New Delhi-110066, in case of Air Force first choice candidates within two weeks of completion of SSB interview and not later than 30th June, 1989 15th September, 1989 in case of SSC only. Certified true copies or photostat copies of the certificates will not be accepted in any case.

9. Announcement of the Results of the Written Examination, Interview of qualified candidates. Announcement of final results and admission to the trainings course of the finally qualified candidates.—The Union Public Service Commission shall prepare a list of candidates who obtain the minimum qualifying marks in the written examination as fixed by the Commission in their discretion. Such candidates shall appear before a Services Selection Board for Intelligence and Personality Test simultaneously for all the entries for which they have qualified.

Candidates who qualify in the written examination for IMA (D.E.) Course and or Navy (S.E.) Course and/or Air Force Academy Course irrespective of whether they have also qualified for SSC course or not will be detailed for SSB tests in March/April, 1989 and candidates who qualify for SSC Course only will be detailed for SSB tests in June/July, 1989.

Candidates will appear before the Services Selection Board and undergo the test there at their own risk and will not be entitled to claim any compensation or other relief from Government in respect of any injury which they may sustain in the course of or as a result of any of the tests given to them at the Services Selection Board whether due to the negligence of any person or otherwise. Candidates will be required to sign a certificate to this effect on the form appended to the application.

To be acceptable candidates should secure the minimum qualifying marks separately in (i) written examination and (ii) SSB tests as fixed by the Commission in their discretion. The candidates will be placed in the order of merit on the basis of the total marks secured by them in the written examination and in the SSB tests. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

Success at the examination confers no right of admission to the Indian Military Academy the Naval Academy, Air Force Academy or the Officers' Training Academy as the case may be. The final selection will be made in order of merit subject to medical fitness and suitability in all other respects and number of vacancies available.

NOTE: Every candidate for the Air Force and Naval Aviation is given Pilot Aptitude Test only once. The Grade secured by him at the first test will therefore hold good for every subsequent interview at the Air Force Selection Board. A candidate who fails in the first Pilot Aptitude Test cannot apply for admission for the F(P) Branch of the Indian Air Force and Naval Aviation.

10. Disqualification for Admission to the Training Course—

Candidates who were admitted to an earlier course at the National Defence Academy Indian Military Academy, Air Force Flying College, Naval Academy Cochin, Officers' Training Academy, Madras but were removed therefrom on

disciplinary grounds will not be considered for admission to the Indian Military Academy, Naval Academy, Air Force Academy or for grant of Short Service Commission in the Army.

Candidates who were previously withdrawn from the Indian Military Academy for lack of Officer-like qualities will not be admitted to the Indian Military Academy.

Candidates who were previously selected as Special Entry Naval Cadets but were withdrawn from the National Defence Academy or from Naval Training Establishments for lack of Officer like qualities will not be eligible for admission to the Indian Navy.

Candidates who were withdrawn from Indian Military Academy, Officers Training Academy, N.C.C. and Graduate Course for lack of Officer like qualities will not be considered for grant of Short Service Commission in the Army.

Candidates who were previously withdrawn from the NCC and Graduates Course for lack of Officer-like qualities will not be admitted to the Indian Military Academy.

11. *Restrictions on Marriage during Training in the Indian Military Academy or in the Naval Academy or in the Air Force Academy.* Candidates for the Indian Military Academy Course or Naval Academy Course or Air Force Academy Course must undertake not to marry until they complete their full training. A candidate who marries subsequent to the date of his application though successful at this or any subsequent examination will not be selected for training. A candidate who marries during training shall be discharged and will be liable to refund all expenditure incurred on him by the Government.

No candidate for the Short Service Commission Course—(a) who has entered into or contacted a marriage with a person having a spouse living or (b) who having a spouse living has entered into or contacted a marriage with any person shall be eligible for admission to the Officer's Training Academy/grant of Short Service Commission.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such persons and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

12. *Other restrictions during training in the Indian Military Academy or in the Naval Academy or in the Air Force Academy.*—After admission to the Indian Military Academy or the Naval Academy or the Air Force Academy candidates will not be considered for any other Commission. They will also not be permitted to appear for any interview or examination after they have been finally selected for training in the Indian Military Academy or the Naval Academy or the Air Force Academy. The candidates who resign from IMA/NA/AFA, may be considered for induction into OTA on their merits provided there is shortfall on that particular course.

13. The Union Public Service Commission have brought out a priced publication entitled "Candidates Manual for U.P.S.C. Objective Type Examination". This Publication is designed to be of assistance to prospective candidates of U.P.S.C. Examinations or Selections. The publication is on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. This can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal Opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001. and (ii) Sale counter of the Publications Branch at Udyog Bhavan, New Delhi-110011 and (iii) The Government of India Book Depot, 8 K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The Manual is also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

14. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

M. K. KRISHNAN
Deputy Secretary
Union Public Service Commission

APPENDIX I

(The scheme, standard and syllabus of the examination)

A. SCHEME OF THE EXAMINATION.

1. The Competitive examination comprises :—

(a) Written examination as shown in para 2 below :

(b) Interview for intelligence and personality test (*vide* Part 'B' of this Appendix) of such candidates as may be called for interview at one of the Services Selection Centres.

2. The subjects of the written examination the time allowed and the maximum marks allotted to each subject will be as follows :

(a) For Admission to Indian Military Academy

Subject	Duration	Maximum Marks
1. English	2 Hours	100
2. General Knowledge	2 Hours	100
3. Elementary Mathematics	2 Hours	100

(b) For Admission to Naval Academy

Subject	Time allowed	Maximum Marks
1. English	2 Hours	100
2. General Knowledge	2 Hours	100
3. Elementary Mathematics	2 Hours	100

(c) For Admission to Officers' Training Academy

Subject	Time Allowed	Maximum Marks
1. English	2 Hours	100
2. General Knowledge	2 Hours	100

(d) For Admission to Air Force Academy

Subject	Duration	Maximum Marks
1. English	2 Hours	100
2. General Knowledge	2 Hours	100
3. Elementary Mathematics	2 Hours	100

The maximum marks allotted to the written examination and to the Interview will be equal for each course i.e. the maximum marks allotted to the written examination and to the interviews will be 300. 300, 200 and 300 each for admission to the Indian Military Academy, Naval Academy, Officers' Training Academy and Air Force Academy.

3. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. THE QUESTION PAPERS (TEST BOOKLETS) WILL BE SET IN ENGLISH ONLY. THE "CANDIDATES INFORMATION MANUAL" CONTAINING DETAILS PERTAINING TO OBJECTIVE TYPE TESTS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS WILL BE SUPPLIED TO CANDIDATES ALONG WITH THE ADMISSION CERTIFICATE.

4. In the question papers, wherever necessary, questions involving the metric system of weights and Measures only will be set.

5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write answers for them.

6. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.

7. The candidates are not permitted to use calculator for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside the examination hall.

B. STANDARD AND SYLLABUS OF THE EXAMINATION.

STANDARD

The standard of the paper in Elementary Mathematics will be of Matriculation Examination.

The standard of papers in other subjects will approximately be such as may be expected of a graduate of an Indian University.

SYLLABUS

ENGLISH (Code No. 01)

The question paper will be designed to test the candidates understanding of English and workmanlike use of words.

GENERAL KNOWLEDGE (Code No. 02)

General knowledge including knowledge of current events and of such matters of everyday observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subject. The paper will also include question on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

ELEMENTARY MATHEMATICS (Code No. 03)

Arithmetic

Number System—Natural numbers, Integers, Rational and Real numbers. Fundamental operations—additions, subtraction, multiplication, division, Square roots. Decimal fractions.

Unitary method—time and distance, time and work, percentages—applications to simple and compound interest, profit and loss, Ratio and proportion variation.

Elementary Number Theory—Division algorithm, Prime and composite numbers. Tests of divisibility by 2, 3, 4, 5, 9 and 11 Multiplies and factors. Factorisation Theorem, H.C.F. and L.C.M. Euclidean algorithm.

Logarithms to base 10, laws of logarithms, use of logarithmic tables.

Algebra

Basic Operations, simple factors, Remainder Theorem. H.C.F., L.C.M., Theory of polynomials, Solutions of quadratic equations, relation between its roots and coefficients (Only real roots to be considered). Simultaneous linear equations in two unknowns—analytical and graphical solutions, Simultaneous linear inequations in two variables and their solutions. Practical problems leading to two simultaneous linear equations or inequations in two variables or quadratic equations in one variable and their solutions. Set language and set notation, Rational expressions and conditional identities Laws of Indices.

Trigonometry

Sin X. Cosine X. Tangent X when $0^\circ \leq X \leq 90^\circ$

Values of sin X, cos X and tan X for $X = 0^\circ, 30^\circ, 45^\circ, 60^\circ$ and 90° .

Simple trigonometric identities.

Use of trigonometric tables.

Simple cases of heights and distances.

Geometry

Lines and angles, Plane and plane figures, Theorems on (i) Properties of angles at a point (ii) Parallel lines, (iii) Sides and angles of a triangle, (iv) Congruency of triangle, (v) Similar triangles, (vi) Concurrence of medians and altitudes, (vii) Properties of angles, sides and diagonals of a parallelogram, rectangle and squares, (viii) Circles and its Properties including tangents and normals, (ix) Loci.

Mensuration

Areas of squares, rectangles, parallelograms, triangle and circle. Areas of figures which can be split up into the figures (Field Book) Surface area and volume of Cuboids, lateral surface and volume of right circular cones and cylinders, Surface area and volume of spheres.

Statistics

Collection and tabulation of statistical data Graphical representation—frequency polygons, histograms bar charts, pie charts etc.

Measures of central tendency.

INTELLIGENCE AND PERSONALITY TEST

In addition to the interview the candidates will be put to Intelligence Test both verbal and non-verbal designed to assess their basic intelligence. They will also be put to Group Test such as group discussions, group planning outdoor group tasks, and asked to give brief lectures on specified subjects. All these tests are intended to judge the mental calibre of a candidate. In broad terms, this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also his social traits and interests in current affairs.

APPENDIX II

Physical Standards for Candidates for Combined Defence Services Examination.

NOTE—CANDIDATES MUST BE PHYSICALLY FIT ACCORDING TO THE PRESCRIBED PHYSICAL STANDARD. THE STANDARD OF MEDICAL FITNESS ARE GIVEN BELOW.

A NUMBER OF QUALIFIED CANDIDATES ARE REJECTED SUBSEQUENTLY ON MEDICAL GROUNDS. CANDIDATES ARE THEREFORE ADVISED IN THEIR OWN INTEREST TO GET THEMSELVES MEDICALLY EXAMINED BEFORE SUBMITTING THEIR APPLICATIONS TO AVOID DISAPPOINTMENT AT THE FINAL STAGE.

1. A candidate recommended by the Service Selection Board will undergo a medical examination by a Board of Service Medical Officers. Only those candidates will be admitted to the academy or school who are declared fit by the Medical Board. The proceedings of the Medical Board are confidential and will not be divulged to anyone. However, the candidates declared unfit/temporarily unfit will be intimated by the President of the Medical Board and the procedure for request for a Appeal Medical Board will also be intimated to the candidate. The candidates must be physically fit according to the prescribed physical standards which are summarised below :—

- The candidate must be in good physical and mental health and free from any disease/disability which is likely to interfere with the efficient performance of duties.
- There should be no evidence of weak constitution, bodily defects or over-weight.
- The minimum acceptable height is 157.5 cms. (157 cms. for Navy and 162.5 cms for Air Force). For Gorkhas and individuals belonging to hills of North Eastern region of India, Garhwal and Kumaon, the minimum acceptable height will be 5 cm. less. In case of candidates from Laccadives, the minimum acceptable height can be reduced by 2 cms.

These concessions are not applicable for Navy. Height and weight standards are given below :—

Height and Weight Standards

Height in Centimeters (without shoes)	Weight in Kgs.		
	18 years	18 years	18 years
152	44*	45	47
155	46	48@	49
157	47	49	50
160	48	50	51
162	50	52	53
165	52	53	55
168	53	55	57
170	55	57	58
173	57	59	60
175	59	61	62
178	61	62	63
180	63	64	65
183	65	67	67
185	67	69	70
188	70	71	72
190	72	73	74
193	74	76	77
195	77	78	78

*45 for Navy.
@47 for Navy.

A +10% (for Navy) departure from the average weight given in the Table above is to be considered within normal limit. However, in individuals with heavy bones and broad built as well as individuals with thin but otherwise healthy this may be relaxed to some extent on merit.

The acceptable weight—for Air Force candidates will be $\pm 10\%$ of the average weight given above.

(d) Chest should be well developed. The minimum range of expansion after full inspiration should be 5 cms. The measurement will be taken with a tape so adjusted that its lower edge should touch the nipple in front and the upper part of the tape should touch the lower angle of the shoulder blades behind. X-Ray of the chest is compulsory and will be taken to rule out any disease of the chest.

(e) There should be no disease of bones and joints of the body.

(f) A candidate should have no past history of mental breakdown or fits.

(g) The hearing should be normal. A candidate should be able to hear a forced whisper with each ear at a distance of 610 cms. in a quiet room. There should be no evidence of present or past disease of the ear, nose and throat.

(h) There should be no sign of functional or organic disease of the heart and blood vessel. Blood pressure should be normal.

(i) The muscles of abdomen should be well developed and there should be no enlargement of liver or spleen. Any evidence of disease of internal organs of the abdomen will be cause for rejection.

(j) Un-operated hernias will make a candidate unfit. If operated this should have been done at least a year prior to the present examination and healings is completed.

(k) There should be no hydrocele, varicocele or piles.

(l) Urine examination will be done and any abnormality if detected will be a cause for rejection.

(m) Any disease of the skin which is likely to cause disability or disfigurement will also be cause for rejection.

(n) A candidate should be able to read 6/6 in a distant vision chart with each eye with or without glasses (For Navy and Air Force without glasses only). Myopia should not be more than 3.5 D, and hypermetropia not more than 3.5 D including Astigmatism. Internal examination of the eye will be done by means of ophthalmoscope to rule out any disease of the eye. A candidate must have good binocular vision. The colour vision standard will be CP-3. A candidate should be able to recognise red and green colours.

The candidates for Navy should have the following vision standards :—

Distant vision . . . 6/12, 6/12, Correctable to 6/6

Near vision . . . N-5 each eye.

Colour Vision . . . CP-I by MLT

Myopia is not to exceed 0.75 dioptres and hypermetropia not more than 1.50 diopters in the better eye and 2.50 diopters in the worse eye.

Ocular Muscle Balance.

Heterophoria with the Maddox Rod test must not exceed :

(i) At 6 metres . . . Exophoria 8 prism dioptres
Esophoria 8 prism dioptres
Hyperphoria 1 prism dioptres

(ii) at 30 cm . . . Exophoria 16 prism dioptres,
Esophoria 6 prism dioptres,
Hyperphoria 1 prism dioptres.

(o) The candidate should have sufficient number of natural and sound teeth. A minimum of 14 dental points will be acceptable. When 32 teeth are present, the total dental points are 22. A candidate should not be suffering from severe pyorrhoëa.

(p) X-Ray examination of the chest will include the lower part of cervical spine for presence of cervical ribs. X-Ray examination of other parts of spine will be taken if the SMB considers it necessary.

2. In addition to the above, the following medical standards will be applicable in respect of Air-Force candidates only :—

(a) Anthropometric measurements acceptable for Air Force are as follows :

Height . . . 162.5 cms.

Leg length . . . Min. 99 cms. & Max 120 cms.

Thigh Length . . . Max. 64 cms.

Sitting . . .

Height . . . Min. 81.5 cms. & Ma. 96 cms.

(b) X-Ray cervical and Lumbo-sacral spine will be carried out. The following conditions detected in the X-ray will be disqualifying :

(i) Granulomatous disease of Spine.

(ii) Arthritis spondylosis.

(iii) More than mild Kyphosis/Lordosis. Scoliosis More than 15 by Cobb's method will be cause for rejection.

- (iv) Spondylolisthesis spondylolysis.
- (v) Herniated Nucleus Pulposus
- (vi) Compression fracture of Vertebra.
- (vii) Scheuermann's Disease.
- (viii) Cervical Ribs with demonstrable neurological or circulatory deficit.
- (ix) Presence of Schmorl's node at more than one level.
- (x) Atlanto-occipital and atlanto-axial anomalies.
- (xi) Spina bifida other than at SVI level.
- (xii) Unilateral or incomplete bilateral sacralisation of LV5.
- (xiii) Any other abnormality, if so considered by the specialist.
- (c) X-Ray Chest is compulsory.
- (d) Vision.

Distant Vision 6/6, 6/9, Correctable to 6/6
 Near vision N-5 each eye.
 Colour Vision CP-I (MLT)

Manifest Hypermetropia must not exceed —2.00 Dsp.
Ocular Muscle Balance

Heterophoria with the Maddox Rod test must not exceed :

- (i) at 6 metres Exophoria 6 prism dioptres
 Esophoria 6 prism dioptres
 Hyperphoria 1 prism dioptre
 Myopia... nil
 Astigmatism \pm 0.75 Dsp
- (ii) at 33 cm. Exophoria 16 prism dioptres
 Esophoria 6 prism dioptres
 Hyperphoria 1 prism Dioptres.

Bionocular Vision—Must possess good binocular vision (fusion and stereopsis with good amplitude and depth).

(C) Hearing Standards

- (i) Speech test Whispered hearing 610 cms. each ear.
- (ii) Audiometric Tests Audiometric loss should not exceed +10 db in frequencies between 250 Hz and 4000 Hz.

(f) Routine ECG and EFG, should be within normal limits.

3. The medical standards for candidates of Naval Aviation Branch will be the same as for flying duties Air Force.

4. Detection of any disability in the course of a special test carried out prescribed for one service, may render the candidate unfit for any other service(s) if so considered as disqualifying by Medical Board.

APPENDIX III

(Brief Particulars of service etc.)

(A) FOR CANDIDATES JOINING THE INDIAN MILITARY ACADEMY, DEHRA DUN

1. Before the Candidate joins the Indian Military Academy—

- (a) he will be required to sign a certificate to the effect that he fully understands that he or his legal heirs shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which he may sustain in the course of or as a result of the training or

where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.

- (b) his parent or guardian will be required to sign a bond to the effect that if for any reason considered within his control, the candidate wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission if offered he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances, received as may be decided upon by Government.

2. Candidates finally selected will undergo a course of training for about 18 months. Candidates will be enrolled under the Army Act as gentlemen cadets. Gentlemen cadets will be dealt with the ordinary disciplinary purposes under the rules and regulations of the Indian Military Academy, Dehra Dun.

3. While the cost of training including accommodations, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government, candidate will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses at the Indian Military Academy are not likely to exceed Rs. 90.00 per mensem. If a cadet's parent or guardian is unable to meet wholly or partly even this expenditure financial assistance may be granted by the Government. No cadet whose parent or guardian has an income of Rs. 500.00 per mensem or above would be eligible for the grant of the financial assistance. The immovable property and other assets and income from all sources are also taken into account for determining the eligibility for financial assistance.

The parent/guardian of a candidate desirous of having any financial assistance, should immediately after his son/ward has been finally selected for training at the Indian Military Academy submit an application through the District Magistrate of his District who will, with his recommendation forward application to the Commandant, Indian Military Academy, Dehra Dun.

4. Candidate finally selected for training at the Indian Military Academy will be required to deposit the following amount with the Commandant on arrival :—

- (a) Pocket allowance for five months at Rs. 90.00 per month—Rs. 450.00
 - (b) For items of clothing and equipment—Rs. 1500.00
- Total : 1950.00

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the cadets in the event of financial assistance being sanctioned to them—

Pocket allowance for five months at Rs. 90.00 per month—Rs. 450.00

5. The following scholarships are tenable at the Indian Military Academy :—

(1) PARSHURAM BHAI PATWARDHAN scholarship.—This scholarship is awarded to cadets from MAHARASHTRA AND KARNATAKA. The value of one scholarship is up to the maximum of Rs. 500.00 per annum for the duration of a cadet's stay at the Indian Military Academy subject to the cadet's making satisfactory progress. The cadets who are granted this scholarship will not be entitled to any other financial assistance from the Government.

(2) COLONEL KENDAL FRANK MEMORIAL scholarship.—This scholarship is of the value of Rs. 360.00 per annum and is awarded to an eligible maratha cadet who should be a son of ex-servicemen. This Scholarship is in addition to any financial assistance from the Government.

6. An outfit allowance at the rate and under the general conditions applicable at the time for each cadet belonging

to the India Military Academy will be placed at the disposal of the Commandant of the Academy. The unexpended portion of the allowance will be—

- (a) handed over to the cadet on his being granted a Commission or
- (b) if he is not granted a commission refunded to the State.

On being granted a commission article of clothing and necessaries purchased from the allowance shall become the personal property of the cadet. Such articles will, however, be withdrawn from a cadet who resigns while under training or who is removed or withdrawn prior to commissioning. The article withdrawn will be disposed of to the best advantage of the State.

7. No candidate will normally be permitted to resign whilst under training. However, Gentlemen Cadet resigning after the commencement of training may be allowed to proceed home pending acceptance of their resignation by Army HQ. Cost of training, messing and allied services will be recovered from them before their departure. They and other parents/guardians will be required to execute a bond to this effect before the candidates are allowed to join Indian Military Academy. A Gentleman Cadet who is not considered suitable to complete the full course of training may, with permission of the Government be discharged. Any Army candidate under these circumstances will be reverted to his Regiment or Corps.

8. Commission will be granted only on successful completion of training. The date of commission will be that following the date of successful completion of training. Commission will be permanent.

9. Pay and allowances, pensions, leave and other conditions of service after the grant of commission will be identified with those applicable from time to time to regular officers of the army.

Training

10. At the Indian Military Academy, Army Cadets are known as Gentlemen Cadets and are given strenuous Military training for a period of 18 months aimed at turning out officers capable of leading infantry sub-units. On successful completion of training, Gentlemen Cadets are granted Permanent Commission in the rank of 2nd Lt. subject to being medically fit at S.H.A.P.E.

11. Terms and Conditions of Service

Integrated pay scale for officers upto the rank of Brigadiers (including AMC, ADC and RVC Officers not excluding Military Nursing Officers) are as following :—

Rs. 2300-100-3900-150-4200-EB-150-5100.

Maj Gen—Rs. 5900-200-6700.

Lt Gen—Rs. 7300-100-7600.

DGAfMS—Rs. 7600 (fixed).

VCAOS/Army Commander—Rs. 8000 (fixed).

Chief of Army Staff—Rs. 9000 (fixed).

In addition to pay, Rank Pay will also be given as under:—

Capt.	Rs. 200
Maj.	Rs. 600
Lt. Col.	Rs. 800
Col.	Rs. 1000
Brig.	Rs. 1200

(ii) QUALIFICATION PAY AND GRANT

Officers of the rank of Lt. Col. and below possessing certain prescribed qualifications are entitled to lump sum grant of Rs. 7500/-, 5625/-, 3000/-, or 2000/- based on the qualifications held by them. Flying Instructors (Cat. 'B') are authorised qualification Pay @ Rs. 70/- p.m.

(iii) ALLOWANCES

In addition to pay an officer at present receives the following allowances—

- (a) Compensatory (City) and Dearness Allowance admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the civilian Gazetted Officers from time to time.
- (b) A kit maintenance allowance of Rs. 100/- p.m.
- (c) Expatriation Allowance is admissible when serving Ex-India. This varies from 25% to 40% of the corresponding single rate of above foreign allowance.
- (d) Separation allowance : Married officers posted to non-family stations are entitled to receive separation allowance of Rs. 140 p.m. Separation allowance (Peace) discontinued.
- (e) Outfit Allowance : Initial outfit allowance is Rs. 3000/-.
Renewal outfit allowance @ Rs. 3000/- is to be claimed after every seven years of the effective service commencing from the date of first commission.
- (f) Free rations are provided to officers of all ranks in the Army.
- (g) During last 6 months of training at the respective service institutions prior to being Commissioned the trainees will get a fixed amount of Rs. 1500/-.

(iv) POSTING

Army officers are liable to serve anywhere in India and abroad.

PROMOTION

(a) Substantive promotions

The following are the service limits for the grant of the substantive promotion to higher ranks :—

Lt.	2 years of Commissioned service
Capt.	5 years of Commissioned service
Major	11 years of Commissioned service.
Lt. Col.	21 years of Commissioned service.

By Selection

Lt. Col.	16 years of Commissioned service
Col.	20 years of Commissioned service.
Brigadier	23 years of Commissioned service.
Major Gen.	25 years of Commissioned Service
Lt. Gen. General	28 years of Commissioned service
General	No restrictions.

(b) Acting promotion

Officers are eligible for acting promotion to higher ranks on completion of the following minimum Service limits subject to availability of vacancies :—

Captain	3 years
Major	6 years
Lt. Colonel	6-1/2 years
Colonel	8-1/2 years
Brigadier	12-1/2 years
Major General	20 years
Lt. General	25 years

(B) FOR CANDIDATE JOINING THE NAVAL ACADEMY, GOA

1. (a) Candidates, finally, selected for training at the Academy will be appointed as cadets in the Executive Branch of the Navy. They will be required to deposit the following amount with the Captain, Naval Academy, Goa.

(1) Candidates not applying for government financial aid :

(i) Pocket allowance for six months	
@Rs. 100.00 per month	Rs. 600.00
(ii) For items of clothing and equipment	Rs. 1260.00
Total	Rs. 1860.00

(2) Candidates applying for Government financial aid :

(i) Pocket allowance for two months	
@Rs. 100.00 per month	Rs. 200.00
(ii) For items of clothing and equipment	Rs. 1260.00
	Rs. 1460.00

(b) (i) Selected Candidates will be appointed as cadets and undergo training in Naval Ships and establishment as under :

(a) Cadets Training afloat training for 6 months	
(b) Midshipmen afloat training	6 months
(c) Acting Sub-Lieutenant Technical Course	12 months
(d) Sub-lieutenants	

On completion of the above training the officers will be appointed on board Indian Naval Ships for obtaining full Naval Watch-keeping certificates for which a minimum period of six months is essential.

(ii) The cost of training including accommodation and allied services, books, uniform, messing and medical treatment of the cadets at the Naval Academy will be borne by the Government. Parents or guardians of cadets will, however be required to meet their pocket and other private expenses while they are cadets. When a cadet's parent or guardian has an income less than Rs. 500 per mensem and is unable to meet wholly or partly the pocket expenses of the cadet, financial assistance upto Rs. 90 per mensem may be granted by the Government. A candidate desirous of securing financial assistance may immediately after his selection, submit an application through the District Magistrate of his District, who will with his recommendations, forward the application to the Director of Manpower, Planning & Recruitment, Naval Headquarters, New Delhi-110 011.

Provided that in a case where two or more sons or wards of a parent or guardian are simultaneously undergoing training at Naval ships/establishments, financial assistance as aforesaid may be granted to all of them for the period they simultaneously undergo training if the income of the parent or guardian does not exceed Rs. 600 p.m.

(iii) Subsequent training in ships and establishments of the Indian Navy is also at the expense of the Government. During the first six months of their training after leaving the Academy financial concession similar to those admissible at the Academy vide sub-para (ii) above will be extended to them. After six months of training in ships and establishment of the Indian Navy. When Cadets are promoted to the rank of Midshipmen they begin to receive pay and parents are not expected to pay for any of their expenses.

(iv) In addition to the Uniform provided free by the Government cadets should be in possession of some other items of clothing. In order to ensure correct pattern and uniformity these items will be made at Naval Academy and

cost will be met by the parents or guardians of the cadets. Cadets apply for financial assistance may be issued with some of these items or clothing free or on loan. They may only be required to purchase certain items.

(v) During the period of training Service Cadets may receive pay and allowances of the substantive rank held by them as a sailor or as an apprentice at the time of selection as cadets. They will also be entitled to receive increments of pay, if any, admissible in that rank. If the pay and allowances of their substantive rank be less than the financial assistance admissible to direct cadets and provided they are eligible for such assistance they will also receive the difference between the two amounts.

(vi) No cadet will normally be permitted to resign while under training. A cadet who is not considered suitable to complete the full course at the Indian Naval Ships and establishment may, with the approval of the Government be withdrawn from training and discharged. A service cadet under these circumstances may be reverted to his original appointment. A cadet thus discharged or reverted will not be eligible for re-admission to a subsequent course. Cases of cadets who are allowed to resign on compassionate grounds, however, be considered on merits.

2. Before a candidate is selected as a cadet in the Indian Navy, his parent or guardian will be required to sign :-

(a) A certificate to the effect that he fully understands that he or his son or ward shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which his son or ward may sustain in the course of or as a result of the training or whose bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.

(b) A bond to the effect that if for any reason considered within the control of the candidate he wishes to withdraw from training or fails to accept a commission, if offered, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of the tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by the Government.

3. PAY AND ALLOWANCES

(a) PAY

Rank	Pay Scale	Rank Pay
1	2	3
Midshipman	Rs. 1500/-fixed	
Ag Sub-Lieut.	Integrated Scale	
Sub-Lieut.	of Rs. 2300-100-3900-150-4200-EB-150-5100	
Lieut		Rs. 200/-p.m.
Lieut Cdr.		Rs. 600/-p.m.
Commander		Rs. 800/-p.m.
Captain (With less than 3 years service in the rank)		Rs. 1000/-p.m.
Captain (With 3 years or more Service in the rank)		Rs. 1200/-p.m.
Commodor		
Rear Admiral	Rs. 5900-200-6700	
Vice Admiral	Rs. 7300-100-7600	
Vice Admiral (VCNS & EOC-IN-C of Naval Commands)	Rs. 8000/-p.m. fixed.	
CNS	Rs. 900 p.m. fixed.	

(b) ALLOWANCES

In addition to pay, an officer, receives the following allowances :—

- (i) Compensatory (City) and dearness allowance are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the Civilian Gazetted officers from time to time.
- (ii) A kit maintenance allowance of Rs. 100/- p.m.
- (iii) When officers are serving outside India expatriation allowances ranging from Rs. 50 to Rs. 250 p.m. depending on rank held is admissible.
- (iv) A separation allowance field of Rs. 140 p.m. is admissible to—
 - (a) married officers serving in non-family station; and
 - (b) married officers serving on board IN. Ships for the period during which they remain in ships away from the base ports;
- (v) (a) Outfit Allowance : Initial Outfit Allowance is Rs. 3,500/-.
- (b) Renewal Outfit Allowance is Rs. 3,500/- after every 7 years of effective Service.
- (vi) Free rations are provided to officers of all ranks in the Navy.

NOTE I :—In addition certain special concessions like hard-lying money sub-marine allowance, survey pay, qualification pay grant, Technical Pay and diving pay are admissible to officers.

NOTE II :—Officers can volunteer for Service in Sub-marine or Aviation Arms. Officers selected for Service in these arms are entitled to special pay viz. Sub-marine/Flying pay.

4. PROMOTION

(a) By time scale

Midshipman to Ag. sub	
Lieut.	1/2 year
Ag. Sub. Lieut. to Sub	
Lieut.	1 year
Sub. Lieut. to Lieut.	3 years as Ag. and Confirmed Sub. Lt. (Subject to gain for forfeiture of seniority)
Lieut. to Lieut. Cdr.	8 years seniority as Lieut.
Lieut. Cdr. to Cdr. (if not promoted by selection)	24 years (reckonable commissioned service)

(b) By Selection

Lieut. Cdr. to Cdr.	2-8 years Seniority as Lieut. Cdr.
Lieut. Cdr.	4 years seniority as Cdr.
Capt. to Rear Admiral and above	No service restriction

5. POSTING

Officers are liable to serve anywhere in India and abroad.

NOTE :—Further information, if desired, may be obtained from the Director of Manpower Planning & Recruitment Naval Headquarters, New Delhi-110 011.

(C) FOR CANDIDATES JOINING THE OFFICERS TRAINING ACADEMY MADRAS

1. Before the candidate joins the Officers' Training Academy Madras—

- (a) he will be required to sign a certificate to the effect that he fully understands that he or his legal heirs

shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which he may sustain in the course of or as a result of the training, or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon, or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.

- (b) his parent or guardian will be required to sign a bond to the effect that, if for any reason considered within his control the candidate wishes to withdraw before the completion of the course or, fails to accept a commission if offered or matures while under training at the Officers Training Academy, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by the Government.

2. Candidates finally selected will undergo a course of training at the Officer's Training Academy for an approximate period of 9 months. Candidates will be enrolled under the Army Act as gentlemen cadets. Gentlemen cadets will be dealt with for ordinary disciplinary purposes under the rules and regulations of the Officer's Training Academy.

3. While the cost of training including accommodations, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government, candidates will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses during the pre-commission training are not likely to exceed Rs. 90 per month but if the cadets pursue any hobbies such as photography, Shikar, hiking etc. they may require additional money. In case, however, the cadet is unable to meet wholly or partly even the minimum expenditure, financial assistance at rates which are subject to change from time to time, may be given provided the cadet and his parent/guardian, have an income below Rs. 500 per month. The rate of assistance under the existing orders is Rs. 90.00 per month. A candidate desirous of having financial assistance should immediately after being finally selected for training submit an application on the prescribed form through the District Magistrate of his district who will forward the application to the Commandant, Officer's Training Academy MADRAS along with his verification report.

4. Candidates finally selected for training at the Officers' Training Academy will be required to deposit the following amount with the Commandant on arrival :—

(a) Pocket allowance for ten month at Rs. 90.00 per month	Rs. 900.00
(b) For items of clothing and equipment	Rs. 500.00
Total	Rs. 1400.00

Out of the amount mentioned above the amount mentioned in (b) above is refundable to the Cadets in the even of financial assistance being sanctioned to them.

5. Outfit allowance will be admissible under order as may be issued from time to time.

On being granted a commission articles of clothing and necessities purchased from this allowance shall become the personal property of the cadet. Such articles, will however be withdrawn from a cadet who resigns while under training or who is removed or withdrawn prior to commissioning. The articles withdrawn will be disposed of to the best advantage of the State.

6. No candidate will normally be permitted to resign whilst under training. However, Gentlemen Cadets resigning after the commencement of training may be allowed to proceed home pending acceptance of their resignation by Army HQ. Cost of training, messing the allied services will

be recovered from them before their departure. They and their parents/guardians will be required to execute a bond to this effect before the candidates are allowed to join Officer's Training Academy.

6 (a) On joining OTA, candidates will not be permitted to appear for any examination/interview for any other type of commission/entry in the Army, Navy and Air Force or any other employment without resigning from the Academy and paying the cost of training. However, no cost of training including messing charges will be recovered from these Gentlemen Cadets who may resign from the Officers' Training Academy, Madras to undergo pre-commission training at the Indian Military Academy, Dehradun or corresponding cadet training establishments in Navy and Air Force, if so selected.

7. A Gentleman Cadet who is not considered suitable to complete the full course of training may with permission of Government be discharged. An Army candidate under these circumstances will be reverted to his Regiment or Corps.

8. Pay and allowances, pension, leave and other conditions of service, after the grant of Commission, are given below.

9. Training

1. Selected candidates will be enrolled under the Army Act as Gentlemen Cadets and will undergo a course of training at the Officer's Training Academy for an approximate period of nine months. On successful completion of training Gentlemen cadets are granted Short Service Commission in the rank of 2/Lt. from the date of successful completion of training.

10. Terms and condition of Service

(a) Period of probation

An officer will be on probation for a period of 6 months from the date he receives his commission. If he is reported on within the probationary period as unsuitable to retain his commission, it may be terminated any time whether before or after the expiry of the probationary period.

(b) Posting

Personnel granted Short Service Commission are liable to serve anywhere in India and abroad.

(c) Tenure of Appointment and Promotion

Short Service Commission in the Regular Army will be granted for a period of five years. Such officers who are willing to continue to serve in the Army after the period of five years Short Service Commission may if eligible and suitable in all respect, be considered for the grant of Permanent Commission in the last year of their Short Service Commission in accordance with the relevant rules. Those who fail to qualify for the grant of Permanent Commission during the tenure of five years, would be released on completion of the tenure of five years.

(d) Pay and allowances

Officers granted Short Service Commission will receive pay and allowances as applicable in the regular officers of the Army.

Rate of pay of 2/Lt. and Lieut are :—

(i) Second Lieut	Rs. 750—790/- p.m.
(ii) Lieut	Rs. 830—950/- p.m. plus other allowances as laid down for regular officers.

(c) *Leave* : For leave, these officers will be governed by rules applicable to Short Service Commission Officers as given in Chapter V of the Leave Rules for the Service Vol. I-Army. They will also be entitled to leave on passing out of the Officers' Training Academy and before assumption of duties under the provision of the Rule 91 *ibid*.

(f) *Termination of Commission* : An officer granted Short Service Commission will be liable to serve for five

years but his Commission may be terminated at any time by the Government of India—

- (i) for misconduct or if services are found to be unsatisfactory; or
- (ii) on account of medical unfitness; or
- (iii) if his services are no longer required; or
- (iv) if he fails to qualify in any prescribed test or course.

An officer may on giving 3 months notice be permitted to resign his commission on compassionate grounds of which the Government of India will be the sole judge. An officer who is permitted to resign his commission on compassionate grounds will not be eligible for terminal gratuity.

(g) Pensionary benefits

- (i) These are under consideration.
- (ii) SSC officers on expiry of their five years terms are eligible for terminal gratuity of Rs. 5,000.00.

(h) Reserve Liability

On being released on the expiry of five years Short Service Commission or extension thereof they will carry a reserve liability for a period of five years or upto the age of 40 years whichever is earlier.

(i) *Miscellaneous* : All other terms and conditions of Service where not at variance with the above provisions will be the same as for regular officers.

(D) FOR CANDIDATES JOINING THE AIR FORCE ACADEMY

1. *Selection—Recruitment to the Flying Branch (Pilots)* of the IAF is carried out through two sources i.e. Direct entry through UPSC and NCC (Senior Division Air Wing).

(a) *Direct Entry*.—Selection is made through a written examination conducted by the Commission twice a year normally in May and November. Successful candidates are then sent to the Air Force Selection Boards for tests and interviews.

(b) *NCC Entry*.—Application from NCC candidates are invited by Direct General NCC through respective NCC units and forwarded to Air HQ. Eligible candidates are directed to report to AFSBs for tests and interviews.

2. *Detailing for Training*.—Candidates recommended by the AFSBs and found medically fit by appropriate medical establishment are detailed for training strictly on the basis of merit and availability of vacancies. Separate merit lists are prepared for Direct Entry candidates through UPSC and for NCC candidates. The merit list for Direct Entry Flying (Pilot) candidates is based on the combined marks secured by the candidates in the tests conducted by the UPSC and at the AF Selection Boards. The merit list for NCC candidates is prepared on the basis of marks secured by them at AFSBs.

3. *Training*.—The appropriate duration of training for Flying Branch (Pilots) at the Air Force Academy will be 75 weeks.

Insurance cover during Flying Training.—Air Force Group Insurance Society would pay Rs. 35,000/- as Ex gratia award to the next-of-kin of a flight cadet drawn from Civil life and undergoing flying training in an unfortunate eventuality. In case flight cadet undergoing flying training is medically invalidated and boarded out, he would be paid Rs. 20,000 as Ex-gratia award for 100% disability and this reduces proportionately upto 20%.

One flight cadets are granted pay and allowances by Government, the death cover would be Rs. 50,000/- and the disability cover would be Rs. 25,000/- for 100% disability. This cover would be provided by AFGIS on payment of monthly non-refundable contribution of Rs. 76/- by each flight cadet undergoing flying training for which membership would be compulsory.

Conditions governing Financial Assistance

(i) While the cost of training including accommodations, books, uniforms boarding and medical treatment will be borne by Government candidates will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses at the Air Force Administrative College are not likely to exceed Rs. 90.00 per mensem. If a cadet's parent or guardian is unable to meet wholly or partly even this expenditure, financial assistance may be granted by the Government. No cadet whose parent or guardian has an income of Rs. 500.00 per mensem or above would be eligible for the grant of the financial assistance. The immovable property and other assets and income from all sources are also taken into account for determining the eligibility for financial assistance. The parent/guardian of a candidate desirous of having any financial assistance, should immediately, after his son/ward has been finally selected for training at the Air Force Administrative College submit an application through the District Magistrate of his district who will, with his recommendations, forward the application to the Commandant Air Force Administrative College, Red Fields, Coimbatore.

(ii) Candidates finally selected for training at the Air Force Administrative College will be required to deposit the following amount with the commandant on arrival :—

(a) Pocket allowance for five months @ Rs. 90.00 per month—Rs. 450.00.

(b) For item of clothing and equipment Rs. 525.00
Total : Rs. 975.00.

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the cadets in the event of financial assistance being sanctioned :—

Pocket allowance for the five months at Rs. 90.00 per month—Rs. 450.00.

4. Career Prospects

After successful completion of training the candidates pass out in the rank of Pilot Officer and become entitled to the pay and allowances of the rank. At the existing rates, Officers of the Flying Branch get approximately Rs. 3,700/- p.m. which includes flying pay of Rs. 1200/- p.m. Air Force offers good career prospects though it varies from branch to branch. There are two types of promotions in the IAF i.e. grant of higher Acting rank and Substantive rank. Each higher rank carries with it extra emolument. Depending on the number of vacancies, one has a good number of chances to get promotion to the higher Acting rank. Time-scale promotion to the rank of Squadron Leader and Wing Commander is granted after successful completion of 11 years for Flying (Pilot) branch and 24 years of service respectively. Grant of higher rank from Wing Commander and above is by selection, carried out by duly constituted promotion Boards. Promising Officers have good chances of higher promotions.

5. Pay and Allowances

(a) (i) The following integrated scale will be admissible to officers of the rank of Pilot Officer to Air Commodore :—

Rs. 2300-100-3900-150-4200-EB-150-5100.

(ii) Scales of pay for officers of the rank of Air Vice Marshal and above :—

(aa) Air Vice Marshal—Rs. 5900-200-6700.

(bb) Air Marshal—Rs. 7300-100-7600.

(cc) VCAS/AOC-in-C of Air Commands—Rs. 8000/- (fixed).

(dd) Chief of the Air Staff—Rs. 9000/- (fixed).

(b) In addition to the pay in the above integrated scale, the following Rank Pays will be admissible depending upon the rank held :—

Rank	Amount of Rank pay p.m.
Flight Lieutenant	Rs. 200/-
Sqn Ldr and Wg Cdr (TS)	Rs. 600/-
Wg Cdr (Selective)	Rs. 800/-
Group Captain	Rs. 1000/-
Air Commodore	Rs. 1200/-

Dearness and Compensatory Allowances.—Officers are entitled to these allowances at the rates under condition applicable to civilian employees of Government of India.

Kit Maintenance Allowance.—Rs. 75/- p.m. Flying Pay—Officers of the Flying Branch are entitled to get Flying Pay at the following rates :—

Gp. Captain and below	Rs. 1200/- P.M.
Air Comde and above	Rs. 900/- P.M.

Qualification Pay.—Officers of the rank of Wing Commander and below who have completed two or more years of commissioned service are eligible for qualification pay grant at prescribed rates in respect of certain specified qualifications. Rates of qualification pay Rs. 70/-, 100/- and grants are Rs. 7,500/-, Rs. 5,625/-, Rs. 3000/- and Rs. 2000/-.

Expatriation Allowance.—Ranging from 25 per cent to 40 per cent (depending upon the rank held) of the Foreign Allowance admissible to a single Third Secretary/Second Secretary/First Secretary/Counsellor, serving in the country where IAF Officers are required to move as body of troop.

Separation Allowance.—Married Officers posted to Units Formations located at non-family stations/areas notified as such by Government for this purpose, where families are not permitted to accompany them will receive separation allowance of Rs. 140/- p.m.

Outfit Allowance.—Rs. 3,000/- initially (as modified from time to time) towards cost of uniform/equipment which an Officer has to possess; Rs. 3,000/- for renewal after every seven years.

Camp Kit.—Free issue at the time of commissioning.

Free rations are provided to officers of all ranks in the Air Force.

6. Leave and Leave Travel Concession

Annual Leave.—60 days a year.

Casual Leave.—20 days a year not more than 10 days at a time.

Officers and their families are entitled to free conveyance when proceeding on annual/casual leave irrespective of its duration one year after commissioning. Once in a block of two years, commencing from January, 1971 the conveyance is admissible from place of duty (unit) to home. The year in which this concession is not availed of free conveyance for a distance of 1450 kms. each way is admissible for self and wife.

In addition officers of Flying Branch employed on regular flying duties in vacancies in authorised establishment are allowed, while proceeding on leave once every year on warrant a free rail journey in the appropriate class upto a total distance of 1450 kms. each way is admissible for self, wife and dependent children.

Officers when travelling on leave at their own expense are entitled to first class travel on payment of 60 per cent of the fare for self, wife and children from unit to any place within India thrice in a calendar year. One of these may be availed of for the entire family. In addition to wife and children family includes parents, sisters and minor brothers residing with and wholly dependent upon the officers.

7. Pensionary Benefits

Retiring Pension : The minimum period of qualifying service required for retiring pension is 20 years (without weightage). Retiring Pension shall be calculated at 50% of the average of emoluments reckonable for Pension (i.e. pay, rank pay and non-practising allowance, if any) drawn by the officer during the last 10 months of his service. The amount so determined shall be maximum of Rs. 4,500/- per month and shall be the retiring pension for 33 years of reckonable qualifying service (i.e. actual service rendered + service weightage in years admissible). For lesser years of reckonable qualifying service, this amount shall be proportionately reduced and the retiring pension in no case shall be less than Rs. 375/- per month.

8. Retiring Gratuity

Retiring Gratuity : The minimum period of qualifying service for earning retiring gratuity is 10 years (without weightage). The retiring gratuity shall be admissible at a uniform rate of $\frac{1}{4}$ a month's emoluments for each completed six monthly period of qualifying service. The emoluments for this purpose shall be pay, rank pay and non-practising allowance, (if any) last drawn by the officer.

In addition to pension or gratuity a death-cum-retirement gratuity, equal to 14th of emoluments for each completed six monthly period of qualifying service plus a weightage of 5 years subject to maximum of 16 $\frac{1}{2}$ times of the emoluments not exceeding Rs. 1 lakh is admissible.

in case of death while in service the amount of death-cum-retirement gratuity will be as follows:—

- (a) two months pay, if death occurs in the first year of service;
- (b) six months pay, if death occurs after the first year but before completion of five years;
- (c) minimum of 12 months pay, if death occurs after five years, but before completion of 20 years;
- (d) minimum 12 months pay and maximum 33 months pay, subject to the condition that the amount of death-cum-retirement gratuity shall in no case exceed Rs. 1 lakh, if death occurs after 20 years or more.

Disability pension and Special Family Pensionary award, including awards to children and dependents (Parents, brothers and sisters), are also payable in accordance with the prescribed rules.

9. Other Privileges

The officers and their families are entitled to free medical aid, accommodation on concessional rent, group Insurance scheme, group housing scheme, family assistance scheme, canteen facilities etc.